RNI No. UPHIN/2021/A2019

दैनिक सिद्धि सरकार

वर्ष :5 | अंक:287 | WWW.Siddhisarkar.com | ललितपुर 4 जुलाई शनिवार 2026 | पृष्ठ:12 मूल्य :3 रुपये

अयोध्या जाकर करूंगा मुकदमा, राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर दिग्विजय सिंह का ऐलान

भोपाल में महिला कांग्रेस के धरना प्रदर्शन में शामिल हुए मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर आंदोलन, चंदे और भाजपा-आरएसएस को लेकर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन की लड़ाई भाजपा या आरएसएस ने नहीं, बल्कि संतों और मठों ने लड़ी थी. साथ ही उन्होंने राम मंदिर चंदा मामले में अयोध्या जाकर मुकदमा दर्ज कराने का भी ऐलान किया.

राम मंदिर की लड़ाई ऋस्स और बीजेपी ने नहीं लड़ी-दिग्विजय सिंह ने कहा, ÷हनुमान गढ़ी और गोरखनाथ मठ ने राम मंदिर की लड़ाई लड़ी. न तब वहां ऋस्स थीं और ना तब वहां बीजेपी पार्टी थी. भगवान राम से प्रेम इन्हें तब उमड़ा जब इनके केवल 2 सांसद बचे.÷ उन्होंने आगे कहा, ÷ये लोग धर्म को

बेचकर अपनी कमाई करते हैं और उसे कमाई से वोट खरीदते हैं, विधायक खरीदते हैं, सांसद खरीदते हैं. हमारे ही चंदा की चोरी कर यह खरीद रहे हैं. मामले में चंपत राय और अनिल मिश्रा को बचाया जा रहा है. मैंने जो चंदा दिया है, जिसकी इन्होंने चोरी की है, इसके लिए अपने वकील के माध्यम से 5-6 जुलाई को अयोध्या जाकर केस दर्ज कराऊंगा.÷

राम मंदिर चंदे को लेकर कोर्ट जाने की घोषणा-राम मंदिर चंदे में कथित गड़बड़ी के मामले पर दिग्विजय सिंह ने कहा, ÷उन्होंने अनिल मिश्रा और चंपत राय से इस्तीफ़ा मांगा, लेकिन कोषाध्यक्ष महंत गोविंद गिरि से पद छोड़ने के लिए नहीं कहा गया और न ही चंपत राय या अनिल मिश्रा के खिलाफ कोई स्न्ढ्ढक्र दर्ज की गई.÷ उन्होंने आगे बताया, ÷दिल्ली में एक बड़े क्रिमिनल लॉयर दोस्त ने मुझे फोन करके कहा कि दिग्विजय, जो चंदा आपने दिया था, उसके लिए आपको अयोध्या कोर्ट में केस करना चाहिए कि उन्होंने आस्था से जुड़े काम के लिए दिए गए पैसे की चोरी की है. मांग करें कि पैसा वापस किया जाए ताकि आप उसे शंकराचार्य के मठ या रामालय ट्रस्ट में जमा कर सकें. मैं 5 या 6 तारीख़ को अपने वकील से मिलूंगा और अयोध्या जाकर मुकदमा दायर करूंगा. मैं इन सभी ट्रस्टियों को जेल भिजवाऊंगा.

शताब्दी बनी पैसेंजर

ललितपुर नगर पालिका अध्यक्ष का भी यही हाल स्वयं में वहां वही करती सोनाली जैन कई यूट्यूब एवं स्वयं द्वारा वह भाई करने वाली समाचार पत्रों में होती है प्रचारित खबरें नगर पालिका पद ललितपुर द्वारा जिन्होंने निर्वात मां अध्यक्ष स्वर्गीय श्रीमती सरला जैन की आकस्मिक मृत्यु होने के बाद हुए उप चुनाव में जोरदार जीत हासिल की थी तब शहर के जनमानस एवं भोली भाली जनता जिन्होंने अपना अमूल्य मत सोनाली जैन को विजई बनाने के लिए इस उद्देश्य से दिया था कि ललितपुर नगर पालिका के अंतर्गत जितने भी वार्ड हैं उनमें सड़क एवं सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं प्राप्त हो परंतु यूपी चुनाव जीतने के बाद नगर पालिका अध्यक्ष सोनाली जैन द्वारा शुरुआती दौर में विभिन्न वार्डों में जाकर आकस्मिक निरीक्षण के दौरान मूलभूत सुविधाएं जिनका अभाव था उनका पूरा करने के लिए तत्पर रही बावजूद इसके सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार सड़क निर्माण में नगर पालिका परिषद ललितपुर द्वारा बतौर कमीशन के रूप में 35 से लेकर 45ल तक का कमीशन ठेके द्वारा द्वारा नगर पालिका परिषद ललितपुर को दिया जाता है बावजूद इसके निर्माण कार्य होने के पश्चात सूत्र बताते हैं निर्माण संबंधी पेमेंट की प्रक्रिया शुरू करवाने के बाद एक अलग समिति जिसको तक समिति के पास भेजा जाता है जहां पर हमारे सूत्र यह बताते हैं कि उसका अलग से 3 से 5ल का भुगतान ठेके द्वारा ठेकेदारों द्वारा करना पड़ता है तब जाकर उक्त ठेकेदारों का निर्माण संबंधी पेमेंट होता है बावजूद इसके टेंडर के समय जो धरोहर राशि लगती है उसका भुगतान 3 से 6 महीने बाद होता है? इतना कमीशन होने के बावजूद क्या ठेकेदार निर्माण कार्य कराएगा एवं क्या बचाएगा पूछता है

दैनिक सिद्धि सरकार

सिंधु जल संधि- पाकिस्तान के हाथ काट देने वाले बयान पर भारत का करारा जवाब, MFA बोला- सीमा पार

सिंधु जल संधि पर भारत ने शुक्रवार को पाकिस्तान की धमकियों का करारा जवाब दिया है. विदेश मंत्रालय ने दो टूक कहा है कि सिंधु जल संधि पर भारत का रुख हमेशा एक जैसा रहा है. स्ष्ठ्र प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान लगातार सीमा पार आंतकवाद का समर्थन करता है और उसे बढ़ावा देता है इसलिए यह संधि फिलहाल स्थगित है.पाकिस्तान की चेतावनी को भारत ने दिया जवाब-विदेश मंत्रालय की यह प्रतिक्रिया तब आई है जब इस हफ्ते की शुरुआत में एक पाकिस्तानी मंत्री ने संधि को लेकर भारत को चेतावनी दी थी. पाकिस्तान ने कहा था कि इस्लामाबाद उन लोगों के हाथ काट देगा जो सिंधु नदी के पानी पर नियंत्रण करने की कोशिश कर रहे हैं. पाकिस्तान के क्लाइमेट चेंज मंत्री मुसादिक मलिक ने कहा, %पड़ोसी देश (भारत) के प्रधानमंत्री के हाथ में एक नल का कंट्रोल है और वे कहते हैं कि वे पाकिस्तान में पानी की एक बूंद भी नहीं जाने देंगे. अगर किसी ने पाकिस्तान के हिस्से के पानी पर हाथ डाला या उसे रोकने की कोशिश की तो वे उसका हाथ काट देंगे.%

इलाके की शांति का खतरा- इशाक डारइस बयान से पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने भी चेतावनी दी थी. अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद से सिंधु जल समझौता सस्पेंड है.

खामेनेई की अंतिम सलामी से ठीक पहले ईरान ने दी जंग की धमकी! तेहरान बोला- शांति समझौते का नहीं...

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम सलामी के कार्यक्रम से एक दिन पहले तेहरान ने अमेरिका और इजरायल को चेतावनी दी है. ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ ने कहा है कि अगर अमेरिका और इजरायल पिछले महीने वाशिंगटन और तेहरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन का सम्मान नहीं करते हैं तो ईरान उचित जवाब देगा. बेलारूस संसद के स्पीकर के साथ बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि ईरान समझौतों को पूरी तरह लागू करने की मांग करेगा.

ईरान की यूएस और इजरायल को चेतावनी-सरकारी मीडिया आउटलेट आईएसएनए के अनुसार, मोहम्मद बाकिर गालिबाफ ने उन्होंने अमेरिका और इजरायल को चेतावनी दी है कि अगर वे अपने वादों को पूरा नहीं करते हैं तो ईरान भी उनके खिलाफ उसी तरह के कदम उठाना फिर से शुरू कर देगा. इसके साथ ही गालिबाफ का दावा है कि अमेरिका को अब यह

समझ आ गया है कि वह ईरान से सैन्य तौर पर नहीं जीत सकता.

नेतन्याहू ने खुद को किया था डील से दूर-टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक इस समझौते में इजरायल शामिल नहीं था और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खुद को इससे दूर कर लिया है. हालांकि समझौते की शर्तों के अनुसार यह अमेरिका, ईरान और उनके सभी सहयोगियों पर लागू होता है, जिसका मकसद जंग को हमेशा के लिए खत्म करना है. इजरायली अधिकारी इस समझौते का कड़ा विरोध कर रहे हैं क्योंकि उनका मानना है कि इससे युद्ध का मुख्य मकसद पूरा नहीं होता. इजरायल का मकसद ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को खत्म करना और वहां की सरकार को गिराना है.

खामेनेई के अंतिम सलामी का कार्यक्रम-ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का अंतिम संस्कार 4 जुलाई से 9 जुलाई 2026 के बीच आयोजित किया जा रहा है. तेहरान में 4 और 5 जुलाई को ग्रैंड इमाम खुमैनी मुसल्ला में अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि समारोह रखा गया है. इसके बाद 6 जुलाई को अंतिम यात्रा निकाली जाएगी. वहीं खामेनेई के पार्थिव शरीर को 9 जुलाई को मशहद स्थित इमाम रजा दरगाह में दफन किया जाएगा. विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत की तरफ से बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पवित्रा मार्गेरिटा इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ईरान जाएंगे.

सोनम रघुवंशी को मिली राहत तो छलक आया राजा की मां का दर्द, पूछा- कब मिलेगा न्याय? पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

राजा रघुवंशी हत्याकांड- सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी सोनम रघुवंशी को मिली जमानत पर रोक लगाने से इनकार कर दिया. अब इस मामले में अगली सुनवाई 10 जुलाई को होगी. उधर, सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर राजा रघुवंशी के परिवार की प्रतिक्रिया आई है.

राजा की मां उमा रघुवंशी ने कहा, मैं सुप्रीम कोर्ट से निवेदन करना चाहती हूं कि इस मामले में जल्द फैसला सुनाकर सोनम को सलाखों के पीछे भेजा जाए. राजा को न्याय मिल सके. मैं मुख्यमंत्री मोहन यादव और केंद्र की मोदी सरकार से सीबीआई जांच और मामले में शीघ्र निर्णय हो. अगर मेरे बेटे को न्याय नहीं मिला, तो सोनम जैसी महिलाएं ऐसे अपराध करती रहेंगी. उमा ने कहा कि आखिर ये मामला इतना धीरे क्यों चल रहा है? मेरा निवेदन है कि सरकारें हमारी पुकार सुनें. अब तक हमको न्याय नहीं मिला. हमारी सीबीआई जांच की मांग पूरी की जाए. इतने गवाह थे, कागज थे तो आखिर जमानत कैसे मिली? अगर न्याय नहीं मिलेगा तो सोनम जैसी लड़कियों का हौसला बढ़ेगा.

क्या बोले राजा के भाई सचिन?सुप्रीम कोर्ट के इनकार पर राजा रघुवंशी के बड़े भाई सचिन रघुवंशी ने कहा, सुप्रीम कोर्ट से हमें उम्मीद है कि राहत मिलेगी. हम शुरू से ही सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं. पुलिस की टाइपिंग संबंधी गलतियों और जांच में कमियों की वजह से केस इतना उलझ गया है. हमें अब तक न्याय नहीं मिल पाया है. पुलिस यह देखे कि किसकी गलती थी...एक गलती की वजह से नई नई सोनम पैदा होते जा रहीं हैं. एक अन्य बयान में सचिन रघुवंशी ने कहा, हमें सुप्रीम कोर्ट पर पूरा भरोसा है कि वह यह सुनिश्चित करेगा कि सोनम रघुवंशी लंबे समय तक जमानत पर बाहर न रहे. हम सरकार से अपील करते हैं कि मेरे भाई राजा को न्याय दिलाया जाए.

न्यूज ब्रीफ

गब्बर सिंह और उसके परिजनों के साथ आज भी गाली गलौज मारपीट कर दी गई धमकी

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चार विपक्षियों के खिलाफ किया मामला दर्ज

ललितपुर। थाना मड़ावरा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम लिधौरा में रहने वाले गब्बर सिंह और उसके परिजनों के साथ विवाद के दौरान गांव के ही विपक्षियों ने सरेआम गाली गलौज कर मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। उक्त घटना के संबंध में पीड़ित गब्बर सिंह की शिकायत पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

ग्राम लिधौरा निवासी गब्बर सिंह पुत्र ओसाब सिंह यादव ने थाना मड़ावरा पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि दिनांक 2 जुलाई 2026 को शाम 7ः00 बजे जब वह अपने घर पर था, तो इसी दौरान उसकी कहासुनी गांव में ही रहने वाले बिपक्षी मेघराज पुत्र अपरबल यादव के साथ हो गई थी। इस कहासुनी से आक्रोशित दबंग विपक्षी मेघराज ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर एक राय होकर उसके साथ जमकर गाली गलौज की। इस दौरान जब उसके परिजनों ने विपक्षियों की इस हरकत पर बिरोध जताया, तो सभी दबंगों ने उसके और उसके परिजनों के साथ सरेआम लाठी डंडों लात घुसा से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। थाना मड़ावरा पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ 115(2), 352, 351(2), 351(3) धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

जमीनी विवाद को लेकर एक राय होकर गाली गलौज मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप

पीड़ित ग्रामीण की शिकायत पर आठ नामजद एवं कुछ अज्ञाताओं पर मामला दर्ज

ललितपुर। थाना जखौरा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम विनैका माफी में जमीनी विवाद को लेकर दो ग्रामीणों के बीच उत्पन्न हुए विवाद के दौरान एक पक्ष के करीब एक दर्जन लोगों ने विपक्षी और उसके परिजनों को दबोच कर उनके साथ सरेआम गाली गलौज कर लाठी डंडों लात घुसो से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। उक्त घटना के संबंध में पीड़ित ग्रामीण की शिकायत पर पुलिस ने आठ नामजद व अज्ञातों पर मामला दर्ज किया है।

ग्राम बिनैका मा?ी निवासी समरथ सिंह पुत्र मोतीलाल ने थाना जखौरा पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि उसकी जमीन विवाद गांव में ही रहने वाले विपक्षी प्रगीलाल पुत्र रामदयाल लोधी और उसके अन्य परिजनों से चल रहा है, जिस कारण वह उससे रंजिश भी रखता है। इसी जमीनी विवाद की रंजिश को लेकर दिनांक 1 जुलाई 2026 को दोपहर करीब 1ः00 बजे उसकी कहासुनी विपक्षी प्रागीलाल से हो गई थी। इस कहासुनी से आक्रोशित प्रगीलाल अपने करीब एक दर्जन साथियों के साथ आया और उसके साथ गाली गलौज करने लगा। किस दौरान जब उसकी परिजनों ने भी विपक्षियों की इस हरकत पर बिरोध जताया, तो दबंग बिपक्षियों ने उसके और उसकी परिजनों के साथ सरेआम लाठी डंडों लात घुसो से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। थाना जखौरा पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर पीड़ित द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर विपक्षी प्रागीलाल सहित आठ नामजदों के साथ करीब चार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ 191(2), 115(2), 352, 351(3)मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

करोड़ों के सोने सौदा करने के बाद राजकोट के दो बडे व्यापारियों पर लगाया करीब 6 किंग्रा सोना न देने का आरोप

जनपद के कारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने राजकोट के दो बड़े व्यापारियों पर अमानत में खयानत का मामला किया दर्ज

ललितपुर। जनपद के शहरी इलाके में रहने वाले एक बड़े सोने के व्यापारी ने कुछ समय पूर्व गुजरात प्रांत अंतर्गत राजकोट के दोष बड़े सोने के व्यापारियों से सौदा किया था और उन्हें करोड़ों रुपए की रकम भी भेजी थी। लेकिन दोनों ही व्यापारियों ने जनपद की व्यापारी को खरीदा गया कुछ सोना ना भेज कर अमानत में खयानत की। जिसके बाद पीड़ित व्यापारी ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

पश्चिम बंगाल प्रांता के अंतर्गत हुवली जनपद के ग्राम अस्तरा अंतर्गत मूल निवासी, हाल निवासी शहर की जैन कालोनी निवासी देवाशीष पुत्र मुकुल चंद्र खाड़ा ने सदर कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि वह जनपद का एक बड़ा सोने का व्यापारी है जो सोने की सप्लाई जनपद के साथ-साथ झांसी उरई लखनऊ कानपुर आदि में करता है। बताया गया है कि गुजरात प्रांत के राजकोट जनपद निवासी जीके संस के संचालक लखन सेठ से 15 किलोग्राम सोने का सौदा किया था, जिसकी करीब 11 करोड़ कीमत अदा की थी। बताया गया है कि जब उन्होंने उक्त दुकानदार से अपना सोना मांगा, तो उसने कुछ सोना तो दे दिया, लेकिन 3 किलो 800 ग्राम सोना शेष रह गया था, जो दुकानदार ने पैसा लेने के बाद भी नहीं दिया।इसके साथ राजकोट के दूसरे व्यापारी दीप ट्रेडिंग के मालिक से तय किए हुए सोने में से 2 किलो 830 ग्राम सोना उसे अब भी चाहिए, जिसके लिए उसने 7 करोड़ 9 लाख रुपए दिए थे। बताया गया है कि उसने पैसा बैंक खातों से ट्रांसफर किया था, जिसका स्टेटमेंट भी उसके पास है। व्यापारी का आरोप है कि उक्त दोनों ही दुकानदारों ने पैसा लेने के बाद सोना ना देकर अमानत में खयानत की है। सदर कोतवाली पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर पीड़ित द्वारा प्रस्तुत किए गए शिकायती पत्र और दस्तावेजों के आधार पर राजकोट के दोनों व्यापारियों के खिलाफ धारा 316(2) में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

बार के गैंदोरा रोड तिराहे पर देर रात सड़क पर दिखा पाइथन अजगर जैसा विशाल साँप

ग्रामीणों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर किया वायरल

ललितपुर। थाना बार क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गैंडवारा की सड़क के तिराहे पर गुरुवार की देर रात्रि करीब 12ः00 बजे एक विशालकाय का सांप देखा, जिसे स्थानीय ग्रामीणों ने पाइथन अजगर बताया। हालांकि गांव के पास विशालकाय अजगर जैसा सांप निकलने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल रहा। जब विशाल खाए सांप सड़क पर रेंगता हुआ बस्ती की तरफ जा रहा था, तभी वहां पर मौजूद किसी ग्रामीण में उसका वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जो लगाता

निःसंतान दंपती से गोदनामा करने का झांसा देकर धोखे से उसकी बेस कीमती जमीन की कराई रजिस्ट्री

साडू और उसके पुत्र पर गोदनामा करने की कहकर विश्वास घात करने का लगाया आरोप

पीड़ित दंपति ने डीएम को शिकायती पत्र देकर मामले में कार्यवाही की उठाई मांग

ललितपुर। सभी रिश्तों को शर्मसार करने का एक मामला सामने आया है, जिसमें पीड़ित ग्रामीण दंपति का आरोप है कि वह की संतान है, इसलिए उसके सगे साडू ने अपने पुत्र के साथ मिलकर एक षड्यंत्र के तहत उसकी बेस कीमती जमीन की रजिस्ट्री गोदनामा करने की कह कर कर ली। हालांकि इस मामले को लेकर उसने दाखिल खारिज पर स्टे लगवा दिया। इस मामले को लेकर पीड़ित दंपति ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर मामले में कार्यवाही की मांग उठाई है। बताया गया है कि ग्रामीण की पत्नी इस समय गंभीर बीमारी से भी जूझ रही है।

मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली तालबेहट क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बिजरोठा के मजरा पठा निवासी खींन्दर पुत्र दुर्गा उर्फ दुर्गें कुशवाहा मैं शुक्रवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया कि गांव में उसकी करीब एक एकड़ खेती किसानी की बसें कीमती जमीन है, जिस पर वह अपनी खेती किसानी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। बताया गया है कि चुकी वह निसंतान दंपत्ति है और उसकी पत्नी गंभीर बीमारी से जूझ रही है, जिसका वह इलाज करवा रहा है। निसंतान होने के कारण उसने ग्राम नत्थी खेड़ा निवासी अपने साडू भाई मुन्ना कुशवाहा के पुत्र परमाल सिंह को अपने यहां अपनी सेवा के लिए रखा था, क्योंकि उसके पुत्र पर उसे भरोसा था और वह काफी विश्वासपात्र भी था। बताया गया है कि करीब 2 साल तक वह उसके घर पर रहा, जिसे उसका विश्वास जीत लिया। इस दौरान उसके साडू भाई मुन्ना कुशवाहा ने अपने पुत्र के पक्ष में उसे गोदनामा करवाने के लिए कहा, तो वह राजी हो गया। इसके बाद दोनों पिता पुत्र दिनांक 12 दिसंबर 2022 को उसे अपने साथ ले गए और तहसील ले जाकर गोदनामा की कहकर रजिस्ट्री करा ली, जिसकी धनराशि उसे किसी भी रूप में प्राप्त नहीं हुई और ना कहीं अंकित की गई। क्योंकि वह अशिक्षित है और पढ़ा लिखा नहीं है, इसीलिए काफी दिनों तक तो उसे इस बात की जानकारी नहीं हुई। लेकिन जब उसे धोखे से रजिस्ट्री करने की जानकारी हुई, तो उसने उक्त जमीन की दाखिल खारिज पर स्टे लगा दिया। लेकिन अब विपक्षी पिता पुत्र उसे लगातार परेशान कर रहे हैं, जबकि वह अपनी पत्नी का इलाज करने में भी अक्षम है। इस प्रार्थना पत्र के माध्यम से पीड़ित ने दोनों पिता पत्रों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही करने की मांग उठाई है। पीड़ित आरोप है कि विपक्षी पिता पुत्रों से लगातार फोन पर तरह-तरह से धमकियां देते रहते हैं, जिस कारण भी वह काफी परेशान है।

तेज रफ्तार बाइक की की टक्कर से दो चचेरे भाई गंभीर रूप से घायल हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर

प्राथमिक उपचार के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से किया गया रेफर, बाइक चालक रफू चक्कर

ललितपुर। थाना बार क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मिर्चवारा में घर के बाहर खेल रहे दो चचेरे भाइयों को तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक ने टक्कर मार दी और मौके से राहु चक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में दोनों चचेरे भाई गंभीर रूप से घायल हुए, जिन्हें सीएससी बार में भर्ती कराया गया और प्राथमिक उपचार के उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम मिर्चवारा निवासी निर्भान कुशवाहा और राम चरण कुशवाहा दोनों आपस में चचेरे भाई हैं जो मजदूर वर्ग के हैं। बताया गया है कि शुक्रवार को दोनों ही भाई अपनी पत्नियों को लेकर गाँव में मजदूरी के लिए गए हुए थे और घर पर उनके बच्चे मौजूद थे। इसी दौरान दोपहर करीब 12ः00 बजे जब 13 वर्षीय धीरज पुत्र निर्भान कुशवाह अपने दो वर्षीय चचेरे भाई मनोज पुत्र रामचरन अपने घर से पास की ही दुकान पर कुछ सामान लेने के लिए जा रहा था। तभी गांव की तरफ से आ रही तेज रफ्तार बाइक के चालक ने गाड़ी को तेजी तथा लापरवाही से चलते हुए दोनों को टक्कर मार दी और मौके से रफू चक्कर हो गया। सड़क हादसे में दोनों चचेरे भाई गंभीर रूप से घायल हुए। इस सड़क हादसे की जानकारी होने पर उनके माता-पिता मौके पर पहुंचे और तत्काल दोनों को गंभीर हालत में उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बार में इलाज के लिए भर्ती कराया। सीएससी बार से प्रार्थीमिक को उपचार के बाद दोनों को ललितपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

महरौनी के नया सौजना रोड की दुकानों के पीछे रात्रि से ग़ायब युवक का शव फांसी के फंदे पर लटकता मिला

परिजनों ने आत्महत्या करने की जताई आशंका, कारण अज्ञात

ललितपुर। कोतवाली महरौनी क्षेत्र के अंतर्गत स्थानीय कस्बे में नए सौजना रोड पर रहने वाली एक युवक ने अज्ञात कारणों के चलते घर के पास बनी दुकानों के पिलर पर रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

मिली जानकारी के अनुसार महरौनी के नए सोजना रोड पर स्थित मोहल्ला खरबाजपुरा निवासी 23 वर्षीय सचिन सिंह उर्फ कल्लू राजा पुत्र दृग पाल सिंह उर्फ़ गोपाल गुरुवार की शाम करीब 8ः00 बजे बिना किसी को बताएं घर से निकल गया था। इसके बाद में घर वापस नहीं आया। हालांकि परिजनों ने रात्रि में उसकी खोज भी इसलिए नहीं की, कि उसके ही परिवार के मोहल्ले में चार घर बने हुए हैं, तो उन्होंने यह सोचा कि वह किसी अपने मकान में होगा। लेकिन जब सुबह उसकी बड़ी मां उमा सिंह उठी और गाय लगाने के लिए गई, तो उसने अपने भतीजे को पास में ही बनी दुकानों के पिलर पर बंधी रस्सी के फंदे पर लटकता हुआ देखा। इसके बाद उसने शोर मचाकर आसपास और अपनी परिजनों को बुलाया। शोरगुल की आवाज सुनकर आसपास के लोग और उसके परिजन मौके पर पहुंचे और तत्काल घटना की जानकारी कोतवाली महरौनी पुलिस को दी गई। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली महरौनी पुलिस ने मृतक के शव को फंदे से उतरवा कर कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मृतक के परिजनों ने आत्महत्या करने की आशंका जताई है, लेकिन कारण स्पष्ट नहीं कर सके। बताया गया है कि मृतक तीन भाई में सबसे बड़ा था और वह पढ़ाई के साथ-साथ मेहनत मजदूरी करता था।

स्कूल से लौट रही छात्रा की शौच किया के दौरान पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मौत परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

ललितपुर। थाना बानपुर क्षेत्र के ग्राम तेरा में गुरुवार को स्कूल से घर लौट रही एक 11 वर्षीय छात्रा की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी अनुसार थाना बानपुर क्षेत्र के ग्राम तेरा निवासी 11 वर्षीय आरुषि पुत्री भजनलाल गुरुवार सुबह गांव के बस स्टैंड पर स्थित प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने गई थी। दोपहर करीब एक बजे विद्यालय की छुट्टी होने के बाद वह अपने छोटे भाई संजय और बहन शिवानी के साथ खेत पर बने घर लौट रही थी। रास्ते में वह शौच क्रिया के लिए पानी से भरे गड्ढे की ओर चली गई। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूब गई। घटना को देख उसके भाई-बहन घबराकर घर पहुंचे और परिजनों व ग्रामीणों को सूचना दी। सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीण देवेंद्र और उनके एक साथी ने गड्ढे में उतरकर आरुषि को बाहर निकाला और तत्काल घर ले गए। इसके बाद परिजन उसे उपचार के लिए जिला मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के पिता भजनलाल ने बताया कि आरुषि कक्षा पांच की छात्रा थी। वह दो भाइयों की इकलौती बड़ी बहन थी। उसकी असमय मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंच पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है।

शादी की खुशियों पर मातम के बादल

वाशिंग मशीन सुधारते समय दूल्हे के बडे भाई को करंट लगने से हुई मौत छाया मातम

परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराए ही किया अंतिम संस्कार

आगामी 7 जुलाई को मृतक के छोटे भाई की शादी समारोह होना है संपन्न

ललितपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत तुवन मंदिर के पीछे आजादपुर में रहने वाले एक युवक की मौत उस समय हो गई, जब वह अपने घर में वाशिंग मशीन सुधार रहा था और उसे विद्युत का तेज करंट लग गया। हालांकि उसके परिजनों ने उसे इलाज के लिए शहर के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जहां डाक्टरी परीक्षण के दौरान युवक को मृतक घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों ने उसका बिना पोस्टमार्टम कराई ही अंतिम संस्कार कर दिया। बताया गया है कि मृतक के छोटे भाई का आगामी 7 जुलाई को शादी समारोह में संपन्न होना है। युवक की मौत से उसके परिवार में कोहराम का स्थिति उत्पन्न हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार थाना जखौरा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम लागोन के मूल निवासी अक्षय जैन रिशु पुत्र स्व. देवेंद्र जैन अपने परिवार के साथ शहर के मुहल्ला आजाद पूरा में रहते हैं। बताया गया है कि शुक्रवार को उनकी वाशिंग मशीन खराब हो गई थी, जिसे वह सुबह करीब 9ः00 बजे घर की छत पर ही सुधारने का काम कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें विद्युत का तेज प्रवाह का करंट लगा और वह मौके पर अचेत हो गए। इस दौरान चिल्लाने की आवाज सुनकर उनके परिजनों ने उसे घटनास्थल से उठाया और तत्काल इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया, जहां डाक्टरी परीक्षण के दौरान अक्षय को मृतक घोषित कर दिया । युवक की मौत से परिवार में कोहराम पसर गया, शादी की खुशियों पर मातम के बादल मंडराने लगे। इसके बाद उसके उनके परिजनों ने उनका पोस्टमार्टम नहीं कराया और उनका अंतिम संस्कार कर दिया। बताया गया है कि मृतक के पिता का निधन करीब एक माह पूर्व ही हुआ था और आगामी 7 जुलाई को उसके छोटे भाई की शादी संपन्न होनी है।

पत्रकारों पर दर्ज मुकदमों के विरोध में झांसी तक पैदल मार्च करेंगे पत्रकार

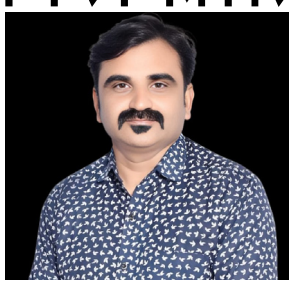

तालबेहट (ललितपुर)। पत्रकारों पर बिना जांच के मुकदमे दर्ज किए जाने के विरोध में यूपी जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन ने आंदोलन का ऐलान किया है। संगठन के जिला संरक्षक सुनील त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष सूर्यकांत शर्मा सोनू तथा अन्य पदाधिकारियों ने बैठक कर निर्णय लिया कि पत्रकार झांसी तक पैदल मार्च कर मंडलायुक्त और डीआईजी को ज्ञापन सौंपेंगे।

संगठन का कहना है कि खबरों के प्रकाशन के बाद पत्रकारों पर रंगदारी, दलित उत्पीड़न, ब्लैकमेलिंग समेत गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज कर उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की जाएगी कि पत्रकारों के खिलाफ किसी भी शिकायत पर मुकदमा दर्ज करने से पहले निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही जिन मामलों में पत्रकारों द्वारा खबरें प्रकाशित की गई हैं, उनकी भी प्रशासन निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करे।

पदाधिकारियों ने बताया कि जल्द ही जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बैठकें आयोजित कर आंदोलन की रूपरेखा तय की जाएगी। इसके बाद झांसी में पैदल मार्च निकालकर मंडलायुक्त और डीआईजी को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

छायन ग्राम प्रधान पर सरकारी मिट्टी के अवैध खनन का आरोप, ग्रामीण ने वीडियो किया वायरल

मौके पर ग्राम प्रधान के होने का दावा

ललितपुर। जनपद के विकासखंड महरौनी अंतर्गत ग्राम पंचायत छायन में सरकारी भूमि से मिट्टी के कथित अवैध खनन का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान द्वारा जेसीबी मशीन से सरकारी मिट्टी की खुदाई कराकर उसका उपयोग अपने घर की पुराई में किया जा रहा है। इसके साथ ही मिट्टी बेचे जाने के भी आरोप लगाए जा रहे हैं। वायरल वीडियो में ग्राम प्रधान मौके पर दिखाई दे रहा है जिससे मामला और भी संदिग्ध नजर आ रहा है।

वैसे तो जनपद में चौतरवा अवैध खनन चल रहा है, जिसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। शहरी इलाके से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक दिन रात धड़ल्ले से किसी न किसी की सर-परस्ती में अवैध खनन किया जा रहा है। लेकिन जनपद का खनिज विभाग इस मामले में किसी पर भी कार्यवाही करने से कतराता है। हालांकि वह अपनी पीठ थप थोने के लिए छोटी-मोटी कार्यवाही जरूर करता है या फिर वीडियो वायरल होते हैं, तब वह कार्यवाही करने के लिए मजबूर होता है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें जेसीबी मशीन की मदद से खनन किया जा रहा है। इस मामले की पड़ताल की गई, तो जानकारी प्राप्त हुई कि यह खनन महरौनी की ग्राम पंचायत छायन में सरकारी जमीन पर किया जा रहा है और इस वीडियो में जो व्यक्ति दिखाई दे रहा है वह गांव का ग्राम प्रधान है। ग्रामीणों का तो यहां तक कहना है कि वायरल वीडियो में ग्राम प्रधान स्वयं मौके पर मौजूद दिखाई दे रहे हैं और मशीन से खुदाई कराते हुए नजर आ रहे हैं। आरोप है कि सरकारी भूमि की मिट्टी का निजी उपयोग किया जा रहा है, जिससे सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंच रहा है। ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह सरकारी संपत्ति के दुरुपयोग और अवैध खनन का गंभीर मामला हो सकता है। ग्रामीणों का तो यहां तक आप है कि मनरेगा स्कीम के तहत लाखों रुपए गांव में काम के लिए आया हुआ था लेकिन ग्राम प्रधान ने जेसीबी मशीन से पूरा काम करवा दिया और फर्जी तरीके से मजदूरों के नाम पर पैसा निकाल कर हड़प कर लिया।

कभी हम परीक्षा लेते थे हुए अब हम भी परीक्षा दे रहे है -टीईटी परीक्षार्थी

उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी)-2026.... का दूसरा दिन

वर्षों तक परीक्षा लेने वाले अध्यापक अब परीक्षा देते हुए आए नजर

दूसरे दिन की टीईटी की परीक्षा शहर के आठ परीक्षा केंद्रों पर हुई सम्पन्न

भ्रमण के दौरान डीएम एसपी की गाड़ियाँ भी छूटे परीक्षार्थियों के कारण ट्रैफिक में फंसी

ललितपुर। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी)-2026 की परीक्षा के दूसरे दिन भी जनपद के आठों केंद्रों पर परीक्षार्थी परीक्षा देने पहुंचे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार पुलिस और प्रशासनिक चकबंदी व्यवस्थाओं के बीच परीक्षाओं को संपन्न कराया गया। जिसको लेकर जिला स्तरीय अधिकारी परीक्षा केंद्रों का भ्रमण करते नजर आए। हालांकि प्रथम पाली की परीक्षा छूटने के बाद राजकीय इंटर कॉलेज और न इंटर कॉलेज के बाहर परीक्षार्थियों की भीड़ के कारण यातायात कुछ समय के लिए बाधित हुआ। लेकिन यातायात प्रभारी और पुलिस कर्मियों की मदद से यातायात को सुचारू कराया गया। इसबाधित यातायात के बीच डीएम एसपी की गाड़ियां भी इसमें कुछ देर तक फंसी रही। बताया गया है कि शुक्रवार को दूसरे दिन की आयोजित टीआईटी परीक्षा की पहली पाली में आठ परीक्षा केंद्रो पर निर्धारित 3106 परीक्षार्थियों को भाग लेना था। लेकिन इस परीक्षा में 2887 अभ्यार्थी उपस्थित रहे, जबकि 219 अनुपस्थित रहे। जबकि दूसरी पाली की परीक्षा में भी कई परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। हालांकि सुरक्षा की दृष्टि से परीक्षा केंद्रों पर बड़े पैमाने पर पुलिस बल तैनात रहा और जिला स्तरीय अधिकारी लगातार परीक्षा केंद्रों का भ्रमण करते रहे।इस दौरान परीक्षार्थियों ने सरकार की इस नीति पर कड़ी आपत्ति जताई और तीखी प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि एक समय था कि हम लोग अपने स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की परीक्षा करवाते थे। लेकिन अब सरकार ने हमें इस मुकाम पर लाकर खड़ा कर दिया है कि हम उन्हें बच्चों की तरह अपनी परीक्षा भी दे रहे हैं जो काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि कुछ परीक्षार्थियों ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी, तो कुछ परीक्षार्थियों ने इसे सरकार की एक सार्थक पहल बताया। कुछ परीक्षार्थियों का कहना है कि अध्यापक जब अपने बच्चों को पड़ता है, तो उसे भी पढ़ाई का पूरा ज्ञान होना चाहिए। बस इसी प्रक्रिया को परखने के लिए सरकार यह परीक्षा आयोजित कर रही है। जिस तरह विद्यार्थी अगली कक्षा पास करने के लिए लगातार अध्यनरत रहते हैं, इस तरह टीचरों को भी अध्यनरत रहना चाहिए, क्योंकि उनकी परीक्षा कभी भी हो सकती है।

गुरू उपकार कभी भुलाया नहीं जा सकता : उदार सागर

आचार्य श्री ससंघ का हुआ नगर प्रवेश, जैन समाज ने की अगुवाई

ललितपुर। गुरू को आदर्श मानो गुरू का उपकार कभी भुलाया नहीं जा सकता। गुरू की महिमा बताते हुए आचार्य उदार सागर महाराज ने कहा गुरु के माध्यम से ही जीवन का उत्थान होता है। आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा जीवन में मिले संस्कारों को अतुलनीय बताते हुए उन्होने कहा आज जो कुछ भी मैं हूँ वह उन्हीं के आर्शीवाद का फल हे।

नगर के पार्श्वनाथ जैन अटामंदिर में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य उदार सागर महाराज ने आचार्यश्री के सानिध्य में हुई वाचना के संस्मरण सुनाए और कहा ललितपुर के श्रावक धर्म के मार्ग में सदैव आगे रहे हैं उन्होने श्रावकों से जीवन में व्रत नियमों का अच्छे से पालन करने के लिए प्रेरित किया। इसके पूर्व धर्मसभा को संघस्थ मुनि उपशान्त सागर महाराज ने सम्बोधित करते हुए गुरु की महिमा बताई और कहा जिसके जीवन में गुरु नहीं उसका जीवन शुरू नहीं। धर्मसभा का शुभारम्भ आचार्य श्री के चित्र के सम्मुख श्रेष्ठीजनों ने दीपप्रज्ज्वलित कर किया। जैन पंचायत के पदाधिकारियों ने आचार्य श्री ससंघ चरणों में श्रीफल अर्पित करते हुए आर्शीवाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री आकाश जैन द्वारा किया गया। शुक्रबार प्रातःकाल आचार्य श्री उदारसागर महाराज अपने संघस्थ मुनि उपशान्तसागर महाराज, एलक श्री उत्साह सागर महाराज एवं क्षुल्लक महाराज के साथ ससंघ पदविहार करते हुए ललितपुर नगर सीमा पर पहुंचे जहां पंचायत के पदाधिकारियों ने गाजेबाजे के साथ अगुवाई की। बाजार होते हुए आचार्य श्री ससंघ की पार्श्वनाथ जैन अटामदिर में आचार्यश्री ससंघ की अगुवाई हुई जहां जैन पंचायत के अध्यक्ष डा0 अक्षय टडैया, श्रेष्ठी शीलचंद अनौरा, महामंत्री आकाश जैन, संयोजक सनत जैन खजुरिया,मदिर प्रबंधक अजय जैन गंगचारी, मनोज जैन बबीना, त्यागीव्रती संयोजक अमित जैन सराफ ने पादप्रक्षालन कर अगुवाई की। महिला संगठनों ने अनीता मोदी, उमा सैदपुर, सुमन जैन आदि ने रंगोली सजाकर भक्ति प्रदर्शित की। आचार्य विद्यासागर व्यायामशाला के स्वयंसेवकों ने अध्यक्ष रिंकू पाय की अगुवाई में विहार कराया। इस मौके पर प्रमुख रूप से जैन पंचायत पूर्व अध्यक्ष अनिल जैन अंचल, ज्ञानचंद इमलिया, कपूरचंद लागौन, महेन्द्र जैन मयूर, अखिलेश जैन गदयाना, जिनेन्द्र जैन डिस्को,मीडिया प्रभारी अक्षय अलया, धन्य कुमार जैन, अनंत सराफ, विमल जैन पीहर साडी, संजीव जैन लकी, महेन्द्र सराफ वैद्य, प्रवीण गुरूवर शशांक जैन एड, आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

राष्ट्रीय आलेख प्रतियोगिता में डा.सुनील जैन प्रथम

ललितपुर। युवा साहित्यकार डॉ. सुनील जैन 'संचय' ने तीर्थंकर ऋषभदेव राष्ट्रीय आलेख प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर जनपद और बुंदेलखंड का गौरव बढ़ाया है। कोलकाता में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें पुरस्कार राशि, प्रशस्ति-पत्र, प्रमाण-पत्र एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान (रजि.) युवा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में देशभर से लगभग 400 प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं। विजेताओं को प्राकृत भाषा चक्रवर्ती आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज के सान्निध्य में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आचार्यश्री ने भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में ऐसे आयोजनों की महत्ता पर बल दिया। डॉ. सुनील जैन की इस उपलब्धि पर साहित्यकारों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी।

सब्जी विक्रेता फल विक्रेता नहीं चाहते अमर पुर मंडी में उनकी दुकान पर उठाई सवाल

ललितपुर । शहर में सब्जी सब्जी मण्डीएवं फल मंडी को लेकर थोक दुकानदारों की समस्याओं को लेकर अभी भी अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है । इसी समस्या को लेकर पूर्व पार्षद इदरीश राईन ने ने शुक्रबार को जिलाधिकारी एवं नगर पालिका अध्यक्ष को एक पत्र लिख कर अबगत किया कि भविष्य में यदि मंडीअमरपुर मंडी पहुंच जाती है, तो कैसे समस्याओं से छोटे -छेटे सभी विक्रेताओं को गुजरना पड़ेगा। बताया जाता है कि लगभग 51 वर्षों से 80 दुकानदार नगर पालिका परिषद के अंदर आने वाली दुकानों में किराएदार हैं, लेकिन यदि यही दुकानदारअमरपुर मंडी में सब्जी मंडी का काम करते हैं, तो छोटे-छोटे सब्जी विक्रेताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। पूर्व पार्षद ने आरोप लगाया है कि कृषि उत्पादन मंडी समिति के द्वारा जबरन सब्जी विक्रेताओं पर दबाव बनाकर गल्ला मंडीके लिए जो दुकानें बनाई गई, अमरपुर मंडी में वहां पर शिफ्ट करना चाहती हैं। जबकि उनका किराया क्या होगा ? किराएदार की क्या शर्तें होगी ? यह अभी तक नगर पालिका परिषद एव प्रशासन ने स्पष्ट नहीं किया है । इसी कारण से फल विक्रेताओं ने विरोध किया है और वह अमरपुर मंडी में अपना काम नहीं कर सकते। यदि नगर पालिका परिषद चाहे तो नेहरू महाविद्यालय की पास लगभग 13 भूमि पड़ी है, सरकारी इसमें से मात्र तीन एकड़ यदि मुहाईय कराई जाए, तो सब्जी विक्रेताओं का काम आसानी से हो जाएगा और बस शहर के मध्य भी कहलाएगी अमरपुर मंडी में लूटने पीटने का भी डर बना रहेगा । शहर में नभाई बाजार कृष्ण टॉकीज स्टेशन की ओर बड़ी टंकी से आजाद चौक तक नदी पर सावरकर चौक अटा मंदिर संराय पुरा फुटकर सब्जी मंडी विक्रेताओं से यातायात में भारी परेशानी होती है। इसके साथ ही फल लगाने वालों को भी नेहरू महाविद्यालय के पास स्थित किया जाए, जिससे शहर की यात्रा व्यवस्था बनी रहेगी तथा गरीब सबके की लोग सबकी बेचकर अपने परिवार का भरण पोषण कर सकेंगे । दिए गये इस ज्ञापन पर मोहम्मद अली इसरार मोहम्मद अरशद मोहम्मद तौहीद प्रमोद कल पप्पू नीलू रवि परशुराम राजाराम रवि महेंद्र बलदेव गोविंद सिंह रामसेवक आदि की हस्ताक्षर बताए जाते हैं।

शहर में चल रहा है अवैध पानी वेचनें का कारोवार

शहर के अर्तगत विभिन्न स्थानों एवं दुकानों तथा देशी शराब की कैनटीनो पर एफ0 एस0 ए0 आई0 भारत सरकार द्वारा मानको की अनदेखी करके खुला पानी, खुला खाद्य पदार्थों की अनदेखी कर शासन एवं भारत सरकार के द्वारा दिये गये आदेश एवं निर्देश को घता बताकर किया जा रहा है विकी का कारोवार

जून-जुलाई के इस मौसम में जहां डायरिया उल्टी दस्त व टायफाइड जैसी बीमारिया अपने चरम पर रहती है उसके बावजूद जिला खाद्य अधिकारी एवं उनके विभाग द्वारा गठित टीमों की अनदेखी की वजह से आम जन मानसों के द्वारा बिना एफ0 एस0 ए0 आई0 भारत सरकार द्वारा मानको को जिसके लिये जिला खाद्य अधिकारी एवं उनके द्वारा गठित टीमों के होनें के बावजूद यह गोरख धंधा व दस्तूर जारी है।

ललितपुर शाहर के सुपर मार्केट स्थित जहां पर महाराजा अग्रसेन तथा वरिठ पत्रकार बाबू ज्ञानचंद अलया की स्मृति में नगर पालिका परिषद ललितपुर द्वारा दो पाकों का निर्माण कराया गया था लेकिन इन दोनों महापुरुषों के पार्क की वाउन्ड्री की दीवालो को शराब पीने वाले शौकीन मिजाज आदमी इन्हीं वाउन्ड्री को जाम रखने के लिये टेबिल के रूप में उपयोग करते हैं. बावजूद इसके किन्हीं भी महापुरुषों की स्मारकों के आस-पास किसी भी प्रकार की शराब विकी पूणतः निषेध है।

60 और 90 दिन की समयसीमा में पूरी हों विवेचनाएं, एसपी ने दिए सख्त निर्देश

गूगल मीट के माध्यम से हुई समीक्षा बैठक

ललितपुर मॉनिटरिंग डैशबोर्ड से लंबित मामलों की होगी डिजिटल निगरानी

ललितपुर। जिले में लंबित विवेचनाओं और जनशिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर पुलिस अधीक्षक ने शुक्रवार को गूगल मीट के माध्यम से जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं विवेचकों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में लंबित प्रकरणों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट कहा कि प्रत्येक विवेचना का निस्तारण विधिक प्रावधानों के अनुरूप निष्पक्ष, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि 60 और 90 दिन की निर्धारित समयसीमा वाली विवेचनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके और लंबित मामलों का बोझ कम हो। बैठक में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में विकसित ललितपुर मॉनिटरिंग डैशबोर्ड की कार्यप्रणाली की भी विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि इस डिजिटल पोर्टल के माध्यम से सभी लंबित विवेचनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। प्रकरणों को उनकी प्रगति के आधार पर ग्रीन, येलो और रेड जोन में वर्गीकृत किया गया है, जिससे अधिकारियों को प्रत्येक मामले की वास्तविक स्थिति का तुरंत आकलन हो सके। रेड जोन में शामिल मामलों पर विशेष निगरानी रखते हुए उनके शीघ्र निस्तारण और नियमित पर्यवेक्षण के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान जनसुनवाई और जनशिकायतों के समयबद्ध एवं संतोषजनक निस्तारण, लंबित मामलों की नियमित समीक्षा, विवेचकों की जवाबदेही तय करने तथा तकनीक आधारित डिजिटल मॉनिटरिंग प्रणाली के प्रभावी उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचना, पारदर्शी कार्यप्रणाली और समयबद्ध कार्रवाई ही पुलिस के प्रति जनता का विश्वास मजबूत करने का आधार है। उन्होंने सभी अधिकारियों और विवेचकों को शासन की मंशा के अनुरूप संवेदनशीलता, जवाबदेही और पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक प्रकरण का प्रभावी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नेहरू नगर में सीसी सड़क का लोकार्पण, जुगपुरा में पांच विकास कार्यों का भूमिपूजन

नपाध्यक्ष बोलीं, गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं, समयबद्ध तरीके से पूरे होंगे सभी निर्माण कार्य

ललितपुर। नगर के समग्र एवं संतुलित विकास को गति देते हुए नगर पालिका ने शुक्रवार को वार्ड संख्या 03 (नेहरू नगर) और वार्ड संख्या 08 (जुगपुरा) में कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों की शुरुआत की। नपाध्यक्ष सोनाली जैन ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ नेहरू नगर में नवनिर्मित सीसी सड़क एवं नाली का लोकार्पण किया, जबकि जुगपुरा में पाँच नई सीसी सड़क एवं नाली निर्माण परियोजनाओं का भूमिपूजन किया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने पालिका अध्यक्ष का पुष्पमालाओं से स्वागत कर नगर में तेजी से हो रहे विकास कार्यों की सराहना की। क्षेत्रवासियों ने बताया कि वर्षों से जर्जर सड़कों और जलभराव की समस्या के कारण आवागमन में भारी परेशानी होती थी, लेकिन इन निर्माण कार्यों के पूरा होने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और बुनियादी सुविधाओं में सुधार आएगा। लोकार्पण एवं भूमिपूजन के बाद पालिका अध्यक्ष ने दोनों वार्डों का भ्रमण कर लोगों की समस्याएं सुनीं और उन्हें शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में सीसी सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता से जुड़े कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जा रहे हैं तथा सभी परियोजनाओं की नियमित निगरानी स्वयं की जा रही है। पालिका अध्यक्ष ने संबंधित अवर अभियंता खुशबू खान और निर्माण एजेंसी को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद मोहनी दरोनिया, पार्षद प्रतिनिधि विवेक दारोनिया, अवर अभियंता खुशबू खान, सेवानिवृत्त वरिष्ठ लिपिक रमाकांत तिवारी, बद्री कुशवाहा, शैलेन्द्र परिहार सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

महरौनी में %विकसित भारत जी राम जी योजना के प्रचार-प्रसार हेतु जन सम्मेलन आयोजित,

ग्रामीणों को 125 दिनों के रोजगार की गारंटी की दी गई जानकारी

महरौनी/ललितपुर। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी %विकसित भारत - जी राम जी योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं ग्रामीणों को जागरूक करने के उद्देश्य से गुरुवार, 2 जुलाई 2026 को विकासखंड महरौनी की ग्राम पंचायत जरया में एक भव्य जन सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी श्री आजम अली ने कहा कि %विकसित भारत - जी राम जी योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने और गांवों के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने ग्रामीणों से योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने तथा अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की।

कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व ग्राम प्रधान श्रीमती भगवती लोधी ने सम्मेलन में ग्रामीणों को योजना के उद्देश्यों, 125 दिनों के रोजगार की गारंटी, गांवों में आजीविका के नए अवसर, ग्रामीण विकास तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी

कार्यक्रम में ग्राम विकास अधिकारी कुमारी रत्नेश, जे.ई. (एम.आई.) कुलदीप, टी.ए. आशुतोष लिटोरिया सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी भाग लिया। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र लाभार्थियों को उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

सम्मेलन में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और योजना के संबंध में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

गिरार पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पांच वारंटी गिरफ्तार, न्यायालय में किया गया पेश एसपी के निर्देशन में चल रहे अभियान केतहत हीरापुर सुनौनी गांव से की गई गिरफ्तारी

पुलिस ने वारंटियों के खिलाफ की विधिक कार्रवाई

ललितपुर। जनपद में वांछित एवं वारंटी अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना गिरार पुलिस ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह तथा क्षेत्राधिकारी मड़ावरा राजेश कुमार के पर्यवेक्षण में संचालित किया जा रहा है। थाना प्रभारी त्रिपुरेश कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम हीरापुर सुनौनी में दबिश देकर न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर पांच वारंटियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए वारंटियों में श्रीमती बसंती पत्नी राममिलन (36 वर्ष), राममिलन पुत्र नन्नाई (38 वर्ष), भागीरथ पुत्र नन्नाई, धन्यराज पुत्र नन्नाई तथा संतोष पुत्र नन्नाई शामिल हैं। सभी आरोपी ग्राम हीरापुर सुनौनी, थाना गिरार, जनपद ललितपुर के निवासी हैं। पुलिस ने सभी वारंटियों को नियमानुसार गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद संबंधित न्यायालय में पेश कर दिया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी त्रिपुरेश कुमार पाण्डेय, कांस्टेबल कमल कुमार, रिजर्व कांस्टेबल योगेश कुमार तथा महिला रिजर्व कांस्टेबल पूजा शामिल रहीं।

सौजना पुलिस का अभियान जारी सात वारंटी गिरफ्तार कर न्यायालय भेजे गए

एसपी के निर्देशन में चल रही कार्रवाई के तहत ग्राम गौना से हुई गिरफ्तारी

फरार वारंटियों पर पुलिस की सख्ती बरकरार

ललितपुर। जिले में वांछित एवं वारंटी अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सौजना पुलिस ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए सात वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी महरौनी अरविन्द कुमार पाण्डेय के पर्यवेक्षण में की गई। थानाध्यक्ष सुधाकर पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम गौना में दबिश देकर न्यायालय से जारी वारंटों के आधार पर सात वारंटियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सूका पुत्र हल्कुआ, मिरचुआ पुत्र बूठा, पंखुआ पुत्र बूठा, भग्गी पुत्र मुल्ला, फुलुआ पुत्र हल्कुआ, बिन्दा पुत्र हल्कुआ तथा रामस्वरूप पुत्र फुलुआ शामिल हैं। सभी आरोपी थाना सौजना क्षेत्र के ग्राम गौना के निवासी हैं। पुलिस ने सभी वारंटियों को नियमानुसार गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद संबंधित न्यायालय में पेश कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में फरार एवं वारंटी अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा और न्यायालय से जारी वारंटों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चल रहे इस अभियान का उद्देश्य कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करना, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करना तथा अपराध पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखना है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि न्यायालय से जारी वारंटों के अनुपालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी और ऐसे अभियानों को आगे भी लगातार जारी रखा जाएगा।

सम्पादकीय

"मानवता सुख शांति प्रेम का, अखिल विश्व में हो विस्तारस्वतंत्रता का हनन न होवे, रहे सुरक्षित जन अधिकार"

एसी अब सुविधा ही नहीं, खतरा भी!

आज के समय में एयर कंडीशनर (एसी) को विलासिता की वस्तु के बजाय रोजमर्रा की जरूरत के सामान की तरह देखा जाने लगा है। मगर घर और कमरे के तापमान को ठंडा रखने की यह सुविधा अब जोखिम का सबब बनती जा रही है। हाल के वर्षों में एसी में विस्फोट से आग की घटनाएं एक गंभीर खतरे के रूप में उभरकर सामने आई हैं। ऐसी ही एक घटना उत्तर प्रदेश में नोएडा के सेक्टर-119 में सोमवार को सामने आई, जहां एक इमारत की इक्कीसवीं मंजिल पर स्थित फ्लैट में एसी में धमाका होने से आग लग गई। हालांकि, इस हादसे में किसी की जान नहीं गई, लेकिन इसने बहुमंजिला इमारतों में आपात स्थिति में सुरक्षा प्रबंधों पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। इतनी ऊंची इमारत में आग बुझाने में दमकल कर्मियों को कई घंटे लग गए। ऐसे में इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि विभागीय तैयारियों की मौजूदा चुनौतियों के लिहाज से गहन समीक्षा किए जाने की जरूरत है। है कि पिछले दो माह के भीतर देश भर में एसी में विस्फोट से आग की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें संपत्ति के साथ मानवीय क्षति भी हुई है। खबरों के मुताबिक, इस अवधि में नोएडा में ही अब तक डेढ़ सौ से ज्यादा ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। एसी में विस्फोट के कई कारण हो सकते हैं। मसलन, लगातार चलाने से कंप्रेसर पर अत्यधिक दबाव, गैस का रिसाव या फिर एसी से जुड़े बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट से भी आग लगने का खतरा बना रहता है। फिर एसी की गुणवत्ता में गिरावट भी एक अहम सवाल है। ऐसी घटनाओं में जान-माल का नुकसान न हो, इसके लिए इमारतों में सुरक्षा के पर्याप्त बंदोबस्त होने चाहिए। मगर यह अफसोसनाक है कि इस ओर न तो शासन-प्रशासन और न ही भवन निर्माताओं का ध्यान जाता है। यही नहीं, दमकल विभाग में संसाधनों का अभाव भी किसी से छिपा नहीं है। इसका ताजा उदाहरण नोएडा में हुए हादसे के दौरान देखने को मिला, जब दमकल गाड़ियों से पानी की बौछार तेरहवीं मंजिल से ऊपर नहीं पहुंच सकी। जाहिर है कि ऐसे खतरों से निपटने के लिए व्यवस्था को हर स्तर पर अधिक सक्षम, आधुनिक और चाक-चौबंद बनाने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस साल आग लगने की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि देखी गई है। इन हादसों से बार-बार महानगर के बुनियादी ढांचे, विद्युत प्रणालियों और सुरक्षा नियमों में खामियां सामने आती हैं। ताजा मामला दिल्ली के मालवीय नगर इलाके के एक होटल में लगी भीषण आग का है, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले विवेक विहार में लगी आग में नौ लोगों की जान चली गई थी। इस तरह की घटनाओं ने अवैध निर्माण, प्रशासनिक ढिलाई और कानूनों की अवहेलना की बढ़ती परिपाटी के खतरनाक गठजोड़ को उजागर किया। अग्नि सुरक्षा तंत्र और प्रशासनिक ढांचा कागजों तक सीमित हैं। पूरी खबर पढ़ने के लिए यहां पर करें क्लिक

दिल्ली की नई ईवी नीति

इसमें कोई दोराय नहीं कि दिल्ली में वायु प्रदूषण की गहराती समस्या के मद्देनजर इसकी मुख्य वजहों की पहचान और उनसे निपटने के लिए ठोस उपाय करना जरूरी है। मगर इस क्रम में सरकार जिन नीतियों का सहारा लेना चाहती है, वे व्यापक जनहित में हों, यह सुनिश्चित किया जाना भी वक्त का तकाजा है। देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली में वायु प्रदूषण एक अहम समस्या के रूप में चिंता का मुद्दा बना रहता है। इसके लिए सड़क पर चलने वाले वाहनों को मुख्य रूप से जिम्मेदार माना जाता है। खासतौर पर दुपहिया वाहनों की बढ़ती संख्या न केवल सुव्यवस्थित यातायात, बल्कि प्रदूषण के लिहाज से अपेक्षया ज्यादा बहस के केंद्र में रहती है। इन्हीं बिंदुओं के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने सोमवार को नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2.0 को मंजूरी दे दी है। नई नीति के तहत अगले वर्ष जनवरी से सिर्फ ई-ऑटो यानी इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों का ही पंजीकरण होगा। साथ ही, जनवरी 2028 से सिर्फ ई-दुपहिया वाहनों का ही पंजीकरण कराया जा सकेगा। नई नीति के तहत अब इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर सड़क-कर और पंजीकरण शुल्क में छूट की व्यवस्था भी की गई है। जाहिर है, सरकार ने एक तरह से नीतिगत तौर पर इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के क्रम में एक ठोस फैसला किया है, लेकिन चूंकि इसका वैसे लोगों के जीवन पर व्यापक असर पड़ने की संभावना है, जिनकी रोजी-रोटी इन वाहनों से जुड़ी होती है, इसलिए फिलहाल इसके कई अन्य पहलुओं पर बहस जारी है। हालांकि यह भी एक तथ्य है कि दिल्ली में पिछले कई वर्षों से लगातार प्रदूषण की वजह से हालात बेहद चिंताजनक होते गए हैं, तो इसमें वाहनों की खासी भूमिका रही है। मगर इसमें कारों और अन्य वाहनों के बरक्स दुपहिया और तिपहिया वाहनों की कितनी भूमिका है, इस पर भी गौर किया जाना चाहिए। खासतौर पर इसलिए भी कि दिल्ली में तिपहिया वाहन आमतौर पर सीएनजी से चलते हैं। एक समय पेट्रोल और डीजल वाहनों के धुएं से होने वाला प्रदूषण व्यापक चिंता का विषय बना था और उस समय सीएनजी वाहनों के जरिए दिल्ली की हवा को स्वच्छ करने के दावे किए गए थे। लेकिन आज भी दिल्ली में वायु प्रदूषण की हकीकत किसी से छिपी नहीं है। वहीं, इलेक्ट्रिक कचरा आज विश्वभर में पर्यावरण के सामने एक नई चुनौती बन रहा है। यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि इस नीति के केंद्र में फिलहाल जिन दुपहिया और तिपहिया वाहनों को रखा गया है, वे बड़ी संख्या में साधारण लोगों की आजीविका और आवागमन का मुख्य सहारा रहे हैं। नई नीति की अनिवार्यता की स्थिति में अपने वाहन को इलेक्ट्रिक प्रणाली में बदलना कम आयवर्ग के लोगों के लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन सकता है। दूसरी ओर, दिल्ली की सड़कों पर सार्वजनिक परिवहन की बदहाली छिपी नहीं है। इसे बेहतर बनाने के लिए किसी भी सरकार ने ऐसे कदम नहीं उठाए हैं, ताकि लोग निजी वाहनों के बारे में न सोचें। ऐसे में आवाजाही और रोजगार के लिहाज से दुपहिया और तिपहिया वाहन एक बड़े तबके के लिए सहारा रहे हैं। बहरहाल, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की नीति के जरिए अगर दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या पर काबू पाने में मदद मिलती है, तो इसे एक बेहतर उपाय माना जाएगा। मगर इसके समांतर दिल्ली में व्यापक पैमाने पर चार्जिंग स्टेशन सहित अन्य बुनियादी ढांचे का जाल खड़ा करना होगा। दिल्ली सरकार ने सोमवार को नई इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी का ऐलान कर दिया। इस नीति में दो बातों पर सबसे ज्यादा जोर दिया गया है। पहली, दोपहिया, तिपहिया और हल्के मालवाहक वाहनों को चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक बनाया जाएगा। दूसरी, सरकार ने स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वाहनों की बजाय पूरी तरह इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिकता दी है।

ऋतु और लोकरीति : आखिर गर्मी में कैसे रहते थे पुरखे?

कैसी थी गर्मी में जीने की भारतीय परंपरा

हमारे लोक जीवन ने प्रकृति के चक्र को गहरे से समझा और मौसम को जीतने के बजाय ताल मेल के साथ जीना सीखा और व्यहार में उतारा। यही कारण है कि भारतीय पंचांग का प्रत्येक पर्व किसी न किसी ऋतु परिवर्तन से जुड़ा हुआ है, प्रत्येक रीति रिवाज प्रकृति के प्रति आस्था को समर्पित है।

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, हीट वेव, सूखा, पानी के संकट और अनियमित वर्षा जैसी समस्याओं से जूझ रही है। इस समस्याओ का समाधान ढूंढने में लगे वैज्ञानिक और पर्यावरणविद क्लाइमेट एडाप्टेशन, नेचर बेस्ड सॉल्यूशन और सस्टेनेबल लिविंग जैसे नए सिद्धांत गढ़ रहे हैं। लेकिन जब हम थोड़ा पीछे मुड़कर देखते हैं तो भारत का लोकजीवन इन सिद्धांतों को सदियों पहले अपने त्योहारों, व्रतों, भोजन, खेती और सामाजिक व्यवहार आदि की परम्पराओं में प्रकृति के प्रति गहरे जुडाव को अपना हिस्सा बना चुका था। हमारे लोक जीवन ने प्रकृति के चक्र को गहरे से समझा और मौसम को जीतने के बजाय ताल मेल के साथ जीना सीखा और व्यहार में उतारा। यही कारण है कि भारतीय पंचांग का प्रत्येक पर्व किसी न किसी ऋतु परिवर्तन से जुड़ा हुआ है, प्रत्येक रीति रिवाज प्रकृति के प्रति आस्था को समर्पित है। भारत में धर्म और प्रकृति कभी अलग-अलग नहीं रहे, प्रकृति की समझ ही धर्म का स्वरुप लेती गयी। सूर्य, चंद्रमा, नदियां, पोखर, पर्वत, पेड़ पौधे, वर्षा, आग और हवा यहां तक की धरती सभी पूजनीय रहे हैं। यह पूजा किसी अलौकिक भय से नहीं, बल्कि इस गहरे अनुभव से उपजी थी कि मनुष्य का अस्तित्व प्रकृति पर निर्भर है। गर्मी की तपती दोपहर में जब धरती आग उगलने लगती है, लू के थपेड़े शरीर की नमी सोख लेते हैं और मानसून की पहली बूंदों की प्रतीक्षा में खेत, जंगल और मनुष्य समान रूप से व्याकुल हो उठते हैं, तब भारतीय लोकजीवन केवल मौसम को सहन नहीं करता, बल्कि उसके साथ संवाद करता है। यही संवाद हमारी लोक परंपराओं, व्रतों, पर्वों और रीति-रिवाजों में आधुनिकता के प्रचंड प्रवाह के बावजूद आज भी दिखाई देता है। पहली नजर में ये केवल धार्मिक आस्थाएं लग सकती हैं, किंतु इनके भीतर मौसम, स्वास्थ्य, जल संरक्षण, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण के गहरे वैज्ञानिक संकेत छिपे हुए हैं। आज जब जलवायु परिवर्तन के कारण गर्मी की अवधि लंबी होती जा रही है, हीट वेव सामान्य घटना बन चुकी है और वर्षा का चक्र अनिश्चित हो रहा है, तब इन परंपराओं को नए दृष्टिकोण से समझना समय की मांग है। वैशाख और ज्येष्ठ की प्रचंड गर्मी के दौरान देश के अनेक हिस्सों में शिवलिंग पर निरंतर जल टपकता रहे इसके लिए मिट्टी का घड़ा (जलधारा) रखा जाता है। धार्मिक दृष्टि से इसे भगवान शिव का शीतल अभिषेक माना जाता है, लेकिन इसके पीछे प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता भी निहित है। मिट्टी के घड़े से बूंद-बूंद गिरता जल कहीं-न-कहीं हमारा ध्यान पानी का उपयोग संयम से किया जाए इस ओर ले जाता है। मिट्टी का घड़ा स्वयं जल को ठंडा रखता है और जल संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। यह परंपरा उस समय विकसित हुई होगी जब लोग जल के प्रत्येक कण का महत्व जानते थे। इसी प्रकार निर्जला एकादशी के अवसर पर बास या ताड़ के पत्ते का पंखा, मिटटी का घड़ा या गिलास, चीनी या गुड शर्बत, चना सहित अन्य अनाज का मिला हुआ सत्तू, खीरा, आम, जल और अन्य शीतल वस्तुओं का दान करने की परंपरा आज भी जीवित है। ध्यान से देखे तो ये सारी वस्तुएं प्रचंड गर्मी से बचाव की तैयारी का हिस्सा है, जो गर्मी में किसी जरूरतमंद को दिए जाने की परम्परा के रूप में विकसित हुई होगी। निर्जला एकादशी हीट एक्शन प्लान का लोक संस्करण है। यह परंपरा केवल पुण्य कमाने का माध्यम नहीं थी यह समाज में यह संदेश देने का तरीका था कि भीषण गर्मी में शरीर को ठंडा रखने वाले खाद्य पदार्थ सभी तक पहुंचने चाहिए। जिन लोगों के पास संसाधन नहीं थे, वे भी इस सामुदायिक व्यवस्था से राहत पाते थे। आज जिसे हम हीट एक्शन प्लान कहते हैं, उसका सामाजिक स्वरूप हमारे गांवों में सदियों पहले मौजूद था। बिहार, झारखंड और पूर्वी भारत में मनाया जाने वाला जुड़ शीतल या शीतल पूजा भी इसी वैज्ञानिक सोच का विस्तार है। इस दिन रात में बना ठंडा भोजन, दही-चूड़ा, मीठा भात, आम, सत्तू और अन्य ठंढे तासीर वाला खाना खाया जाता हैं। घरों में पानी का छिड़काव किया जाता है, पेड़ों को सींचा जाता है और प्रकृति को शीतलता प्रदान करने का संदेश दिया जाता है। यह भोजन केवल स्वाद के लिए नहीं, बल्कि गर्मी में शरीर को संतुलित रखने वाला पारंपरिक पोषण विज्ञान है। दही शरीर में लाभकारी जीवाणुओं को बढ़ाता है, चूड़ा आसानी से पचता है, गुड़ खनिजों की पूर्ति करता है और आम त्वरित ऊर्जा का स्रोत है। यह उत्सवधर्मिता केवल आध्यात्मिक संतोष तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बदलते मौसम के प्रति सामूहिक अनुकूलन का एक तरीका है। इसका सबसे सटीक प्रमाण चैत्र मास की समाप्ति पर मनाया जाने वाला %सतुआनी% पर्व है, जो सीधे तौर पर शरीर को प्रचंड गर्मी के लिए तैयार करने का त्यौहार है। इस दिन सामूहिक रूप से सत्तू, आम के टिकोले (कच्ची अमिया) की चटनी और घड़े के पानी का पिया जाता है। इसके ठीक बाद आने वाली %अक्षय तृतीया% (आखा तीज) पर मिट्टी के घड़े, सत्तू, जौ और खरबूजे के दान की परंपरा है। यह परंपरा केवल धार्मिक पुण्य कमाने का जरिया नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग तक गर्मी से राहत देने वाले प्राकृतिक संसाधनों और शीतल भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने का एक अनूठा सामाजिक ढांचा है। वट सावित्री व्रत के अवसर पर वटवृक्ष के नीचे पूजा करना और हाथ से पंखा झलना भी केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है। वटवृक्ष विशाल छाया देता है, आसपास का तापमान कम करता है और बड़ी मात्रा में नमी बनाए रखता है। पेड़ के नीचे बैठना स्वयं एक प्राकृतिक शीतलन प्रणाली है। पंखा झलने की परंपरा बताती है कि बिना ऊर्जा खर्च किए भी शरीर को ठंडक पहुंचाई जा सकती है। आज जब एयर कंडीशनर शहरों की गर्मी और बढ़ा रहे हैं, तब हाथ का पंखा और वृक्षों की छाया कहीं अधिक टिकाऊ समाधान प्रतीत होते हैं। भारतीय समाज में मिट्टी के घड़े का पानी, सत्तू, बेल का शर्बत, आम का पना, दही, मट्ठा, लस्सी, जौ और चावल जैसे खाद्य पदार्थों का मौसमानुसार उपयोग भी इसी पर्यावरणीय समझ का परिणाम है। मौसम के अनुसार खान-पान की एक समृद्ध परम्परा की लोक समझ सम्पूर्ण भारत में किसी ना किसी रूप में अब भी देखने को मिल जाती हैं। इसी कड़ी में घाघ और भड्डरी की ये लोकोक्ति पोषण की आम समझ का आइना है और स्थानीय जलवायु के अनुरूप विकसित पोषण प्रणाली हैं।

चैते गुड़, बैसाखे तेल, जेठे पन्थ असाढ़े बेल।
सावन साग न भादों दही, क्वार करेला न कातिक मही।।
अगहन जीरा पूसे धना, माघे मिश्री फागुन चना।
ई बारह जो देय बचाय, वहि घर बैद कबौं न जाय।।

लोक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण पक्ष सामुदायिक सहभागिता भी है। सामूहिक रूप में गर्मी के दिनों में राहगीरों के लिए प्याऊ लगाना, पक्षियों के लिए पानी रखना, चीटियों के लिए गुड डालना, पशुओं के लिए अलग से पानी की व्यवस्था और वृक्षों की सिंचाई करना धार्मिक कर्तव्य माने जाते थे।आज जब जलवायु परिवर्तन के कारण पक्षियों और वन्यजीवों का अस्तित्व संकट में है, तब ये परंपराएं और भी प्रासंगिक हो जाती हैं।

इस लोक-परंपराओं का सबसे महत्वपूर्ण आयाम इसकी जीरो कार्बन और पूरी तरह स्थानीय जीवनशैली है। इन त्योहारों में उपयोग होने वाले सभी खाद्य पदार्थ जैसे—सत्तू, आम पन्ना, बेल का शरबत, जौ और मट्ठा—पूरी तरह स्थानीय होते हैं। इनके रख-रखाव या ठंडा रखने के लिए किसी रेफ्रिजरेटर या भारी बिजली की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि मिट्टी के घड़े और सुराही के पारंपरिक विज्ञान का उपयोग किया जाता है। आज जब पूरी दुनिया %क्लाइमेट चेंज% और ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए महंगे और कृत्रिम तरीके ढूंढ रही है, तब हमारी ये सदियों पुरानी ग्रीष्मकालीन परंपराएं बिना पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए, न्यूनतम संसाधनों में शरीर को भीतर से ठंडा रखने का एक बेहद व्यावहारिक और प्रकृति-अनुकूल मार्ग दिखाती हैं। आज जब पूरी दुनिया टिकाऊ विकास का मार्ग खोज रही है, तब भारत की धार्मिकता से ओत-प्रोत ऋतु-आधारित लोक परंपराएं केवल सांस्कृतिक धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान की पर्यावरणीय नीति की प्रेरणा बन सकती हैं। हमारे पूर्वजों ने प्रकृति पर विजय पाने का स्वप्न नहीं देखा था; उन्होंने उसके साथ चलना सीखा था। शायद इसी कारण उन्होंने त्योहारों को कैलेंडर की तिथियों से नहीं, बल्कि ऋतुओं की धड़कनों से जोड़ा, उसे किस्सों कहानियो में पिरोया, धार्मिकता का रंग दे पुण्य पाप से जोड़ा ताकि सम्पूर्ण समाज प्रकृति के साथ के ताने बाने में सुचारू रूप से जुड़ सके। यदि हम इन परंपराओं को अतीत का अवशेष मानकर भूल जाएंगे, तो केवल अपनी संस्कृति ही नहीं खोएंगे, बल्कि उस जीवन-दर्शन को भी खो देंगे, जो भारतीय सभ्यता ने हजारो साल की अपनी यात्रा में प्रकृति के साथ असाधारण रूप से तालमेल के साथ जीना सिखा है। प्रकृति के साथ इस कठिन दौर में भारतीय लोकजीवन का यही संदेश सबसे अधिक प्रासंगिक है- प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सहजीवन ही भविष्य का मार्ग है। दुर्भाग्य से आधुनिक जीवनशैली में इन परंपराओं को केवल कर्मकांड मानकर छोड़ दिया गया है। परिणामस्वरूप हम उनके भीतर छिपे पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी ज्ञान से भी दूर होते जा रहे हैं।

'वसुधैव-कुटुबंकम्' के कुशल प्रयोग से जनता, राजनीतिक दलों और विश्व समुदाय का भी दिल जीता

मोदी की समावेशी राजनीति

डॉ. एके वर्मा

हाल के दौर में राजनीतिक परिदृश्य बहुत तेजी से बदल रहा है। क्षेत्रीय दल अप्रासंगिक हो रहे हैं। देश-विरोधी शक्तियों पर लगाम लगती दिख रही है। भारत का बढ़ता प्रभाव, प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता तथा वैश्विक कूटनीतिक मंचों पर भारत की प्रभावी भूमिका इसका संकेत है। काफी समय बाद वैश्विक कूटनीतिक चौसर पर भारत एक चतुर 'प्रो-एक्टिव' खिलाड़ी के रूप में उभरा है। इस सबके बीच नरेन्द्र मोदी ने लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री होने का रिकार्ड बनाया और भाजपा ने उसका जश्न भी मनाया। देखा जाए तो 2014 में जब मोदी ने प्रधानमंत्री पद संभाला तब विरासत में उन्हें कमजोर राजनीतिक व्यवस्था, रिमोट कंट्रोल वाली सरकार, आर्थिक बदहाली, निराशा, भ्रष्टाचार और घोटालों का अंबार मिला। विकास और सुशासन उपेक्षित हो गए थे। सुरक्षा और प्रतिरक्षा के साथ खिलवाड़ हो रहा था, लेकिन ये सब राष्ट्रीय विमर्श के मुद्दे बन ही नहीं पा रहे थे। विरासत में मिली ऐसी सरकार चलाना ही चुनौती थी, इन मुद्दों से निपटना तो बहुत दूर की बात थी। गुजरात दंगों का दंश झेल रहे मोदी के लिए देश-विदेश में अपनी छवि को लेकर भी चुनौतियां थीं। 26 मई, 2014 को मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और जिस लगन, विजन, परिश्रम और सेवाभाव से उन्होंने देश और जनता के लिए काम किया, उससे समर्थक तो क्या, विरोधी भी उनके कायल हो गए। कांग्रेस द्वारा लंबे समय तक शासन करने से 'शासकीय इकोसिस्टम' पर कांग्रेस की पकड़ थी। ऐसी स्थिति में नई लीक पर चलना, नई ऊंचाई पाना, देश की दशा और दिशा बदलना, वैश्विक मंचों पर भारत की बातों का वजन दर्ज कराना प्रधानमंत्री के लिए गंभीर चुनौती थी, लेकिन विगत 12 वर्षों के दौरान उनके नेतृत्व में बहुत कुछ ऐसा हुआ, जो पहले अकल्पनीय था। जिन्हें लगता है कि आज लोकतंत्र, संविधान और गणतंत्र खतरे में है, उनका तो कुछ किया नहीं जा सकता, लेकिन जनता को सब दिखाई-सुनाई देता है, जिसने उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाया। वैश्विक समुदाय की भी समझ कुछ ऐसी ही है, लेकिन मोदी ने ऐसा किया कैसे? उनकी उम्र 75 वर्ष है। पिछले 12 वर्षों में वे कभी थके दिखे हों, छुट्टी पर गए हों, किसी को ज्ञात नहीं। मोदी अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धियों पर भी असंतुष्ट रहते हैं तथा वे स्वयं अनुस्पर्धा, आशा और आत्मविश्वास का अद्भुत संगम हैं। उनकी सफलता का रहस्य समावेशी राजनीति में उनका अटूट विश्वास है, जो उन्हें राष्ट्र प्रथम और विकसित भारत के विराट लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने की सामर्थ्य प्रदान करता है। मोदी ने अपनी समावेशी राजनीति को स्थानीय से वैश्विक स्तर तक विस्तार दिया है। उनकी समावेशी राजनीति त्रिस्तरीय है। प्रथम, अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने हमेशा 140 करोड़ देशवासियों की बात की है। स्वयं को सदैव 140 करोड़ भारतीयों के प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत किया है। सबका-साथ, सबका-विकास, सबका-विश्वास और सबका-प्रयास के संकल्प को हकीकत बनाया है। उन्होंने समाज को परिवार मान उसके मुखिया के रूप में लगातार प्रतिमाह जनता से अपने मन की बात की है। परिणामस्वरूप चुनाव-दर-चुनाव उन्हें जनता का आशीर्वाद मिलता रहा है। इसी से उन्होंने जातिवादी राजनीति को दरकिनार कर वर्ग-राजनीति की आधारशिला रखी है। महिला, किसान, युवा और गरीब-शोषित-वंचित वर्ग को लक्ष्य कर विकसित भारत की ओर कदम बढ़ाया है। परिणामस्वरूप कभी अछूत मानी जाने वाली भाजपा आज जनता की पहली पसंद बन गई है-न केवल केंद्र में, वरन 20 से अधिक राज्यों में आज मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा-राजग की सरकारें हैं। जाहिर है समाज के वे घटक जो कभी भाजपा से दूर थे, आज भाजपा में हैं। यह मोदी की लोकतांत्रिक समावेशी राजनीति का मास्टर स्ट्रोक है। द्वितीय, मोदी ने अपनी समावेशी राजनीति को अन्य दलों पर भी लागू किया है। वैसे तो राजग का गठन 1998 में हुआ, पर 2014 के बाद मोदी ने उसे मजबूती दी। 2014 और 2019 में पूर्ण बहुमत के बावजूद मोदी ने राजग की सरकारें बनाईं। घटक दलों को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व दिया। आज तेलुगु देसम पार्टी, जदयू, लोजपा, जनता दल(सेक्युलर), जनसेना, रालोद, राकांपा (अजीत), असम गण परिषद, अपना दल, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी आदि अनेक दल राजग में हैं। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और महाराष्ट्र में शिवसेना(उद्धव) के सांसद-विधायक जिस तरह राजग में आने और समर्थन देने को आतुर दिखे, उससे लगता है कि अनेक क्षेत्रीय दलों के सांसदों-विधायकों और कार्यकर्ताओं को विश्वास है कि मोदी के नेतृत्व में ही देश का भविष्य सुरक्षित है। ऐसे में, सपा और द्रमुक जैसे कुछ क्षेत्रीय दलों का चिंतित होना स्वाभाविक है, लेकिन जब समाज का एक बड़ा घटक किसी अन्य पार्टी की ओर खिसकता है, तो उससे निकले तमाम नेताओं को भी अपनी दलीय निष्ठाओं में परिवर्तन करना पड़ता है। तृतीय, वैश्विक स्तर पर भी मोदी ने समावेशी राजनीति की है। सबको मिलाया है, सबकी ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है, सबकी मदद की है और वैश्विक परिवार मानकर सबके यहां गए हैं। 2023 में जी-20 सम्मलेन में उन्होंने न केवल 'अफ्रीकी संघ' को स्थायी प्रतिनिधित्व देकर अफ्रीकी महाद्वीप का समावेशन किया, वरन 'वसुधैव-कुटुंबकम्' को सम्मलेन की 'थीम' रख भारतीय संस्कृति के समावेशी सनातन मूल्य 'विश्व-एक-परिवार' की पुनरुस्थापना भी की। मोदी आज डोनाल्ड ट्रंप, व्लादिमीर पुतिन और शी चिनफिंग से एक-साथ बात कर सकते हैं। वे इजरायल और अरब देशों, दोनों से बात कर सकते हैं। वे रूस और यूक्रेन दोनों के संपर्क में हैं। मोदी ने भारत को एक 'विश्वसनीय शक्ति' के रूप में स्थापित किया है।

जीवन का अर्थ संग्रह में नहीं, लय में है

प्रकृति संसार की सबसे प्राचीन व सबसे धैर्यवान शिक्षक है। वह उपदेश या आदेश नहीं देती, सिर्फ मौजूद रहती है। उसकी यही मौन उपस्थिति मनुष्य के भीतर ऐसा बदलाव ला सकती है, जो हजारों शब्द भी नहीं कर पाते।

मनुष्य ने अपने चारों ओर जितनी भी दीवारें खड़ी कर ली हों, उसकी आत्मा अब भी प्रकृति की संतान है। वह नगरों-महानगरों में रह सकता है, पत्थरों के बीच जीवन बिता सकता है, अपने जीवन को महत्वाकांक्षा और शोर से भर सकता है, पर उसके भीतर कहीं न कहीं एक मौन स्मृति भी जरूर जीवित रहती है। यह मौन स्मृति खुले आकाश की, बहती हुई हवा की या किसी नदी के किनारे की शांति की होती है। शायद यही कारण है कि जब जीवन बेहद मुश्किल और कृत्रिम लगने लगता है, तब मनुष्य अनायास ही प्रकृति की ओर लौटने को बेचैन हो उठता है, जैसे थका हुआ बच्चा अंततः अपनी मां की गोद में लौट आता है। प्रकृति संसार की सबसे प्राचीन व सबसे धैर्यवान शिक्षक है। वह उपदेश या आदेश नहीं देती, सिर्फ मौजूद रहती है। उसकी यही मौन उपस्थिति मनुष्य के भीतर ऐसा बदलाव ला सकती है, जो हजारों शब्द भी नहीं कर पाते। जब मैं किसी जंगल से गुजरती हूं, तो ऐसा लगता है, मानो पृथ्वी स्वयं धीरे-धीरे सांस ले रही हो। पेड़ों की शाखाएं हवा में जिस तरह से हिलती हैं, तब उनमें कोई उतावलापन नहीं होता। वे आकाश तक पहुंचने की आकांक्षा भी रखती हैं, पर साथ ही अपनी जड़ों को भी गहराई तक फैलाए रखती हैं। मनुष्य भी यदि प्रकृति से कुछ सीखना चाहे, तो शायद यही सबसे पहली शिक्षा होगी कि ऊंचा उठने की इच्छा रखो, पर अपनी जड़ों को मत भूलो। शहरों में लोग एक-दूसरे के करीब तो रहते हैं, पर आत्माएं दूर होती जाती हैं। हर व्यक्ति स्वयं को सिद्ध करने में लगा रहता है। हर चेहरा किसी भूमिका का अभिनय करता हुआ नजर आता है। प्रकृति इन सब कृत्रिमताओं को धो देती है। प्रकृति में कोई पाखंड नहीं है। फूल इसलिए नहीं खिलते कि कोई उनकी प्रशंसा करे। केवल मनुष्य ही है, जो निरंतर अपने अस्तित्व का प्रदर्शन करता रहता है। शायद इसी कारण प्रकृति के बीच मनुष्य का हृदय अधिक सरल हो जाता है। वहां उसे किसी मुखौटे की जरूरत नहीं रह जाती। प्रकृति सिखाती है कि जीवन का अर्थ संग्रह में नहीं, लय में है। ऋतुओं को देखिए। वसंत आकर चला जाता है। ग्रीष्म ऋतु के बाद वर्षा ठंडक देती है। पतझड़ पेड़ों को खाली कर देता है और शीत ऋतु सब कुछ स्थिर कर देती है। पर, प्रकृति कभी निराश नहीं होती। उसे पता है कि हर अंत में एक आरंभ छिपा है। मनुष्य यदि यह एक शिक्षा भी सीख ले, तो उसका आधा दुख समाप्त हो जाए। प्रकृति हमें प्रेम का अर्थ भी सिखाती है। प्रेम अधिकार नहीं है, जैसे सूर्य फूलों पर अधिकार नहीं जमाता। वह केवल उन्हें प्रकाश देता है। सच्चा प्रेम भी ऐसा ही होता है, वह दूसरे को खिलने देता है। जब जीवन कठोर लगने लगे, जब संसार का शोर आपकी आत्मा को थका दे, तब कुछ समय प्रकृति के पास जाइए। पेड़ की छाया में बैठिए, मिट्टी की गंध महसूस कीजिए, हवा को अपने चेहरे पर बहने दीजिए। आप पाएंगे कि प्रकृति कोई उत्तर नहीं देती, फिर भी आपके भीतर के अनेक प्रश्न शांत हो जाते हैं। ऊंचाइयों को छूने की चाह जरूर रखें, पर अपनी जड़ों और सादगी को कभी न भूलें। ऋतुओं की तरह हर अंत में एक नई शुरुआत को देखना सीखें और संग्रह के बजाय जीवन को एक सुंदर लय में जिएं। सच्चा प्रेम अधिकार जताने में नहीं, बल्कि सूर्य की तरह दूसरों को खिलने का अवसर देने में है। जब भी भीतर का शोर थकाए, प्रकृति के मौन में जाएं।

कसी जाए मंत्रियों के चयन की कसौटी

राजीव सचान

इन दिनों केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल-विस्तार की चर्चा जोरों पर है। माना जाता है कि अगले कुछ दिनों में मोदी सरकार अपने इस तीसरे कार्यकाल में पहली बार मंत्रिमंडल में विस्तार के साथ फेरबदल भी कर सकती है। इसका एक कारण तो यह है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल के दो सदस्य पंकज चौधरी और हर्ष मल्होत्रा क्रमशः उत्तर प्रदेश एवं दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष बन गए हैं। दूसरा कारण दो मंत्रियों रवनीत सिंह बिट्टू और जार्ज कुरियन का राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त होना है। इनमें कुरियन ने तो त्यागपत्र दे दिया है और वह मंजूर भी हो गया है। रवनीत सिंह बिट्टू ने अभी त्यागपत्र नहीं दिया, लेकिन यह कहा है कि अब वे अपना ध्यान पंजाब के आगामी विधानसभा चुनावों पर केंद्रित करेंगे। मोदी मंत्रिमंडल में विस्तार-फेरबदल का एक संभावित आधार आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सदस्यों का भाजपा में शामिल होना, शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के छह लोकसभा सदस्यों का एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना में शामिल होकर सत्तापक्ष का संख्याबल बढ़ाना भी है। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का संख्याबल इसलिए भी बढ़ गया है, क्योंकि तृणमूल कांग्रेस के 20 लोकसभा सदस्य ममता बनर्जी से बगावत करके एक गुमनाम से दल नेशनल सिटिजंस पार्टी आफ इंडिया में शामिल होकर इस गठबंधन का हिस्सा बन गए हैं। इसी के साथ यह पार्टी राजग का सबसे बड़ा घटक बन गई है। उसने संख्याबल के मामले में तेलुगु देसम पार्टी, शिवसेना (शिंदे) और जनता दल-यू को भी पीछे छोड़ दिया है। मोदी मंत्रिमंडल में विस्तार-फेरबदल का एक अन्य कारण यह गिनाया जा रहा है कि अगले वर्ष सात राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं और केंद्रीय मंत्रिमंडल में इन राज्यों का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जा सकता है। इस सबके अतिरिक्त केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल-विस्तार की चर्चा इसलिए भी हो रही है कि मंत्रियों के लगभग दो वर्ष के कामकाज की समीक्षा संभावित थी। इस समीक्षा के तहत मंत्री पदोन्नत या पदावनत हो सकते हैं। पता नहीं ऐसा होगा या नहीं, लेकिन आसार इसलिए अधिक हैं, क्योंकि भाजपा के नए अध्यक्ष नितिन नवीन को भी अपनी टीम गठित करनी है और इसके तहत कुछ नेता संगठन से सरकार में और कुछ सरकार से संगठन में जा सकते हैं। चूंकि मोदी सरकार के पहले और दूसरे कार्यकाल में भी केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल और विस्तार होता रहा है, इसलिए इस बार भी ऐसा होना संभावित माना जा रहा है। अतीत में जब भी ऐसा हुआ है, तब कुछ केंद्रीय मंत्रियों की अप्रत्याशित रूप से छुट्टी हुई है और कुछ ऐसे चकित करने वाले चेहरे मोदी सरकार का हिस्सा बने, जिनके बारे में शायद ही किसी ने अनुमान लगाया हो। यह मोदी सरकार की विशेषता है कि वह अपने फैसलों से चौंकाती है और ऐसे फैसले केवल मंत्रियों के चयन के मामले में ही नहीं होते रहे। मुख्यमंत्रियों के चयन के मामले में भी यह देखने को मिलता रहा है। आखिर किसने सोचा था कि राजस्थान में पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री बना दिए जाएंगे? ऐसा ही दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मामले में भी हुआ। मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों के अतिरिक्त राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष समेत अन्य अनेक पदों पर ऐसे लोग आए, जिनके बारे में किसी को भान नहीं था।

आम लोगों और यहां तक कि राजनीतिक पंडितों के अनुमान से परे जाकर अप्रत्याशित फैसले लेना मोदी सरकार की एक खासियत अवश्य है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि उसका हर चौंकाने वाला फैसला सटीक यानी मास्टर स्ट्रोक ही होता हो। यह सही है कि कोई भी सरकार हो, उसके प्रमुख को अपने मंत्रियों का चयन करते समय सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों का ध्यान रखना ही पड़ता है, लेकिन ऐसा करते समय भी योग्यता को प्रथम वरीयता दी जानी चाहिए, क्योंकि कोई सरकार अपने मंत्रियों के कामकाज के आधार पर ही जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में समर्थ हो सकती है।

जोकोविच विंबलडन के तीसरे दौर में पहुंचे

सितसिपास को 98 मिनट में सीधे सेटों में हराया; डिफेंडिंग चैंपियन सिनर की भी अगले राउंड में एंट्री

नोवाक जोकोविच ने विंबलडन के तीसरे दौर में जगह बना ली है। 39 साल के सर्बियाई स्टार ने ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को महज 98 मिनट में सीधे सेटों में हराया। जोकोविच ने इस मैच को 6-3, 6-4, 6-2 से अपने नाम किया।

लंदन के सेंटर कोर्ट पर डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर ने भी संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की। उन्होंने पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस को हराया और टूर्नामेंट में लगातार 9वां मैच जीता। करीब 2 घंटे 32 मिनट चले मैच को सिनर ने 7-6 (7-4), 7-6 (7-2), 6-4 से जीता।

मैच के बाद जोकोविच बोले- उम्र सिर्फ एक नंबर है

जीत के बाद जोकोविच ने फैंस से बात करते हुए कहा, मुझे विंटेज शब्द पसंद है, यह सुनना अच्छा लगता है क्योंकि यह पुराने बेहतरीन दिनों की याद दिलाता है। जब आप कोर्ट पर इस तरह का खेल दिखाते हैं, तो आपको बहुत खुशी और संतुष्टि मिलती है। उन्होंने आगे कहा,मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं।

जब मैं विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर खेलता हूं, तो इन पलों को हल्के में नहीं लेता। यह मेरे बचपन के सपनों का टूर्नामेंट था। 30 साल से ज्यादा की उम्र में भी इस कोर्ट पर कदम रखना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मुझे लगता है कि उम्र सिर्फ एक नंबर है और यह बात बिल्कुल सच है।

बॉल किड के साथ प्रैंक और रोरी मैक्लरॉय को चैलेंज

मैच के दौरान जोकोविच काफी रिलैक्स मूड में दिखे। तीसरे सेट से पहले ब्रेक के दौरान उन्होंने अपनी टी-शर्ट से धागा काट रही एक बॉल किड के साथ मजाक किया, जैसे कि उसने उन्हें चोट पहुंचा दी हो।

जोकोविच ने रॉयल बॉक्स में बैठे गोल्फर रोरी मैक्लरॉय को मजाकिया अंदाज में टेनिस मैच खेलने का चैलेंज भी दे दिया। जोकोविच ने कहा कि जो भी यह मैच जीतेगा, उसे वह मास्टर्स ग्रीन ब्लेजर मिलेगा, जिसे पहनकर मैक्लरॉय मैच देखने आए थे।

डिफेंडिंग चैंपियन सिनर को बोर्गेस ने दी टक्कर

टूर्नामेंट के डिफेंडिंग चैंपियन और वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर को पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस के खिलाफ कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। वर्ल्ड रैंकिंग में 48वें नंबर पर काबिज बोर्गेस ने कई मौकों पर सिनर से बेहतर खेल दिखाया और दूसरे सेट में एक समय वे सेट पॉइंट तक पहुंच गए थे, लेकिन सिनर ने दबाव के क्षणों में अपना अनुभव दिखाया और वापसी की।

अब अगले दौर में रिंडरनेच से मुकाबला

टूर्नामेंट के अगले यानी तीसरे दौर में नोवाक जोकोविच का मुकाबला फ्रांस के 25वें सीड आर्थर रिंडरनेच से होगा। वहीं, जैनिक सिनर अगले दौर में अमेरिका के जेनसन ब्रूक्सबी से भिड़ेंगे जो वर्ल्ड रैंकिंग में 81वें नंबर पर हैं। सिनर के लिए यह जीत इसलिए अहम है, क्योंकि फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में मिली हार के बाद उन्होंने ग्रास कोर्ट पर अभ्यास के लिए किसी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया था, जिससे उनकी मैच फिटनेस को लेकर सवाल उठ रहे थे।

अभिषेक सबसे तेज 100 टी-20 छक्के लगाने वाले बैटर

श्रेयस इंग्लैंड में फिफ्टी लगाने वाले पहले भारतीय कप्तान; बारिश की वजह से मैच रद्द

भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टी-20 मैच बारिश की वजह से नहीं हो सका। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 189 रन बनाए। इसके बाद बारिश आई और इंग्लैंड की पारी शुरू नहीं हो सकी। अभिषेक टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज 100 छक्के लगाने वाले बैटर बन गए। उन्होंने 59 रन बनाए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 68 रन की पारी खेली। वे इंग्लैंड में टी-20 फिफ्टी लगाने वाले पहले भारतीय कप्तान बने।

अभिषेक शर्मा ने 785 गेंद में 100 छक्के पूरे किए

अभिषेक शर्मा टी-20 में सबसे कम गेंद में 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 4 छक्के लगाए। अभिषेक ने 785 गेंद में 100 छक्के पूरे किए। उन्होंने वेस्टइंडीज के ईविन लुईस के 789 गेंद का रिकॉर्ड तोड़ा।

रोहित-विराट के क्लब में अभिषेक शामिल

अभिषेक भारत के लिए 100 छक्के लगाने वाले पांचवे भारतीय बने। उन्होंने रोहित शर्मा और विराट कोहली के क्लब में जगह बनाई। रोहित शर्मा टी-20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय हैं। उनके नाम 205 छक्के हैं। इस रिकॉर्ड में सूर्यकुमार यादव (179 छक्के), हार्दिक पंड्या (126 छक्के) और विराट कोहली (124 छक्के) भी शामिल हैं।

अभिषेक इंग्लैंड में सबसे तेज टी-20 फिफ्टी लगाने वाले भारतीय

अभिषेक इंग्लैंड में टी-20 में सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। अभिषेक ने महज 20 गेंद पर फिफ्टी पूरी की। उन्होंने केएल राहुल का 8 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। राहुल ने 2018 में मैनचेस्टर के मैदान पर 27 गेंदों में अर्धशतक लगाया था।

श्रेयस ने कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा

श्रेयस इंग्लैंड में जाकर टी-20 में फिफ्टी लगाने वाले पहले भारतीय कप्तान बन गए हैं। उन्होंने 68 रन बनाए। यह इंग्लैंड के मैदान पर टी-20 में किसी भारतीय कप्तान की सबसे बड़ी पारी है। उन्होंने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा। कोहली ने 2018 में कार्डिफ के मैदान पर 47 रन बनाए थे।

चेस्टर-ली-स्ट्रीट में भारत का लगातार तीसरा मैच रद्द हुआ

चेस्टर-ली-स्ट्रीट में भारत का कोई मैच कंप्लीट नहीं हो पाया है। भारत ने यहां 3 मैच खेले हैं और तीनों मुकाबले बेनतीजा रहे। इससे पहले 2002 और 2011 का वनडे मैच पूरे नहीं हो पाए थे।

फुटबॉल वर्ल्डकप : 86वें मिनट तक 2-0 से पीछे था बेल्जियम

आखिरी 4 मिनट में बराबरी, सेनेगल से विवादित पेनल्टी में जीता; अमेरिका भी टॉप-16 में

बेल्जियम ने फुटबॉल वर्ल्ड कप में गुरुवार को 86वें मिनट तक दो गोल से पिछड़ने के बावजूद एक्स्ट्रा टाइम में सेनेगल को 3-2 से हराया। अब उसका मुकाबला मेजबान अमेरिका से होगा। अमेरिकी टीम ने बोस्निया-हर्जेगोविना को 2-0 से हराया।

सिएटल स्टेडियम में बेल्जियम के रोमेलु लुकाकू ने 86वें मिनट में पहला गोल किया। फिर यूरी टिलेमंस ने 89वें मिनट में बराबरी दिलाई। उन्होंने एक्स्ट्रा टाइम में 125वें मिनट में विवादित पेनल्टी पर विनिंग गोल किया। इससे पहले बेल्जियम ने 2018 वर्ल्ड कप नॉकआउट में जापान के खिलाफ 0-2 से पिछड़कर 3-2 से जीत हासिल की थी। इधर, सैन फ्रांसिस्को बे एरिया स्टेडियम में अमेरिका की ओर से फोलारिन बालोगुन ने 45वें मिनट में गोल किया और हाफ टाइम से पहले टीम को 1-0 से आगे कर दिया। उन्हें 64वें मिनट में रेड कार्ड दिखया गया। ऐसे में मालिक टिलमैन ने 82वें मिनट में गोल किया।

सेनेगल ने 25वें मिनट में हबीब डियारा के गोल से बढ़त बनाई। 51वें मिनट में इस्माइला सार ने मौसा नियाखाते की लंबी पास को नियंत्रित करते हुए गोल दागा और स्कोर 2-0 कर दिया। यह सार का मौजूदा वर्ल्ड कप में चौथा गोल रहा। दूसरे हाफ में बतौर सब्स्टीट्यूट उतरे रोमेलु लुकाकू ने 86वें मिनट में गोल कर बेल्जियम की वापसी की शुरुआत की। इसके तीन मिनट बाद कप्तान यूरी टिलेमंस ने बराबरी का गोल दागकर मैच एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा दिया।

मैच पेनल्टी शूटआउट में जाता दिख रहा था, तभी अतिरिक्त समय के अंतिम क्षणों में लैमिन कमारा ने टिलेमंस को बॉक्स के भीतर धक्का दिया। वीडियो रिव्यू के बाद रेफरी ने पेनल्टी दी। टिलेमंस ने दबाव में शानदार गोल करते हुए बेल्जियम को 3-2 की ऐतिहासिक जीत दिला दी। एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार यह वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे देर से हुआ निर्णायक गोल है।

पेनल्टी फैसले पर सेनेगल की नाराजगी

पेनल्टी दिए जाने के बाद सेनेगल के खिलाड़ियों ने रेफरी के फैसले का विरोध किया। डिफेंडर पाथे सिस पेनल्टी स्पॉट पर लेट गए, जबकि अन्य खिलाड़ी भी रेफरी से बहस करते रहे। सेनेगल के कोच पापे थियाव ने कहा, हमें नहीं लगा कि यह पेनल्टी थी। खिलाड़ियों ने फैसले का विरोध किया, लेकिन निर्णय हो चुका था और अंतत: उसी की वजह से हम टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

लैमोंट जैकब्स ने 100मी रेस 9.67 सेकेंड में पूरी की

बोल्ट के बाद दूसरे सबसे तेज धावक, तेज हवा के कारण रिकॉर्ड मान्य नहीं

इटली के स्प्रिंटर लैमोंट मार्सेल जैकब्स ने 100 मीटर की रेस 9.67 सेकेंड में पूरी की। 31 साल के जैकब्स ऑस्ट्रियन ओपन में बुधवार को अपने करियर की बेस्ट टाइमिंग हासिल की। हालांकि, उनकी टाइमिंग रिकॉर्ड बुक में दर्ज नहीं हो सकी, क्योंकि आयसेंस्टॉट में रेस के दौरान हवा का बहाव तय सीमा (+4.1 मीटर प्रति सेकेंड की टेलविंड) से अधिक था। इसके बावजूद जैकब्स किसी भी परिस्थिति में उसेन बोल्ट के बाद दुनिया के सबसे तेज धावक बन गए। बोल्ट के नाम 9.58 सेकेंड का वर्ल्ड रिकॉर्ड और 9.63 सेकेंड का विंड-असिस्टेड समय दर्ज है। बोल्ट ने 2009 की वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था।

जैकब्स ने शुरुआत धीमी की, फिर सबको पीछे छोड़ दिया

जैकब्स की शुरुआत उतनी तेज नहीं रही। शुरुआती मीटरों में ब्रिटेन के रोमेल ग्लेव और साउथ अफ्रीका के 400 मीटर वर्ल्ड रिकॉर्डधारी वेड वैन नीकेर्क उनसे आगे थे। लेकिन, गति पकड़ने के बाद जैकब्स ने वापसी की और लगभग एक मीटर के अंतर से जीत दर्ज की।

ग्लेव और वैन नीकेर्क रहे दूसरे-तीसरे स्थान पर

ब्रिटेन के रोमेल ग्लेव 9.76 सेकेंड के साथ दूसरे और वेड वैन नीकेर्क 9.83 सेकेंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे। जापान के योशिहिदे किर्यू 9.99 सेकेंड के साथ चौथे, जर्मनी के ओवेन अंसाह 10.00 सेकेंड के साथ पांचवें और मेजबान ऑस्ट्रिया के मार्कस फुच्स 10.09 सेकेंड के साथ छठे स्थान पर रहे।

टोक्यो ओलिंपिक के 100 मीटर चैंपियन हैं जैकब्स

1896 में मॉडर्न ओलिंपिक की शुरुआत हुई थी। 1928 तक 100 मीटर के चैंपियन श्वेत एथलीट रहे। 1932 में एडी टोलन पहले अश्वेत ओलिंपिक 100 मीटर चैंपियन बने। 1984 से 2024 तक ओलिंपिक में अश्वेत एथलीट ही 100 मीटर चैंपियन रहे। 2020 टोक्यो ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट लेमॉन्ट मार्सेल जैकब्स के पिता अफ्रीकी मूल के थे, जबकि मां इटैलियन थीं। इसलिए उन्हें भी ब्लैक एथलीट में गिना गया।

साहन की फिफ्टी से श्रीलंका-ए मजबूत

दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के पहले दिन स्कोर-288/5; यश ठाकुर और सारांश जैन ने झटके 2-2 विकेट

भारत-ए और श्रीलंका-ए के बीच गॉल में खेले जा रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के पहले दिन मेजबान टीम का पलड़ा भारी रहा। भारत-ए के गेंदबाज ने 5 विकेट लिए, लेकिन श्रीलंका-ए के कप्तान साहन अराच्चिगे ने नाबाद अर्धशतक जमाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। पहले दिन का खेल खत्म होने तक श्रीलंका-ए ने 85 ओवर में 5 विकेट पर 288 रन बना लिए।

पहले विकेट के लिए ओपनिंग साझेदारी

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी भारत-ए को शुरुआती सफलता जरूर मिली, लेकिन श्रीलंका-ए के बल्लेबाजों ने अच्छी साझेदारियां निभाईं। पवन्था वीरासिंघे (39) और सोहान डी लिवेरा (28) ने पहले विकेट के लिए 53 रन जोड़े। इसके बाद नुवानिडु फर्नांडो (44) और अशेन बंडारा (34) ने पारी को आगे बढ़ाया।

अंजला-बंडारा ने भारत की वापसी नहीं करने दी

171 रन पर चौथा विकेट गिरने के बाद कप्तान साहन अराच्चिगे और विकेटकीपर अंजला बंडारा ने भारत-ए की वापसी नहीं होने दी। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 99 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। अंजला 42 रन बनाकर आउट हुए, जबकि साहन 148 गेंदों में 83 रन बनाकर नाबाद लौटे। दिन का खेल खत्म होने तक चामिका गुणसेकरा 6 रन बनाकर उनका साथ दे रहे थे।

यश ठाकुर और सारांश जैन सबसे सफल गेंदबाज

भारत-ए की ओर से यश ठाकुर और सारांश जैन ने सबसे ज्यादा 2-2 विकेट लिए। यश ने 14 ओवर में सिर्फ 32 रन देकर दो बल्लेबाजों को आउट किया, जबकि सारांश ने 24 ओवर में 77 रन देकर दो विकेट हासिल किए। गुरनूर बरार को एक सफलता मिली। वहीं आकिब नबी और जिशान अंसारी विकेट नहीं ले सके।

स्पेन के लामिन यमाल फिट

भारत 9 साल बाद श्रीलंका में टेस्ट सीरीज खेलेगा; चोट के बावजूद सेरेना के डबल्स खेलने की उम्मीद

भारत 9 साल बाद श्रीलंका में टेस्ट सीरीज खेलेगा। टीम 15 अगस्त से श्रीलंका दौरे की शुरुआत करेगी। 2017 में विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम ने श्रीलंका को टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया था।

शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम दो टेस्ट मैच खेलेगी। पहला टेस्ट गॉल में खेला जाएगा। वहीं दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब, कोलंबो में हो सकता है। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का हिस्सा होगी।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बेन सीयर्स टखने की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। टीम मैनेजमेंट ने एहतियात के तौर पर उन्हें इलाज के लिए न्यूजीलैंड वापस भेजने का फैसला किया है। उनकी जगह ऑकलैंड एसेस के तेज गेंदबाज बेन लिस्टर को 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के अनुसार बेन सीयर्स को मई में आयरलैंड के खिलाफ 4 दिवसीय टेस्ट के बाद से टखने में लगातार दर्द था। इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में खेले गए तीसरे टेस्ट के आखिरी दिन यह परेशानी फिर बढ़ गई। इसके बाद मेडिकल टीम ने उन्हें आराम और आगे के इलाज के लिए स्वदेश भेजने का फैसला किया।

बेन लिस्टर अगले कुछ दिनों में गुयाना में टीम के साथ जुड़ेंगे। उन्होंने 2023 में कराची में पाकिस्तान के खिलाफ न्यूजीलैंड के लिए वनडे डेब्यू किया था। 5 मैचों की वनडे सीरीज 12 जुलाई (न्यूजीलैंड समयानुसार) से गुयाना में शुरू होगी।

बाप दीवार तो बेटा निकला मिस्टर 360!

समित द्रविड़ ने टी-20 लीग में मचाया बल्ले से गदर

दिग्गज भारतीय क्रिकेटर राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ ने एक बार फिर बल्ले से कमाल किया है। चर्चित टी20 ट्रॉफी मैच के दौरान समित ने मैदान के चारों ओर अपने शानदार शॉट्स से सभी का ध्यान खींचा। इनमें बैकफुट कट शॉट्स, लॉफ्ट ड्राइव और कुछ बेहतरीन पुल शॉट्स शामिल थे। समित की बल्लेबाजी उनके पिता के जैसी ही थी। अब इस बल्लेबाजी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

2 रन से जीत दर्ज की

20 साल के समित ने हुबली के चर्चित हुबली क्रिकेट ग्राउंड में हुबली टाइगर्स के खिलाफ खेले गए मैच में अपनी टीम कल्याणी बेंगलुरु ब्लास्टर्स के लिए छह चौकों की मदद से 23 गेंदों में 32 रन बनाए। रोहन पाटिल और प्रवीण दुबे ने फिफ्टी ठोकी। वहीं निश्चित राव ने तीन विकेट लिए। बेंगलुरु ब्लास्टर्स ने हुबली टाइगर्स के जोरदार पलटवार का सामना करते हुए रोमांचक मुकाबले में दो रन से जीत दर्ज की।

रोमांचक रहा मुकाबला

जीत के लिए 204 रनों का पीछा करते हुए हुबली टाइगर्स को अनीश्वर गौतम (23 गेंदों में 34 रन), शिवकुमार रक्षित (30 गेंदों में 41 रन) और मनवंत कुमार की 22 गेंदों में खेली गई तूफानी 60 रनों की पारी से काफी मजबूती मिली। अभिनव मनोहर ने भी 15 गेंदों में 21 रन बनाकर टीम को जीत के लिए आखिरी गेंद तक ले गए। आखिरी गेंद पर पांच रन चाहिए थे, लेकिन मनोहर और मनवंत के अहम मौकों पर आउट होने से टाइगर्स की पारी 201/7 पर आकर रुक गई। ब्लास्टर्स की ओर से निश्चय राव (3/27) और विदवत कावेरप्पा (2/55) ने गेंद से शानदार प्रदर्शन किया।

बेंगलुरु की छठी जीत

यह जीत बेंगलुरु ब्लास्टर्स की सात मैचों में छठी जीत थी। इसके साथ ही उनके अंक 12 हो गए और अंक तालिका में शीर्ष पर उनकी स्थिति और मजबूत हो गई। वहीं, हुबली टाइगर्स को इस सीजन में अपनी तीसरी हार का सामना करना पड़ा।

बेंगलुरु ने बनाए 203 रन

इससे पहले बेंगलुरु ब्लास्टर्स ने रोहन पाटिल (38 गेंदों में 64 रन) और प्रवीण दुबे (28 गेंदों में 51 रन) के अर्धशतकों की बदौलत 203 रन बनाए। रोहन और समित द्रविड़ (23 गेंदों में 32 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 70 रन जोड़े। इसके बाद रोहन ने प्रवीण दुबे के साथ मिलकर 51 रनों की साझेदारी की और लय को बरकरार रखा। शिवराज ने पारी के अंत में 7 गेंदों में 23 रनों की तेज पारी खेली। वैभव शर्मा (3/38) और अभिषेक अहलावत (2/39) हुबली टाइगर्स के गेंदबाजी आक्रमण में सबसे बेहतरीन गेंदबाज रहे।

इस जीत के साथ बेंगलुरु ब्लास्टर्स ने टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। इससे पहले उन्होंने गुलबर्गा मिस्टिक्स, शिवमोग्गा योद्धा, कोस्टल किंग्स मंगलुरु और शिवमोग्गा योद्धा के खिलाफ जीत हासिल की थी।

क्रिकेट फैंस के लिए खुशखबरी, अगले महीने श्रीलंका से भिड़ेगी टीम इंडिया, बीसीसीआई ने शेयर किया शेड्यूल

भारत 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगा। ये दोनों मैच मौजूदा आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल का हिस्सा होंगे। पहला टेस्ट 15 अगस्त से गाले में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा और आखिरी टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में होगा। मुकाबले भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे शुरू होंगे। यह सीरीज 2017 में श्रीलंका में 3-0 से शानदार जीत के बाद भारत का पहला टेस्ट दौरा है।

अफगानिस्तान को हराया

हाल ही में भारतीय टीम ने इकलौते टेस्ट मैच में अफगानिस्तान को हराया था। श्रीलंका अभी वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज में है। टीम पहले मैच में बुरी तरह हारने के बाद वापसी की कोशिश करेगी।

भारत-श्रीलंका के लिए अहम सीरीज

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अहम पॉइंट्स दांव पर होने के कारण दोनों टीमों की नजर जीत पर होगी। फिलहाल भारत पॉइंट्स टेबल में पांचवें और श्रीलंका छठे स्थान पर है। ऐसे में आने वाली सीरीज दोनों टीमों के लिए डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़ में आगे चल रही टीमों से अंतर कम करने का एक अहम मौका है।

भारत का पलड़ा भारी

- **भारत और श्रीलंका के बीच अब तक 46 टेस्ट मैच खेले गए हैं।**
- **इस दौरान भारतीय टीम का पलड़ा काफी भारी नजर आता है।**
- **दोनों टीमों की भिड़ंत में भारत ने 22 टेस्ट मैच जीते हैं।**
- **वहीं श्रीलंका टीम को 7 मुकाबलों में ही जीत मिली है।**
- **17 मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं।**
- **श्रीलंका की धरती पर इन दोनों टीमों के बीच 24 टेस्ट मैच में आमना-सामना हुआ है।**
- **इस दौरान भारत को 9 और श्रीलंका को 7 मुकाबलों में सफलता मिली।**
- **8 मैच ड्रॉ रहे। भारतीय टीम आखिरी बार 2017 में श्रीलंका में टेस्ट मैच खेली थी।**
- **3 मैचों की इस सीरीज में भारत ने क्लीन स्वीप किया था।**

रिया चक्रवर्ती@34

'डायन' कहकर ठुकराया गया

बॉलीवुड के दरवाजे बंद हुए, लगा था कि एक्टिंग नहीं कर पाएंगी, अब 7 साल बाद वापसी

रिया चक्रवर्ती अपना 34वां जन्मदिन मना रही हैं। यह जन्मदिन इसलिए खास है क्योंकि वह 7 साल बाद ऐक्टिंग में वापसी कर रही हैं। एक समय था जब रिया चक्रवर्ती फिल्मों से ज्यादा विवादों की वजह से चर्चा में थीं। उनसे जुड़ी खबरों में एक्टिंग कम और आरोप, बहस, ट्रोलिंग और जांच ज्यादा दिखाई देती थी। लेकिन इस कहानी की शुरुआत वहां से नहीं होती। इसकी शुरुआत एक ऐसी लड़की से होती है जो आर्मी परिवार से मुंबई आई थी और एक्ट्रेस बनना चाहती थी। फिर रास्ते में रिजेक्शन मिला। यशराज की फिल्म हाथ से निकल गई। बॉलीवुड में फ्लॉप का ठप्पा लगा। महेश भट्ट के साथ रिश्तों पर सवाल उठे। फिर 2020 आया और जिंदगी पूरी तरह बदल गई। 27 दिन जेल, काम बंद हुआ, सोशल मीडिया ट्रायल, मानसिक संघर्ष और यह एहसास कि शायद अब कभी कैमरे के सामने लौटना नहीं होगा। रिया ने नए सिरे से शुरुआत की। बिजनेस शुरू किया, अपना मंच बनाया और अब कई साल बाद फिर एक्टिंग में वापसी की तैयारी कर रही हैं। यह सिर्फ कमबैक नहीं, बल्कि दूसरे अध्याय की कहानी है।

रिया के जीवन से जुड़ी कुछ खास बातें

आर्मी परिवार की लड़की जिसने ग्लैमर इंडस्ट्री चुनी

1 जुलाई 1992 को बेंगलुरु में जन्मीं रिया चक्रवर्ती एक आर्मी परिवार से आती हैं। उनके पिता लेफ्टिनेंट कर्नल इंद्रजीत चक्रवर्ती भारतीय सेना में रहे। परिवार का बैकग्राउंड फिल्मी नहीं था। उन्होंने कम उम्र में तय कर लिया था कि उन्हें कैमरे के सामने काम करना है। उन्होंने करियर की शुरुआत टीवी से की। 2009 में एमटीवी तीन दिवा में हिस्सा लिया। वह शो नहीं जीत सकीं, लेकिन रनरअप रहीं और यहीं से पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने एमटीवी में वीजे के तौर पर काम शुरू किया और युवाओं के बीच पहचान बनाई।

यशराज की फिल्म से रिजेक्ट हुईं, फिर साउथ फिल्मों का रास्ता चुना

रिया ने इंडस्ट्री में जगह बनाने के लिए ऑडिशन दिए। यशराज की फिल्म 'बैंड बाजा बारात' के लिए भी ऑडिशन दिया, लेकिन चयन नहीं हुआ। बाद में फिल्म हिट साबित हुई। यह शुरुआती रिजेक्शन था, लेकिन उन्होंने दूसरा रास्ता चुना। उन्होंने तेलुगु फिल्म 'तुनीगा तुनीगा' से शुरुआत की और बाद में हिंदी फिल्मों की तरफ बढ़ीं।

बॉलीवुड में एंट्री मिली, लेकिन सफलता नहीं

रिया ने 2013 में 'मेरे डैड की मारुति' से बॉलीवुड डेब्यू किया। इसके बाद 'सोनाली केबल', 'बैंक चोर', 'जलेबी' और 'चेहरे' में काम किया। उनका शुरुआती करियर संघर्षपूर्ण रहा। ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रहीं। धीरे-धीरे धारणा बनी कि वह स्क्रीन पर अच्छी दिखती हैं लेकिन फिल्में सफल नहीं होतीं। ऐसे टैग लंबे समय तक असर डालते हैं।

'जलेबी' के बाद चर्चा बढ़ी, महेश भट्ट के साथ तस्वीरों पर सवाल उठे

रिया के करियर में 'जलेबी' एक अहम फिल्म मानी गई। यह फिल्म भट्ट कैंप से जुड़ी थी और इसी दौरान रिया और फिल्ममेकर महेश भट्ट की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। इसके बाद दोनों के रिश्ते को लेकर कई तरह की चर्चाएं और दावे होने लगे। हालांकि रिया ने सार्वजनिक रूप से इन बातों को खारिज किया और कहा कि महेश भट्ट उनके लिए पिता समान हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर चल रही चर्चा लंबे समय तक उनका पीछा करती रही।

फिर आया 2020... और जिंदगी दो हिस्सों में बंट गई

2020 में उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ आया। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद उनका नाम चर्चाओं में आ गया। उनके निजी रिश्ते बहस का हिस्सा बने। उन पर आरोप लगे, आर्थिक मामलों पर सवाल उठे और ड्रग्स एंगल की जांच हुई। रिया ने आरोपों से इनकार किया। लेकिन टीवी और सोशल मीडिया पर उनका नाम लगातार बना रहा।

क्या-क्या आरोप लगे और उस समय क्या हुआ

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद जांच कई स्तरों पर हुई। सार्वजनिक बहस में रिया पर कई तरह के आरोप लगाए गए। उन पर आर्थिक मामलों को लेकर सवाल उठे, ड्रग्स एंगल की जांच हुई और उनके रिश्ते को लेकर भी लगातार दावे किए गए। इन आरोपों और जांच के बीच रिया ने सार्वजनिक रूप से अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया। मामले की जांच एजेंसियों और अदालतों की प्रक्रिया अलग-अलग चरणों में चलती रही। उस समय सार्वजनिक माहौल इतना तीखा था कि जांच और सार्वजनिक राय अक्सर एक-दूसरे में मिलती हुई दिखाई दे रही थी।

सोशल मीडिया पर उन्हें किन नामों से बुलाया गया

उस दौर का असर सिर्फ कानूनी नहीं था। सोशल मीडिया पर रिया को लेकर बेहद कठोर टिप्पणियां की गईं। उन्हें 'गोल्ड डिगर' कहा गया। उन्हें 'डायन' कहा गया। कुछ लोगों ने उनके बारे में 'काला जादू' जैसी बातें भी फैलानी शुरू कर दीं। रिया ने आजतक से बातचीत में कहा था कि शुरुआत में इन बातों का असर होता था, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने महसूस किया कि अगर हर आवाज को जवाब देने की कोशिश की जाए तो इंसान खुद को खो सकता है। उन्होंने कहा था कि एक समय के बाद उन्होंने तय किया कि वह हर आरोप के साथ अपनी जिंदगी नहीं जोड़ेंगी।

गिरफ्तारी और 27 दिन जेल.... जिंदगी का सबसे कठिन दौर-ड्रग्स से जुड़े मामले में जांच एजेंसी की कार्रवाई के दौरान रिया को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने लगभग 27 दिन जेल में बिताए। बाद में उन्हें अदालत से जमानत मिली और वह बाहर आईं। कानूनी रूप से जमानत किसी मामले के अंतिम निष्कर्ष के बराबर नहीं होती, लेकिन उस समय यह उनके लिए निजी तौर पर बड़ा मोड़ था। जेल का अनुभव उनकी जिंदगी का सबसे कठिन अनुभव था।

जेल में कैसा था अनुभव-रिया ने बताया था कि जेल में रहना आसान नहीं था। उन्होंने कहा था कि वहां जाकर उन्हें लगा जैसे उनकी पहचान उनसे छीन ली गई हो। उन्होंने कहा- आप धीरे-धीरे अपने नाम से नहीं, एक नंबर से पहचाने जाने लगते हैं। लेकिन इसी दौरान उन्होंने कुछ ऐसी चीजें भी देखीं जिन्होंने उनकी सोच बदल दी। उन्होंने कहा कि जेल में रहने वाली कई महिलाएं बहुत कम चीजों में भी खुशी ढूंढ लेती थीं। उन्हें महसूस हुआ कि बाहर की दुनिया में लोग बहुत कुछ होने के बाद भी असंतुष्ट रहते हैं।

बेल मिलने के बाद नागिन डांस क्यों किया-रिया ने एक इंटरव्यू में जेल से जुड़ा एक अनुभव भी साझा किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने वहां कुछ महिलाओं से मजाक में कहा था कि अगर उन्हें जमानत मिली तो वह उनके साथ नागिन डांस करेंगी। जब जमानत मिली तब उनका भाई बाहर नहीं आया था, इसलिए उनके लिए वह पल भावनात्मक भी था। उन्होंने बताया कि जाते समय उन्होंने वह वादा निभाया। यह बात बाद में काफी चर्चा में रही क्योंकि लोग उस कहानी के पीछे की भावनात्मक स्थिति को जानना चाहते थे।

परिवार पर इसका कितना असर पड़ा-रिया ने बाद में कहा कि इस पूरे दौर का असर सिर्फ उन पर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा कि उनके भाई शोविक के करियर और आगे की योजनाओं पर भी असर पड़ा। उन्होंने बताया कि उनके परिवार को सामाजिक और पेशेवर दोनों तरह के दबाव झेलने पड़े। उन्होंने एक इंटरव्यू में यह भी कहा था कि मुश्किल समय में उन्हें अपने दोस्तों की अहमियत समझ आई, क्योंकि कुछ दोस्त उनके पिता के साथ समय बिताते रहे ताकि परिवार अकेला महसूस न करे।

पांच साल बाद जांच कहां पहुंची-मार्च 2025 में सीबीआई ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की। जांच में उनके खिलाफ अभियोजन योग्य साक्ष्य नहीं मिले और मौत को आत्महत्या बताया गया। यह लंबे विवाद के बाद अहम मोड़ था। तब तक उनका करियर बदल चुका था। कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ चुकी थी। करियर वहीं नहीं लौटता जहां रुका था। उन्हें काम मिलना लगभग बंद हो गया था और लगा कि शायद दोबारा अभिनय नहीं कर पाएंगी।

खेल समाचार

ईशान नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज बने

टॉप पर आने वाले चौथे भारतीय बने, अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर खिसके

ICC टी-20 बैटिंग रैंकिंग

रैंक	खिलाड़ी	देश	रेटिंग
1	ईशान किशन	भारत	876
2	अभिषेक शर्मा	भारत	869
3	साहिबज़ादा फरहान	पाकिस्तान	848
4	फिल सॉल्ट	इंग्लैंड	792
5	पथुम निसांका	श्रीलंका	751
6	तिलक वर्मा	भारत	747
7	जोस बटलर	इंग्लैंड	716
8	सूर्यकुमार यादव	भारत	708
9	मिचेल मार्श	ऑस्ट्रेलिया	706
10	डेवाल्ड ब्रेविस	साउथ अफ्रीका	702

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन आईसीसी की ताजा मेंस टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने करीब 12 महीने से टॉप पर काबिज अभिषेक शर्मा को पीछे छोड़ा है। ईशान टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 बनने वाले भारत के चौथे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। वहीं, पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 848 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

ईशान को वर्ल्ड कप के प्रदर्शन का मिला फायदा-ईशान किशन ने इस साल की शुरुआत में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसका फायदा उन्हें रैंकिंग में मिला है। ईशान ने वर्ल्ड कप के दौरान लगभग 200 के स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाए थे। इसमें कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ खेला गया मैच भी शामिल है, जिसमें वे प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे। ताजा रैंकिंग में ईशान के 876 रेटिंग पॉइंट्स हैं।

चक्रवर्ती-बुमराह एक-एक स्थान नीचे खिसके-टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत के वरुण चक्रवर्ती और जसप्रीत बुमराह को नुकसान हुआ है। दोनों खिलाड़ी एक-एक पायदान नीचे खिसककर तीसरे और छठे स्थान पर आ गए हैं। इस सूची में अफगानिस्तान के राशिद खान ने अपना नंबर-1 का स्थान बरकरार रखा है।

हेड नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज बने-मेंस की टेस्ट बैटिंग रैंकिंग में बड़ा बदलाव हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड छलांग लगाकर पहले स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि जो रूट फिसलकर तीसरे स्थान पर आ गए हैं। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल को एक स्थान का फायदा हुआ है और वे छठे नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि यशस्वी जायसवाल एक स्थान नीचे गिरकर नौवें नंबर पर आ गए हैं।

गेंदबाजों में बुमराह टॉप पर-टेस्ट गेंदबाजों की लिस्ट में भारत के जसप्रीत बुमराह पहले स्थान पर बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी 861 अंकों के साथ दूसरे, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क 838 अंकों के साथ तीसरे और पैट कमिंस 832 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं।

न्यूजीलैंड की ओडीआई टीम का एलान, मैट फिशर को पहली बार मौका; जैकब डफी की हुई वापसी

वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी 5 मैचों की वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम का एलान हो गया है। कीवी टीम में पहली बार मैथ्यू फिशर को मौका मिला है, जबकि धाकड़ तेज गेंदबाज जैकब डफी की वापसी हुई है। 11 जुलाई से इस सीरीज का आगाज होना है, जिसमें कुछ खिलाड़ी खेलते हुए नजर नहीं आएंगे, क्योंकि वह अमेरिका में जारी मेजर लीग क्रिकेट का हिस्सा हैं, जिसमें रचिन रविंद्र का नाम भी शामिल हैं।

न्यूजीलैंड की वनडे टीम का एलान

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए वनडे टीम का एलान किया दरअसल, न्यूजीलैंड ने अपने 16 सदस्यीय स्क्वॉड का एलान कर दिया है। विंडीज के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए बॉलर मैट फिशर को पहली बार वनडे टीम में मौका मिला है, जबकि इंग्लैंड टेस्ट दौरे को मिस करने के बाद जैकब डफी की वापसी हुई है। 26 साल के मैट फिशर की बात करें तो उन्होंने लिस्ट-ए क्रिकेट में घरेलू स्तर पर अच्छा परफॉर्म किया है। 25 मैचों में उन्होंने 43 विकेट चटकाए। वह इंटरनेशनल डेब्यू कर चुके हैं। उन्होंने आखिरी टेस्ट मैच 2025 अगस्त में खेला था, जबकि बांग्लादेश के खिलाफ अप्रैल 2026 में आखिरी टी20आई मैच खेला। आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप 2026 फाइनल के बाद जैकब डफी पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नजर आएंगे। वह अपने पहले बच्चे के जन्म की वजह से इंग्लैंड टेस्ट टूर मिस कर बैठे थे। कीवी टीम की कप्तानी मिचेल सेंटनर ही करेंगे, जबकि टॉम लैथम की बतौर विकेटकीपर वापसी हुई। स्पिन डिपार्टमेंट में माइकल ब्रेसवेल, जायडेन लेनॉक्स और डीन फॉक्सक्राफ्ट शामिल हैं।

केसीए ने हटाया एस श्रीसंत पर लगा 3 साल का बैन

बिना शर्त माफी मांगने पर मिली बड़ी राहत...

केरल क्रिकेट एसोसिएशन ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर एस श्रीसंत को बड़ी राहत दी है। केसीए ने श्रीसंत पर लगाए गए तीन साल के बैन को हटाने का फैसला किया है। श्रीसंत को सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों के कारण तीन साल के लिए सस्पेंड किया गया था।

एसोसिएशन की बदनामी हुई

केसीए का कहना था कि इन टिप्पणियों से एसोसिएशन की बदनामी हुई थी। उन्होंने तिरुवनंतपुरम मुंसिफ कोर्ट में इस अनुशासनात्मक कार्रवाई को चुनौती दी थी, लेकिन केसीए के अनुसार, उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी। इसके बाद श्रीसंत ने केरल क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ अपनी टिप्पणियों पर अफसोस जताते हुए बिना शर्त आधिकारिक माफीनामा सौंपा।

भविष्य में ऐसा न हो

1 जुलाई, 2026 को हुई केसीए की स्पेशल जनरल बॉडी मीटिंग में उनकी माफी पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने बिना किसी शर्त के खेद व्यक्त किया था, ऐसे में मीटिंग में सर्वसम्मति से प्रतिबंध हटाने का फैसला किया गया। हालांकि, एसोसिएशन ने श्रीसंत को चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसा कोई भी व्यवहार करने पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रतिबंध हटने के बाद श्रीसंत केरल क्रिकेट लीग (केसीएल) के सीजन 3 में एरीज कोल्लम सेलर्स फ्रेंचाइजी के को-ओपर के तौर पर बने रह सकेंगे। केसीए ने पिछले केसीएल सीजन से पहले यह प्रतिबंध लगाया था।

प्रदर्शन पर एक नजर

- भारत के पूर्व तेज गेंदबाज श्रीसंत ने देश के लिए तीनों इंटरनेशनल फॉर्मेट में खेला है।
- इसमें 27 टेस्ट, 53 वनडे और 10 टी20इंटरनेशनल शामिल हैं।
- टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 37.59 के औसत से 87 विकेट लिए।
- एक पारी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/40 और एक मैच में 8/99 रहा।
- इतना ही नहीं इसमें चार बार चार विकेट और तीन बार पांच विकेट शामिल हैं।
- वनडे में उन्होंने 33.44 के औसत से 75 विकेट लिए।
- उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/55 रहा।
- जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 10 मैचों में 7 विकेट लिए।
- घरेलू क्रिकेट में श्रीसंत ने 74 प्रथम श्रेणी मैचों में 213 विकेट लिए। उनका बेस्ट प्रदर्शन 5/40 रहा।
- इसके अलावा उन्होंने 92 लिस्ट ए मैचों में 124 विकेट और 65 टी20 मैचों में 54 विकेट लिए।

फुटबॉल वर्ल्डकप में एमबाप्पे के डबल गोल से जीता फ्रांस

मैक्सिको ने 40 साल बाद नॉकआउट मैच जीता, जश्न में 2 फैंस की मौत

पिछली बार की फाइनलिस्ट फ्रांस ने बुधवार के पहले मैच में स्वीडन को 3-0 से हराकर फुटबॉल वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। साथ ही सह-मेजबान मैक्सिको ने इक्वाडोर को 2-0 से हराकर 40 साल बाद नॉकआउट राउंड का मैच जीता है। इस जीत के शहर के कई जगह सेलिब्रेशन हुए। इस दौरान 2 फैंस की दम घुटने से मौत हो गई। न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में फ्रांस के लिए किलियन एमबाप्पे ने दो और ब्रैडली बारकोला ने एक गोल किया। मैक्सिको सिटी स्टेडियम में मैक्सिको के जूलियन क्विन्योनेस ने 22वें और राउल जिमेनेज ने 31वें मिनट में गोल किए। इंजरी टाइम के 5वें मिनट में पिएरो हिनकापिए को रेड कार्ड मिला। अब फ्रांस का सामना पैराग्वे से 5 जुलाई को होगा। जबकि, मैक्सिको 6 जुलाई को इंग्लैंड और कांगो डीआर के विजेता से खेलेगी। एमबाप्पे ने 45वें और 74वें मिनट में गोल किए। उन्होंने इस वर्ल्ड कप में तीसरी बार डबल गोल किए हैं। टूर्नामेंट में उनके छह गोल हो गए हैं। उन्होंने इस एडिशन के टॉप गोल स्कोरर की लिस्ट में अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी की बराबरी कर ली है।

संन्यास से लौटीं सेरेना विलियम्स विंबलडन के पहले राउंड में हारीं

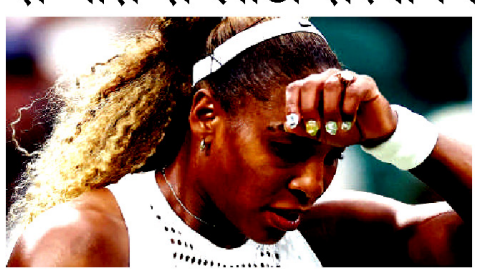

रिटायरमेंट से वापसी कर रही सेरेना विलियम्स को विंबलडन के पहले ही राउंड में हार गई हैं। 44 साल की सेरेना को उनसे 24 साल छोटी ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट ने 6-3, 6-7, 6-3 से हराया। 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना अब लेडीज डबल्स कैटेगरी में अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ चुनौती पेश करेंगी। सेरेना ने करीब चार साल (1,462 दिन) बाद इस चैंपियनशिप से वापसी की। उन्हें लेडीज सिंगल्स और डबल्स कैटेगरी में वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गई। 2022 में मां बनने के बाद उन्होंने इंटरनेशनल करियर से रिटायरमेंट ले लिया था।

उम्र से 24 साल छोटी खिलाड़ी से हारी सेरेना-सेरेना विलियम्स थोड़ी थकी और लय से बाहर नजर आईं। पहले सेट में ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट ने उनकी कमजोरियों का फायदा उठाया और यह सेट आसानी से 6-3 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में सेरेना ने शानदार वापसी की।

दो बार ब्रेक पॉइंट पर पिछड़ने के बाद उन्होंने खेल को टाइ-ब्रेकर तक खींचा और दूसरा सेट 7-6 से जीत लिया। हालांकि, तीसरे सेट में शारीरिक थकान उन पर हावी हो गई और माया ने आखिरी सेट 6-3 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

ये हैं जेईई मेन परीक्षा क्रैक करने के लिए जरूरी टिप्स

जेईई मेन एग्जाम की डेट नजदीक आ रही है। इस परीक्षा का पहला सेशन फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लाखों उम्मीदवार अपनी काबिलियत को आजमाएंगे। देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए होने वाली इस परीक्षा को देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। अगर आप भी इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको यहां पर हम जेईई मेंस की प्रिपरेशन प्लानिंग के बारे में पूरी जानकारी और टिप्स देंगे।

सिलेबस को समझ कर बनाएं प्लान

जेईई मेन की तैयारी के लिए छात्रों को प्रभावी प्लान बनाने की जरूरत पड़ेगी और इसमें मदद करेंगा परीक्षा का सिलेबस। सबसे पहले सिलेबस को समझे और इसके आसान और कठिन विषयों को ध्यान में रखकर अपनी प्रिपरेशन प्लानिंग बनाएं। अपनी क्षमता और स्पीड के आधार पर, तीनों विषयों को शामिल करते हुए एक डेली प्रिपरेशन प्लान बनाएं। इसका नियमित रूप से पालन भी करें।

बेहतर टाइम टेबल बनाएं

इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही टाइम टेबल होना बहुत जरूरी है। टाइम टेबल को अपने परीक्षा पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाएं। इस परीक्षा में उम्मीदवारों को 90 प्रश्नों में से 75 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पेपर की अवधि 3 घंटे है। प्रत्येक विषय में 20 एमसीक्यू और 10 न्यूमेरिकल प्रश्न होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। एमसीक्यू के लिए, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा। वहीं, न्यूमेरिकल प्रश्नों में सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और इस खंड में कोई निगेटिव मार्किंग नहीं है।

मौजूदा टॉपिक को पूरा करें

इस परीक्षा के पहले अटेम्प्ट के लिए अब दो माह से कम समय बचा है। इसलिए तैयारी में आपको पूरा जोर लगाना पड़ेगा। अब समय आ गया है कि इस परीक्षा के प्रमुख टॉपिक को आप पूरा कर लें। उसके बाद दूसरे टॉपिक को शुरू करें। यह तरीका आगे चलकर आपके लिए महत्वपूर्ण पहलू साबित होगा, क्योंकि जेईई मेन की तैयारी के अंतिम चरण के दौरान, उम्मीदवारों को अधिक जोर नहीं लगाना पड़ेगा।

फ्लैश कार्ड तैयार करें

इस परीक्षा की तैयारी के लिए शॉर्ट नोट्स बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। फ्लैशकार्ड और शॉर्ट नोट्स तैयार करने का उद्देश्य मुख्य परीक्षा के आयोजन में जब एक सप्ताह का समय बचा हो, उस समय अधिक से अधिक समय को बचाकर इनसे तैयारी कर सकें। इनसे उम्मीदवार जल्दी से इन शॉर्ट नोट्स और फ्लैश नोट्स के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को दोहरा सकेंगे।

सैंपल पेपर्स की प्रैक्टिस करें

जेईई मेंस परीक्षा की तैयारी के लिए लगातार सैंपल पेपर और प्रश्न पत्रों को हल करें। जेईई मेन प्रश्न पत्र को हल करने का उद्देश्य उम्मीदवारों को उनकी तैयारी के स्तर को जानने में सक्षम बनाना है। इससे, उम्मीदवार यह पता लगाने में सक्षम होंगे कि वे हर विषय में प्रत्येक प्रश्न को हल करने में कितना समय ले रहे हैं। साथ ही क्या वे अपने समय का उचित प्रबंधन कर पा रहे हैं या नहीं, यह समझ भी उनमें आएगी। जितना अधिक वे प्रश्नों को हल करेंगे, उन्हें पता चल जाएगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिनमें उन्हें अधिक काम करना होगा ताकि परीक्षा के दिन कोई कठिनाई न आए। वे अपनी कमियों को दूर कर अपनी प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

लगातार मॉक टेस्ट दें

अब सभी परीक्षा के लिए मॉक टेस्ट बेहद जरूरी हो गया है। यह हमें परीक्षा से पहले असपल परीक्षा का एहसास कराता है। अगर आप जेईई मेन की तैयारी कर रहे हैं, तो प्रतिदिन एक मॉक टेस्ट जरूर देने की कोशिश करें। इससे जेईई मेन प्रवेश परीक्षा के दिन उम्मीदवारों को किसी तरह के प्रेशर का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रिवीजन जरूर करें

सभी परीक्षा के लिए रिवीजन बहुत ही जरूरी है। इसके बिना परीक्षा को क्रैक नहीं कर सकते। इसलिए, उम्मीदवारों को समय रहते जो कुछ पढ़ा है उसे अच्छी तरह से दोहरा लेना चाहिए। इससे टॉपिक को याद करने में काफी मदद मिलेगी। आप जो भी टॉपिक पढ़े उसका हर सप्ताह रिवीजन भी करें। इससे आपको याद करते में मदद मिलेगी।

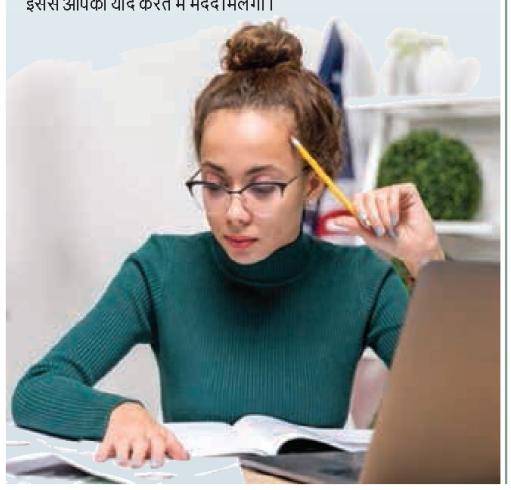

डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर संवारें अपना कॅरियर

डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। शरीर के अन्य भागों की तरह ही दांत भी मनुष्य के शरीर का एक अहम हिस्सा हैं। आमतौर पर ओरल हेल्थ का ख्याल रखना बेहद ही जरूरी माना जाता है और लोग इसका ख्याल रखते भी हैं। हालांकि दांतों व ओरल हेल्थ से संबंधित कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है और ऐसे में एक पेशेवर की जरूरत पड़ती है। वैसे जब ओरल हेल्थ को लेकर डॉक्टर का ख्याल आता है तो हम सभी डेंटिस्ट के पास जाना पसंद करते हैं। लेकिन अब, दंत चिकित्सा तेजी से बदल रही है, कई अवसरों और चुनौतियों का निर्माण कर रही है। दंत चिकित्सकों के रूप में मुख्य कॅरियर के अलावा, दंत चिकित्सा सहायक, डेंटल हाइजीन के क्षेत्र में भी आप कॅरियर के अवसर तलाश सकते हैं। तो चलिए आज हम जानते हैं कि डेंटल हाईजीनिस्ट बनकर आप अपना कॅरियर कैसे संवार सकते हैं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। डेंटल हाइजिनिस्ट अमूमन डेंटिस्ट को मरीजों के दांतों की देखभाल करने और अच्छे मौखिक स्वास्थ्य को मेंटेन रखने में रोगियों को शिक्षित करने में सहायता करते हैं। डेंटल हाइजीनिस्ट के कुछ अधिक विशिष्ट कर्तव्यों में दांतों से टार्टर और प्लाक को हटाना, दांतों की सुरक्षा के लिए फ्लोराइड या सीलेंट लगाना, एक्स-रे लेना और उचित मौखिक स्वच्छता पर मरीजों को शिक्षित करना शामिल है। हाइजीनिस्ट मरीजों को अपने दांतों की देखभाल के बारे में बात करने में समय बिताते हैं। वे लोगों को उन प्रभावों के बारे में शिक्षित करते हैं जो उनके आहार और जीवन शैली का उनके दांतों पर प्रभाव डालते हैं। साथ ही वे दांतों को स्वस्थ रखने के लिए तकनीकों और आदतों के बारे में बताते हैं।

शैक्षिक योग्यता

डेंटल हाइजीनिस्ट कोर्स को कई डेंटल कॉलेजों में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स के रूप में पेश किया जाता है। जो छात्र डेंटल हाइजीनिस्ट का कोर्स करना चाहते हैं, उन्हें 12वीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषय में पास करना अनिवार्य है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, डेंटल हाइजीनिस्ट की आंखों की रोशनी, सुनने और संचार कौशल अच्छा होना चाहिए। किसी भी अन्य चिकित्सा क्षेत्र के साथ, उन्हें दूसरों की मदद करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए, और दंत चिकित्सकों के निर्देशों का बारीकी से पालन करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, अच्छा पारस्परिक कौशल, धैर्य, परिश्रम और उच्च स्तर की सटीकता एक अच्छा हाइजीनिस्ट होने के लिए आवश्यक कौशल हैं। एक टीम के रूप में काम करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

संभावनाएं ही संभावनाएं

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बतौर डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर भी आप एक अच्छा कॅरियर देख सकते हैं। एक डेंटल हाईजीनिस्ट अस्पताल से लेकर कम्युनिटी डेंटल सर्विस के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा वे पीरियोडॉन्टिक्स या बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में भी काम कर सकते हैं। डेंटल हाईजीनिस्ट डेंटल हॉस्पिटल, आर्म्ड फोर्स, पब्लिक हेल्थ सेक्टर व प्राइवेट रूप से भी प्रैक्टिस कर सकते हैं।

आमदनी

डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी उनकी शिक्षा, अनुभव व स्थान के आधार पर भिन्न होती है। एक डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी घंटे, दिन, सैलरी या कमिशन बेस पर हो सकती है। हालांकि इस क्षेत्र में एक फ्रेशर प्रति माह आठ से दस हजार रूपए वेतन प्राप्त कर सकता है।

प्रमुख संस्थान

- भारत इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- भारत यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- जया पैरामेडिकल कॉलेज एंड एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, हरियाणा
- लक्ष्मी बाई इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल, पटियाला

कृषि का अध्ययन करने के बाद एक सफल उद्यमी कैसे बनें

उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी। उद्यमिता आजकल हर जगह पाई जा सकती है। हर पेशे में एक उद्यमी क्षेत्र होता है। उस विशेष क्षेत्र में कृषि निश्चित रूप से बहुत अहम भूमिका निभाता है। उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी।

उद्यमिता क्षेत्र के किसान आजकल अपने खेतों को व्यवसाय मानते हैं और वे उन्हें ऐसा ही मानेंगे। वे जोखिम लेने के लिए तैयार हैं, वे नई और इनोवेटिव तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे और सामान्य तौर पर वे अपनी सामर्थ्य के हिसाब से सब कुछ करेंगे जो उन विचारों के साथ आएंगे जो उनके लाभ को अधिकतम करेंगे, उनके प्रयास को कम करेंगे और उनके व्यवसाय को बढ़ाएंगे। आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए उद्यमियों की भूमिका को मान्यता देते हुए विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर में कई पाठ्य कार्यक्रमों ने छात्रों के उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए एक विषय के रूप में उद्यमिता को शामिल किया है। हालांकि, मौजूदा समय में नौकरियों को भरने के लिए कॉलेज में इस विषय का अध्ययन करने वाले पर्याप्त छात्र नहीं हैं। और इसके परिणामस्वरूप सफल कृषि व्यवसाय चलाने के अनुभव वाले कम लोग ही होंगे।

कृषि-उद्यमी बनने के लिए जरूरी कदम

प्रक्रिया का पहला चरण- यदि उद्यमिता की अवधारणा के साथ खुद को परिचित करना है तो आपको यह समझने की आवश्यकता है कि उद्यमशीलता क्या है और यह आपके खेत को कैसे लाभ पहुंचा सकती है।

दूसरा कदम- कृषि की दुनिया के सभी नए नए विचारों के बारे में सीखना है। नई सामग्रियों और उर्वरकों से लेकर नई मशीनों और प्रौद्योगिकियों तक। इससे आपको अपने खेत को एक वास्तविक बड़े व्यवसाय के रूप में कल्पना करने में और उन सभी छोटी छोटी चीजों को व्यवस्थित करने में, जो आपको याद आ रही हैं, काफी मदद मिलेगी।

तीसरा कदम- एक साझेदारी बनाना है। एक उद्यमी के रूप में सफल होने के लिए ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी और आपको उन चीजों को प्रदान करने के लिए किसी की आवश्यकता भी संभवतः हो सकती है। उन लोगों के साथ सही साझेदारी बनाएं, जो आपके सपने और सफलता की महत्वाकांक्षा को साझा करते हैं।

चौथा कदम- कृषि के क्षेत्र में 'धमाकेदार' के साथ अपना नया 'स्टार्ट-अप' व्यवसाय शुरू करना है। आपको एक बहुत मजबूत और ठोस व्यवसाय योजना की आवश्यकता है। आपको कुछ जोखिम भी उठाने पड़ सकते हैं। यह जानना कि आप किस उद्देश्य से काम कर रहे हैं, सही व्यवसाय योजना बनाना बहुत कठिन काम नहीं है।

आपके लिए यह याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि साझेदारी आपके कृषि व्यवसाय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यदि आप वास्तव में सफल उद्यमी बनना चाहते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जो भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं, उसका ठीक से उपयोग करेंगे।

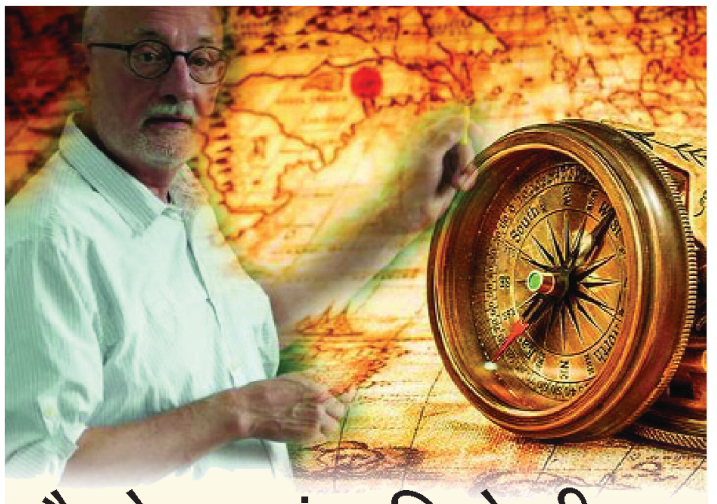

कैसे बनाएं अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं।

प्रत्येक स्थान का इतिहास हजारों पांडुलिपियों, अभिलेखों, शिलालेखों, दस्तावेजों आदि में अंतर्निहित है, इन अद्वितीय अभिलेखों को वैज्ञानिक रूप से संरक्षित और अभिलेखीय अभिलेख या आर्काइवल रिकॉर्ड्स कहा जाता है, जो किसी विशेष क्षेत्र और समाज के इतिहास को समझने में मदद करते हैं। आमतौर पर लोग म्यूजियम, आर्काइव्स और लाइब्रेरी को लेकर भ्रमित हो जाते हैं, क्योंकि ये सभी सांस्कृतिक संस्थाएं हैं, जो सांस्कृतिक विरासत के संग्रह और संरक्षण से संबंधित हैं। यह तीनों ही इतिहास को संरक्षित रखने में मदद करते हैं, लेकिन फिर भी इनमें अंतर है। जहां, संग्रहालय ऐतिहासिक कलाकृतियों और वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं पुस्तकालय में प्रकाशित पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि को रखा जाता है, जबकि आर्काइव्स अभिलेखों पर ध्यान केंद्रित करने में माहिर हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर कैसे बनाएं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं। वे उन अभिलेखों का मूल्यांकन, संग्रह, आयोजन, संरक्षण और रखरखाव करते हैं, जिनके पास अतीत की विश्वसनीय यादों के रूप में स्थायी मूल्य होते हैं। वे ऐसे लोग हैं जो राष्ट्रीय और स्थानीय अभिलेखागार, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, व्यवसायों, आदि में दस्तावेजीकरण के लिए जिम्मेदार हैं, वे कानूनी, वित्तीय और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए रिकॉर्ड को संरक्षित और सुलभ बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, अधिकांश कॉलेज और विश्वविद्यालय सूचना विज्ञान के साथ एक सहायक विषय के रूप में अभिलेखीय विज्ञान पढ़ाते हैं। वहीं, भारत में कुछ संस्थान ऐसे भी हैं, जो अभिलेखीय विज्ञान में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जैसे कि अभिलेखागार में पीजी प्रमाणपत्र, अभिलेखागार अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और अभिलेखागार और प्रबंधन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक आर्काइविस्ट में बेहतर कम्युनिकेशन स्किन के अलावा एनालिटकल एंड रिसर्च स्किल्स, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और आर्गेनाइजेशनल एबिलिटी होना बेहद जरूरी है। उन्हें धैर्य रखने के अलावा सटीक, पूरी तरह से रामझने और क्या जानकारी रखने के बारे में अच्छे निर्णय लेने में सक्षम होने की आवश्यकता है। उन्हें एक सुव्यवस्थित और व्यवस्थित तरीके से काम करना चाहिए, जानकारी को निजी रखने और दबाव में अच्छी तरह से काम करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, एक आर्काइविस्ट को कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भी सही तरह से इस्तेमाल करना आना चाहिए।

संभावनाएं

आर्काइविस्ट विभिन्न संगठनों जैसे संग्रहालयों, सरकारी एजेंसियों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, औद्योगिक और वाणिज्यिक फर्मों, ऐतिहासिक सोसाइटी, निगमों और अन्य कई संस्था में काम कर सकते हैं। वहीं, सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश करने वालों को संघ लोक सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं को पास करना होगा। भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार, संस्कृति मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, जो राष्ट्र के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अभिलेखागार का प्रबंधन करता है, अपनी विभिन्न इकाइयों में योग्य उम्मीदवारों को नौकरी के विभिन्न अवसर प्रदान करता है।

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर शुरुआती वेतन 10000 रुपये से लेकर 15000 रुपये प्रति माह तक कमा सकता है। अनुभवी और योग्य पेशेवर प्रति माह लगभग 20,000 रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपकी आमदनी भी बढ़ती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- पटना यूनिवर्सिटी, पटना
- महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी, अजमेर
- द गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, तमिलनाडु

भारत-जापान के बीच एआई-फार्मा क्षेत्र में एमओयू, पीएम मोदी बोले - ताकाइची छोटी बहन

भारत-जापान ने आर्थिक सुरक्षा का रोडमैप बनाया

भारत में खाद के 1000 प्लांट लगेंगे

नई दिल्ली

भारत और जापान के बीच आज अहम द्विपक्षीय समझौते हुए। दोनों देशों के बीच हुए वार्षिक सम्मेलन के बाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के अलावा फार्मा सेक्टर से जुड़े समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए गए। इसके बाद दोनों प्रधानमंत्रियों ने संयुक्त प्रेस वार्ता भी की। अपनी गर्मजोशी और प्रधानमंत्री पद से इतर इंसानी रिश्ते के लिए दुनियाभर में मशहूर पीएम मोदी ने जापानी समकक्ष को अपनी छोटी बहन बताया।

मोदी ने कहा कि भारत और जापान ने आर्थिक सुरक्षा का संयुक्त रोडमैप तैयार किया है। इसके तहत सेमीकंडक्टर, क्वांटम टेक्नोलॉजी, एडवांस्ड मैटेरियल्स और सप्लाई चेन को मजबूत किया जाएगा। इंडिया-जापान बायोगैस इनिशिएटिव के तहत देश में 1000 बायोगैस और ऑर्गेनिक खाद प्लांट लगाए जाएंगे, जिससे गोबरधन योजना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

दोनों नेताओं ने बैटरी, ग्रीन हाइड्रोजन, न्यूक्लियर एनर्जी, निवेश, रक्षा, स्टार्टअप, रिसर्च और इंडो-पैसिफिक सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति जताई। मोदी ने कहा कि अगले साल भारत और जापान के राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होंगे, जिसे दोनों देश विशेष रूप से मनाएंगे।

ऑटो सेक्टर जैसी साझेदारी अब एविएशन में भी होगी

मोदी ने कहा कि भारत और जापान ऑटोमोबाइल सेक्टर की सफलता को अब जहाज निर्माण, एविएशन और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में भी दोहराएंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देश टैलेंट मोबिलिटी, स्किल डेवलपमेंट, टेक्निकल इंटर्नशिप, रिसर्च, शिक्षा और स्टार्टअप में सहयोग बढ़ाएंगे। मोदी ने बताया कि अगले साल भारत और जापान के राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होंगे। इस मौके पर संस्कृति, पर्यटन और क्रिएटिव इकोनॉमी में भी साझेदारी मजबूत की जाएगी।

ताकाइची बोलीं- मोदी मेरे बड़े भाई जैसे

ताकाइची ने संयुक्त प्रेस बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें अपनी 'सुंदर छोटी बहन' कहा। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने आपसी रिश्ते को भाई-बहन की तरह आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। उन्होंने कहा कि जापान की फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक (FOIP) नीति और भारत की महासागर (MAHASAGAR) पहल एक-दूसरे की पूरक हैं। इसी वजह से दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ाने को प्राथमिकता देने का फैसला किया है, ताकि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे।

मोदी बोले- भारत-जापान भरोसे के मजबूत साझेदार

मोदी ने कहा कि आज के वैश्विक अस्थिर माहौल में आपसी भरोसा सबसे बड़ी रणनीतिक ताकत है और भारत-जापान की साझेदारी इस कसौटी पर पूरी तरह खरी उतरती है। उन्होंने कहा कि ऑटोमोबाइल से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक कई क्षेत्रों में जापान ने भारत की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दोनों देशों के बीच दोस्ती और भरोसे का मजबूत रिश्ता बना है।

ग्रीन हाइड्रोजन और न्यूक्लियर एनर्जी में सहयोग बढ़ाएंगे

पीएम ने कहा कि दोनों देश बैटरी, ग्रीन हाइड्रोजन और न्यूक्लियर एनर्जी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे, जिससे स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। मोदी ने कहा कि भारत और जापान आर्थिक सुरक्षा को साझा सुरक्षा और ऊर्जा परिवर्तन को साझा अवसर मानते हैं। इसी दिशा में दोनों देशों ने इंडिया-जापान नेक्स्ट-जनरेशन मोबिलिटी पार्टनरशिप फ्रेमवर्क भी लॉन्च किया है।

ट्रॉली के नीचे दबी 15 महिलाएं, 2 की मौत

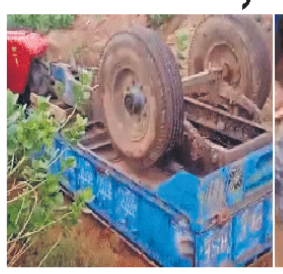

भरतपुर

ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार काम पर जा रही 15 महिलाओं के साथ हादसा हो गया। जानवर को बचाने के चक्कर में ट्रैक्टर की ट्रॉली पलट गई। 15 महिलाएं ट्रॉली के नीचे दब गई। इसमें 13 घायल हो गई जबकि 2 की मौके पर ही मौत हो गई। आरोप है कि महिलाओं ने ट्रैक्टर ड्राइवर से धीरे चलाने के लिए टोका भी कहा था। लेकिन, वह ट्रैक्टर दौड़ाता रहा। हादसे में जान गंवाने वाली महिलाओं की ट्रॉली के नीचे दबने से पसलियां टूट गईं। सभी घायलों को पहले वैर अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें आरबीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसा भरतपुर जिले के वैर थाना क्षेत्र के रायपुर गांव में गुरुवार सुबह करीब 8 बजे हुआ। हादसे में मरने वालों में खुद ट्रैक्टर ड्राइवर की पत्नी भी शामिल है।

पुलिस बोली- जानवर को बचाने में पलटी ट्रॉली

वैर थाना प्रभारी धीरेंद्र ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि महिलाएं रायपुर गांव की तरफ खेतों में कृषि कार्य के लिए जा रही थीं। रायपुर गांव के पास ट्रैक्टर के सामने अचानक एक जानवर आ गया। उसे बचाने के प्रयास में ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। मरने वाली महिलाओं में मिथलेश (45) पत्नी बीरेंद्र और धौरी (35) पत्नी दान सिंह की मौत हुई है। ट्रैक्टर दान सिंह ही चला रहा था।

दिल्ली को दहलाने की साजिश नाकाम, स्पेशल सेल ने 4 आतंकियों को दबोचा

नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आईएसआई प्रायोजित एक अंतर-राज्यीय आतंकी और हथियार नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस अभियान में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से तीन पंजाब से और एक दिल्ली से है। ये आरोपी दिल्ली में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान शुभदीप सिंह, गुरजंट सिंह, साजन सिंह और गगनप्रीत के रूप में हुई है। इन्हें आईएसआई हैंडलर शाहजाद भट्टी और उसके सहयोगियों के निर्देश पर काम करने के आरोप में पकड़ा गया है। आरोपी अपनी पहचान छिपाने के लिए विदेशी नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। ये नंबर उन्हें पाकिस्तानी हैंडलरों द्वारा उपलब्ध कराए गए थे।

स्पेशल सेल ने आरोपियों के पास से दो विदेशी पिस्तौल और नौ जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इसके अलावा, पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। एक आरोपी गगनप्रीत को दिल्ली में पुलिस प्रतिष्ठानों और धार्मिक स्थलों की रेकी करने का काम सौंपा गया था। उसे दिल्ली में गोलीबारी की घटना को अंजाम देने का भी निर्देश दिया गया था।

स्पेशल सेल को पाकिस्तान स्थित आईएसआई हैंडलर शाहजाद भट्टी द्वारा दिल्ली-एनसीआर में आतंकी घटना की योजना की विश्वसनीय जानकारी मिली थी। इनपुट से पता चला कि उन्होंने पंजाब से युवाओं की भर्ती की थी।

राममंदिर चढ़ावा चोरी- आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाने की तैयारी

चंपत राय पर एफआईआर के लिए वकीलों का प्रदर्शन, ट्रस्टी बोले- गलती गोपाल राव की

अयोध्या

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में अब ट्रस्ट के सदस्यों के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। पहली बार राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास महाराज ने पूर्व पदाधिकारी गोपाल राव पर आरोप लगाए।

उन्होंने कहा- पूरी गलती गोपाल राव की है। वे राजनीति कर रहे हैं। वो सबको उलझा देते हैं। वो राम की परंपरा नहीं मानते। गोपाल राव राम मंदिर के निर्माण प्रभारी और ट्रस्ट के आमंत्रित सदस्य थे। मूल रूप से कर्नाटक के रहने वाले हैं।

इस बीच, सुबह 11.45 बजे अयोध्या में 500 से ज्यादा वकील सड़क पर उतर आए। चंपत राय,

अनिल मिश्रा और गोपाल राव पर मुकदमे की मांग कर नारेबाजी करने लगे। सिविल लाइन पुलिस चौकी जाकर उन तीनों समेत 4 लोगों के खिलाफ शिकायत दी। अयोध्या बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्र ने बताया- पुलिस का कहना है कि एफआईआर दर्ज की जाएगी।

सूत्रों के मुताबिक, चढ़ावा चोरी के आरोपियों के खिलाफ सरकार सख्त एक्शन लेने जा रही है। प्रशासन ने आरोपियों के नए घरों पर बुलडोजर चलाने की तैयारी शुरू कर दी है। अयोध्या विकास प्राधिकरण ने ऐसे घरों की पहचान कर ली है, जिनका नक्शा पास नहीं है या जिन्होंने नियम तोड़े।

डमी अभ्यर्थी बिठाकर बनी वनपाल, एसओजी ने गिरफ्तार किया

जयपुर

राजस्थान स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने वनरक्षक भर्ती परीक्षा-2020 की साल 2022 में हुई लिखित परीक्षा में डमी अभ्यर्थी बिठाकर परीक्षा पास करने के मामले में एक महिला को गिरफ्तार कर लिया है. उसने रीट भर्ती-2021 में भी अपनी जगह डमी अभ्यर्थी को बिठाकर परीक्षा दिलवाने का प्रयास किया था. लेकिन वह पकड़ी गई थी. वनपाल भर्ती के दस्तावेज सत्यापन और पुलिस वैरिफिकेशन में उसने अपने खिलाफ दर्ज मुकदमे की जानकारी छुपाई और वनरक्षक के पद पर जॉइन कर लिया.

आरोपी महिला से पूछताछ और मामले में अग्रिम अनुसंधान जारी है.

एसओजी के एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि वनरक्षक भर्ती-2020 में डमी अभ्यर्थी बिठाकर परीक्षा पास करने के मामले में प्रमिला को गिरफ्तार किया है. उसके खिलाफ 2025 में आईपीसी और राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम के अध्युपाय) की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया.

महिला फिलहाल सिरोही जिले में जीरावल नाके पर वनपाल के पद पर तैनात थी. उन्होंने बताया कि आरोपी ने वनपाल भर्ती की लिखित परीक्षा में अपनी जगह डमी अभ्यर्थी को बिठाया था. उसका परीक्षा केंद्र 13 नवंबर, 2022 को कांकरोली (राजसमंद) के बीएन कॉलेज में आया था, जहां वह खुद परीक्षा देने नहीं पहुंची. बल्कि, डमी अभ्यर्थी को अपनी जगह परीक्षा में बिठाया.

राजस्थान में 7 दिन देरी से मानसून की एंट्री

इस बार कम बारिश होने की आशंका

अलवर में मकान ढहा, दौसा में जलजमाव

जयपुर

राजस्थान में गुरुवार को मानसून की एंट्री हो गई। प्रदेश में 7 दिन की देरी से मानसून पहुंचा है। मानसून ने 16 जिलों झालावाड़, कोटा, बूंदी, भरतपुर, बारां, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, दौसा, जयपुर, टोंक, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा और अलवर को कवर कर लिया।

मौसम विभाग ने राज्य में अगले तीन दिन बारिश होने की संभावना जताई है। वहीं, राज्य के दूसरे हिस्सों

में भी मानसून के जल्द ही पहुंचने की उम्मीद है। इस सीजन मानसून औसत से कम बरसने का पूर्वानुमान है।

मौसम विभाग ने 4 महीने (1 जून से 30 सितंबर) का मानसून सीजन माना है। राजस्थान में मानसून की एंट्री का समय 25 जून निर्धारित है, जबकि विदाई का समय 17 सितंबर है। पीक समय जुलाई और अगस्त माना जाता है। बता दें कि इस बार देश में मानसून केरलम में निर्धारित समय से 4 दिन की देरी से एंटर हुआ था।

दौसा जिले के कई इलाकों में जल जमाव होने से लोगों को परेशानी हो रही है। दो दिन से बदले मौसम के कारण लोगों को गर्मी-उमस से राहत मिली है। तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने आज भी 25 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। इधर राजस्थान-पाकिस्तान के बॉर्डर वाले जिलों में अब भी तेज गर्मी का असर है। यहां तापमान 40 डिग्री के ऊपर रिकॉर्ड हो रहा है।

देरी से आए मानसून के कारण इस बार जून के अंत तक तेज गर्मी और उमस रही है। बीते 24 घंटे में राजस्थान के अधिकतर जिलों में मौसम बदला है। जयपुर, दौसा, अलवर, चित्तौड़गढ़ सहित कई जिलों में गुरुवार सुबह से रुक-रुककर बरसात हो रही है। मौसम में ठंडक बढ़ी है। चित्तौड़गढ़ जिले के कई एरिया में इस दौरान एक से डेढ़ इंच बारिश रिकॉर्ड हुई है।

बेंगलुरु: पत्थर खदान में चट्टान गिरी, 8 की मौत

सभी मजदूर बिहार के रहने वाले, 18 लोग काम कर रहे थे

बेंगलुरु

कर्नाटक के बेंगलुरु में गुरुवार सुबह पत्थर खदान पर हुए हादसे में 8 मजदूरों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, सभी मजदूर बिहार के रहने वाले थे। घटना के दौरान 18 मजदूर का कर रहे थे।

पुलिस के मुताबिक, साउथ तालुक इलाके में मौजूद कावेरी क्रशर कंपनी की खदान में खनन चल रहा था। इसी दौरान 40 फीट ऊंचाई से चट्टान का बड़ा टुकड़ा मजदूरों पर गिरा। घटना में कई मजदूर घायल भी हुए हैं। सभी का निजी अस्पताल में इलाज जारी है। मारे गए सभी मजदूर बिहार और असम राज्यों के रहने वाले थे, जो अपनी आजीविका चलाने के लिए यहां रोज की दिहाड़ी पर पत्थर तोड़ने का काम करते थे।

एक्सकेवेटर चलाक ने बताया कि काम शुरू करने के लिए जैसे ही मैं मौके पर पहुंचे और मशीन चालू की, तभी पहाड़ी का एक हिस्सा ढह गया। मैं पक्के तौर पर नहीं कह सकता, लेकिन उस समय नीचे करीब 18 लोग काम कर रहे थे। हादसा इतना अचानक हुआ कि मजदूरों को संभलने का मौका ही नहीं मिला। मलबे में दबे 4 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया।

इस दर्दनाक हादसे पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना बेहद दुखद है। मुख्यमंत्री ने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

मुखर्जी नगर-कोलार को मिली बड़ी सौगात, सतगढ़ी में बनेगा स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क

6 जुलाई को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे भूमि पूजन,*20 से 25 हजार रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद

भोपाल। राजधानी के कोलार क्षेत्र स्थित मुखर्जी नगर के सतगढ़ी में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क विकसित किया जाएगा। भारत के प्रथम उद्योग मंत्री एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर 6 जुलाई को सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री इस महत्वाकांक्षी परियोजना का भूमि पूजन करेंगे। इस संबंध में विधायक ने भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक में आयोजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए इसे भव्य बनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क में गारमेंट उद्योग, आईटी कंपनियों के साथ देश का सबसे बड़ा आधुनिक कन्वेंशन सेंटर भी विकसित किया जाएगा।

विधायक शर्मा ने कहा कि इस परियोजना के शुरू होने से लगभग 20 से 25 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। इससे कोलार ही नहीं, बल्कि पूरे भोपाल के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में सिक्स लेन और फोर लेन सड़कों सहित आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से कोलार का सुनियोजित विकास हुआ है। अब स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क की स्थापना से क्षेत्र निवेश, उद्योग और रोजगार का नया केंद्र बनेगा। विधायक ने कहा कि ÷मुखर्जी नगर में अब विकास के साथ रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे।÷

गरियाबंद पुलिस द्वारा तीन नए कानून संहिताओं के सफल क्रियान्वयन के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

कार्यशाला के दौरान न्यायिक अधिकारियों ने पुलिस कर्मियों को नए कानूनों की बारीकियों और उनके प्रभावी निष्पादन के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन दिया।

विवरण- दिनांक 01 जुलाई 2026 को गरियाबंद पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के अध्यक्षता में तीन नवीन कानून के 02 वर्ष पूर्ण होने एवं उनके सफल क्रियान्वयन पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभा कक्ष में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित माननीय न्यायालय के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश गंगा पटेल तथा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट खुशबू जैन एवं एडीपीओ शीतल दुबे, एडीपीओ विकाश टोप्पो, एडीपीओ प्रवीण बेलोदिया द्वारा नए कानूनों के सफल क्रियान्वयन पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में अति0 पुलिस अधीक्षक करण कुमार उके, डीएसपी लितेश सिंह, एसडीओपी गरियाबंद निशा सिन्हा, एसडीओपी मैनपुर ओम प्रकाश कुजूर, डीएसपी गरिमा दादर, डीएसपी गोपाल वैश्य के साथ समस्त थाना प्रभारी एवं विवेचक उपस्थित रहे।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य-

नए कानूनों के व्यावहारिक क्रियान्वयन की समीक्षा करना।

न्यायपालिका और पुलिस के बीच बेहतर तालमेल बनाना।

विवेचकों को जांच प्रक्रिया में आ रही तकनीकी दिक्कतों को दूर करना।

नए नियमों के तहत आम जनता को त्वरित न्याय दिलाना।

न्यायिक अधिकारियों का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन -

तकनीकी साक्ष्यों की अनिवार्यता एडीजे महोदया ने विवेचना के दौरान डिजिटल और इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों को कानून के प्रावधानों के अनुरूप सही तरीके से संकलित करने पर जोर दिया।

प्रक्रियात्मक शुद्धता सीजेएम मैम ने नए संहिताओं के तहत एफआईआर दर्ज करने, गवाहों के बयान और जब्ती की कार्यवाही में समय-सीमा का क?ाई से मानवाधिकारों का संरक्षणरू न्यायिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नए कानून का मूल उद्देश्य सजा के साथ-साथ पीं?त को त्वरित न्याय और सुरक्षा प्रदान करना है।

त्रुटिहीन विवेचना पुलिस अधिकारियों को केस डायरी और चार्जशीट तैयार करते समय कानूनी धाराओं के सही उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण टिप्स दिए गए।

गरियाबंद पुलिस की प्रतिबद्धता- कार्यशाला के अंत में पुलिस अधीक्षक गरियाबंद ने न्यायिक अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने जिले के सभी थाना प्रभारियों और विवेचकों को नए कानून संहिताओं का अक्षरशः पालन करने तथा पुलिस व्यवस्था को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और जन-हितैषी बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर जिले के राजपत्रित पुलिस अधिकारी, सभी थाना प्रभारी और जांच अधिकारी उपस्थित रहे।

पाँच हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार, देहात पुलिस को मिली सफलता*

भिंड //थाना देहात पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है पुलिस ने पाँच हजार रुपये के फरार इनामी बदमाश को ग्राम चरथर मोड़ से घेराबंदी कर गिरफ्तार करने में सफलता हाशिल की है ।

पक? गए बदमाशो पर यह आरोप बताए गए है ।दरअसल मामला 22 अगस्त 2024 का ग्राम कचोंगरा में क्वारी नदी के घाट पर होमगार्ड के दो जवानों के डूबने के बाद उनकी बॉडी को खोजने का रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा था। इसी ऑपरेशन के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिस प्रसासन पर दबाब बनाने एवं पुलिस के जवानों के साथ झूमा झटकी की गई थी जिस पर से पुलिस ने सरकारी कार्य में बाधा डालने का एवं पुलिस के साथ गाली-गलौज और मारपीट का वीडियो शोशल मीडिया पर चलने के द्वारान फुटेज का मिलान किया गया घटना सही पाए जाने पर तथ्यों के आधार पर पुलिस ने सात नामजद और 8 अज्ञात लोगों पर धारा 132, 296, 190, 191(2), 115(2) BNS के तहत थाना देहात में अपराध क्र. 478/24 दर्ज किया था तभी से

आरोपी फरार थे घटना के बाद से ही मुख्य आरोपी फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए ठिकाने बदल रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा ने आरोपी पर 5,000 रुपये का इनाम घोषित किया था।

ऐसे हुई गिरफ्तारी -ASP प्रदीप पटेल और CSP निरंजन सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शिवप्रताप सिंह राजावत ने टीम गठित की। आज मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने चरथर मोड़ पर घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया।

टीम में ये रहे शामिल -इस कार्रवाई में उनि अजय यादव, प्रआर गुरुदास सोही, आर कमल तोमर, सुमित शर्मा, अजीत सिकरवार, भूपेन्द्र तोमर, फिरोज खान, अवधेश चौहान और दीपक जादौन की अहम भूमिका रही।

पुलिस अधीक्षक, ललितपुर के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति/एण्टी रोमियो टीमों द्वारा चलाया गया मिशन शक्ति अभियान।

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु संचालित मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत श्रीमान् पुलिस अधीक्षक, ललितपुर श्री मो0 मुश्ताक के निर्देशन में आज दिनांक 02.07.2026 को जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति/एण्टी रोमियो टीमों द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान बस स्टैण्डों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं, छात्राओं एवं बालिकाओं को पम्पलेट वितरित कर जागरूक किया गया। साथ ही उन्हें सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं हेल्पलाइन नम्बरों जैसे डायल-112, महिला हेल्पलाइन-181, वूमेन पावर लाइन-1090, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, सीएम हेल्पलाइन-1076, वन स्टॉप सेंटर-181, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108 तथा साइबर हेल्पलाइन-1930 आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

इसके अतिरिक्त महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों, साइबर अपराधों से बचाव तथा किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में उपलब्ध हेल्पलाइन सेवाओं का तत्काल उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया।

शियाचिन ग्लेशियर शहीद शौर्य चक्र की जन्म जयन्ती पर दीपांजलि अर्पित कर, बलिदान को किया नमन।

अम्बाह। दिनांक 2 जुलाई 2026 गुरुवार को अमर शहीद हवलदार विवेक सिंह तोमर ÷शौर्य चक्र÷ की जन्म जयंती पर अमर शहीद सम्मान सेवा संघ के सेवकों के द्वारा दीपांजलि कर , शहादत को याद करते हुए शहीद स्मारक रुअर पर नमन किया गया । जिसमें शियाचिन ग्लेशियर शहीद शौर्य चक्र सम्मानित रुअर के लाल को उनके स्मारक पर दीप प्रज्वलित कर दीपांजलि अर्पित की गई इस मौके पर अमर शहीद सम्मान सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष-धर्मेंद्र सिंह तोमर , प्रदेश सचिव- विनेन्द्र सिंह तोमर , प्रदेश मीडिया प्रभारी - पत्रकार भीमसेन तोमर , अध्यक्ष - मनोज सिंह तोमर (अम्बाह) एवं सभी सेवक उपस्थित रहे। साथ ही क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष - राजेश सिंह तोमर , पार्षद - विक्रम सिंह तोमर , करणी सेना प्रदेश उपाध्यक्ष - विनय सिंह तोमर , अरुण सिंह तोमर (अमर शहीद पं. रामप्रसाद बिस्मिल परिवार) एवं रुअर ग्रामवासी और नन्हे - मुन्ने बच्चे उपस्थित रहे। दीपांजलि से पूर्व शहीद प्रतिमा को स्नान करा कर माल्यार्पण कर ,कुमकुम का टीका लगाया गया एवं धूप दीप प्रज्वलित कर मां भारती की आरती गायन के साथ दीपांजलि अर्पित की गई । इस मौके वंदेमातरम, वीर शहीदों का बलिदान याद रखेगा हिंदुस्तान , भारत माता की जय घोषो के साथ में संपूर्ण वातावरण देशभक्ति महौल से परिपूर्ण रहा

हम आपको बता दें कि- अमर शहीद हवलदार विवेक सिंह तोमर को शियाचिन ग्लेशियर में 11 जनवरी 2023 को अपने साथियों की जान बचाने एवं राष्ट्र संपदा की रक्षा करने के दौरान वीरगति प्राप्त हुई थी । जिसके लिए भारत सरकार ने उन्हें 15 अगस्त 2023 को मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित करने की घोषणा की और 4 जुलाई 2024 को शहीद की पत्नी वीरांगना रेखा को राष्ट्रपति महोदया के द्वारा शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया

दीपांजलि पर युवाओं और बच्चों को वीर गाथा सुनाते हुए हवलदार धर्मेंद्र सिंह तोमर (सेवानिवृत्त) ने कहा कि बलिदानी हमारे राष्ट्र की धरोहर होते हैं उनके बलिदान से हमें है राष्ट्र सेवा करने की प्रेरणा मिलती और राष्ट्र के हित में सर्वोच्च न्यौछावर करने की सीख मिलती है। इसलिए बलिदानियों का बलिदान दिवस एवं उनकी जयंती और राष्ट्रीय पर्वों पर उन्हें सम्मान देना ,पुष्पांजलि अर्पित करना और दीपांजलि अर्पित करना समस्त नागरिकों का नैतिक दायित्व,कर्तव्य बनता है।

पर्यावरण संतुलन के लिए एक वृक्ष मां के नाम लगाकर करें बच्चों की तरह पालन पोषण-जवाहरलाल राजपूत

गुरसरांय में ऐतिहासिक वन महोत्सव सप्ताह का हुआ शुभारम्भ

गुरसरांय(झांसी)- 1 जुलाई से 7 जुलाई तक वृक्षारोपण महाअभियान के तहत गुरसरांय वन रेंज परिसर में गरौठा विधायक जवाहरलाल राजपूत के मुख्य आतिथ्य व एसडीओ वन विभाग संतोष कुमार के संचालन व वन क्षेत्राधिकारी गुरसरांय राधेश्याम दिवाकर के संयोजन में भव्य वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि विधायक गरौठा जवाहर लाल राजपूत ने कहा कि पर्यावरण का बेहतर संतुलन और पर्यावरण से लेकर जल संरक्षण के लिए पर्यावरण संरक्षित रखने के लिए वृक्षारोपण बहुत ही जरूरी है इससे ही मानव से लेकर जीव-जंतु पशु-पक्षी सब सुरक्षित और संरक्षित रहते हैं इसलिए उत्तर प्रदेश शासन की विशेष पहल एक वृक्ष मां के नाम महाअभियान को एक जन आंदोलन के रूप में लोगों को लोगों को अपनाना होगा और वृक्षारोपण कर वृक्षों पौधों को अपने बच्चों के समान पालन पोषण करने को आगे आना होगा। इस दौरान उन्होंने गुरसरांय वन रेंज परिसर को संरक्षित से लेकर और बेहतरीन लुक देने के लिए किये जा रहे प्रयासों के बारे में भी ए टू जेड जानकारी साझा कर बताया कि प्रदेश स्तर से लेकर वन विभाग के अधिकारियों से गुरसरांय रेंज परिसर में फॉरेस्ट पर्यटन के रूप में विकसित कर गुरसरांय नगर की जनता के साथ क्षेत्र की जनता को बेहतरीन वन पर्यावरण रेंज का आकर्षण केंद्र बनाया जावेगा। इस दौरान वन क्षेत्राधिकारी गुरसरांय राधेश्याम दिवाकर ने मुख्य अतिथि जवाहरलाल राजपूत को एक वृक्ष चंदन का लगाने के लिए भी भेंट किया। वही एसडीओ मऊरानीपुर संतोष कुमार ने कहा इस बार चंदन की पौध विकसित कर इसके पौधारोपण और वृक्षारोपण के लिए जो प्रयास किए गए हैं उसमें गुरसरांय और मऊ रेंज का बेहतर काम रहा है। इस दौरान कार्यक्रम में नगर व ग्रामीण क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थित के बीच वृक्षारोपण होते ही इंद्र भगवान ने 1 घंटे प्रसन्न होकर जल वर्षा कर जल वर्षा कर लग रहा था वृक्ष लगाने के लिए इंद्र भगवान भी पानी पौधों में सींच कर प्रकृति को बचाने का विशेष काम कर रहे हैं। इस दौरान देवेन्द्र सिंह,उप क्षेत्रीय वनाधिकारी,नरेश कुमार उप क्षेत्रीय वनाधिकारी,भागीरथ कुशवाहा उप क्षेत्रीय वनाधिकारी,प्रसान्त सागर वन दरोगा,आकाश वन रक्षक,विजय मोहन सिंह,धर्मेन्द्र कुमार सेन,दीपेन्द्र सिंह,रोहित राजपूत सहित गणमान्य नागरिकों में मनोज कुमार शिवहरे,शैलेंद्र शर्मा सिर्वो,अशोक पटेरिया,अनिल तिवारी,श्याम सुन्दर ि व श्व क म ा ि , व ी र े न्द , हरदास,रामकुमार,हरगोविन्द्र,उस्मान,राकेश,आदित्य,जितेंद्र कुशवाहा,विक्की ठाकुर अस्ता सहित बड़ी संख्या में नगर व क्षेत्र के लोग मौजूद थे। अंत में सभी का आभार व्यक्त वन क्षेत्राधिकारी गुरसरांय राधेश्याम दिवाकर ने किया।

परमपूज्य मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने दी ऐलक दीक्षा -

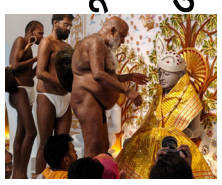

गुना-- जिले के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र पुण्योदय तीर्थ बजरंगगढ़ चल रहें पंच मुखी पंच कल्याणक महोत्सव के दौरान आज दीक्षा कल्याणक पर आचार्यश्री विद्यासागर जी का स्मरण कर निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने दी क्षुल्लक श्री सुधीरसागर जी महाराज को ऐलक दीक्षा भक्तों की जय जय कार के बीच प्रदान की गई इसके पहले प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भ इया के मंत्रोच्चार के बीच भगवान को पूरे विधि-विधान के साथ दीक्षा संस्कार किये गये

तीसरी बार हुए मुनि पुगंव के कर कमलों से जैनेश्वरी दीक्षा

इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि गत वर्ष तीर्थ चक्रवर्ती मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने सबसे पहले 23नम्वर को दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी एक साथ चौदह ऐलक दीक्षाये प्रदान की इसके बाद अभी पंच कल्याणक महोत्सव के प्रथम चरण में ऐलक सुमंगलसागर जी महाराज एवं क्षुल्लक श्री शुभम् सागर जी महाराज को दीक्षा प्रदान की थी एक वर्ष से भी कम समय में ये तीसरा मौका है कि जब परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज द्वारा दीक्षा दी गई है ज्ञातव्य है कि गुना पंच कल्याणक के पहले से ही दीक्षा के कायश लगायें जा रहे थे ??।।**इस काल में दुःख नहीं हो तो भी दुःख आने का डर लगा रहता है**-धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रसंत मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि दुखमा काल चल रहा है

इंडियन सोसायटी ऑफ हाइपरटेंशन (यूपी चैप्टर) की प्रथम कॉन्फ्रेंस में युवा वयस्कों में बढ़ते उच्च रक्तचाप पर विशेषज्ञों ने जताई चिंता

लखनऊ । सुल्तानपुर ऑटोनॉमस स्टेट मेडिकल कॉलेज, सुल्तानपुर में इंडियन सोसायटी ऑफ हाइपरटेंशन उत्तर प्रदेश चैप्टर द्वारा प्रथम वार्षिक कॉन्फ्रेंस हाइपरटेंशन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों, शिक्षण संस्थानों एवं अस्पतालों से आए वरिष्ठ चिकित्सकों, हृदय रोग विशेषज्ञों, फिजिशियन, मेडिकल शिक्षकों, रेजिडेंट डॉक्टरों एवं मेडिकल विद्यार्थियों ने भाग लिया। सम्मेलन की आयोजन समिति में डॉ. बी. एस. नारायण चेयरमैन डॉ. अनुज माहेश्वरी सेक्रेटरी जनरल डॉ. नरसिंह वर्मा साइंटिफिक चेयरमैन डॉ. साजिद अंसारी सेक्रेटरी तथा डॉ. राजू श्रीवास्तव ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन समिति ने सम्मेलन का उद्देश्य चिकित्सकों को उच्च रक्तचाप के नवीनतम वैज्ञानिक शोध, आधुनिक उपचार पद्धतियों एवं रोकथाम की रणनीतियों से अवगत कराना बताया। सम्मेलन के वैज्ञानिक सत्र में डॉ. सतीश कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ ने विषय पर प्रभावशाली एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उनका व्याख्यान सम्मेलन का प्रमुख आकर्षण रहा, जिसे उपस्थित चिकित्सकों एवं विद्यार्थियों ने अत्यंत सराहा।

डॉ. सतीश कुमार ने कहा कि आज उच्च रक्तचाप केवल वृद्धावस्था का रोग नहीं रह गया है, बल्कि तेजी से युवा वर्ग को अपनी चपेट में ले रहा है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि अधिकांश युवाओं को यह पता ही नहीं होता कि वे उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं, क्योंकि प्रारंभिक अवस्था में इसके स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। इसी कारण इसे साइलेंट एपिडेमिक अर्थात मूक महामारी कहा जा रहा है। उन्होंने बताया कि बदलती जीवनशैली युवा पीढ़ी में उच्च रक्तचाप का सबसे बड़ा कारण बनकर उभरी है। फास्ट फूड एवं अत्यधिक नमक का सेवन, मोटापा, नियमित व्यायाम का अभाव, लंबे समय तक मोबाइल एवं कंप्यूटर का उपयोग, अपर्याप्त नींद, धूम्रपान, शराब का सेवन, मानसिक तनाव, प्रतिस्पर्धात्मक जीवनशैली तथा अनियमित दिनचर्या रक्तचाप बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यदि इन कारकों पर समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में युवाओं में हृदय रोग, स्ट्रोक, किडनी रोग एवं समय से पहले मृत्यु के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। अपने व्याख्यान में डॉ. सतीश कुमार ने जेनेटिक्स की भूमिका पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जिन परिवारों में माता-पिता या निकट संबंधियों को उच्च रक्तचाप, मधुमेह अथवा हृदय रोग रहा है, उनके बच्चों में भी भविष्य में उच्च रक्तचाप होने का जोखिम सामान्य लोगों की अपेक्षा अधिक होता है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि आनुवंशिक प्रवृत्ति होने का अर्थ यह नहीं है कि रोग निश्चित रूप से होगा। यदि व्यक्ति स्वस्थ जीवनशैली अपनाए, नियमित व्यायाम करे, संतुलित भोजन ले, वजन नियंत्रित रखे तथा समय-समय पर रक्तचाप की जांच कराए, तो इस जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता केवल उपचार की नहीं, बल्कि रोकथाम की है। प्रत्येक युवा को 18 वर्ष की आयु के बाद समय-समय पर अपना रक्तचाप अवश्य जांचना चाहिए। यदि परिवार में उच्च रक्तचाप का इतिहास हो या व्यक्ति मोटापे, मधुमेह अथवा अन्य जोखिम कारकों से ग्रस्त हो, तो नियमित स्वास्थ्य जांच और भीआवश्यक हो जाती है। डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि उच्च रक्तचाप की रोकथाम के लिए प्रतिदिन कम से कम 30ङ्क45 मिनट व्यायाम, संतुलित एवं कम नमक वाला आहार, ताजे फल एवं हरी सब्जियों का अधिक सेवन, धूम्रपान एवं शराब से दूरी, पर्याप्त नींद तथा योग, ध्यान एवं तनाव प्रबंधन जैसी आदतों को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने चिकित्सकों से भी आह्वान किया कि वे केवल दवाइयों तक सीमित न रहें, बल्कि प्रत्येक रोगी को जीवनशैली सुधारने के लिए प्रेरित करें। व्याख्यान के दौरान उन्होंने नवीन शोधों, भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय दिशानिर्देशों तथा समय पर पहचान एवं उपचार की रणनीतियों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि यदि युवाओं में उच्च रक्तचाप की शीघ्र पहचान कर उचित जीवनशैली परिवर्तन और आवश्यकता पड़ने पर समय पर उपचार शुरू किया जाए, तो भविष्य में हृदयाघात, स्ट्रोक, किडनी फेल्योर तथा अन्य गंभीर जटिलताओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। सम्मेलन में उपस्थित विशेषज्ञों ने भी युवा वर्ग में बढ़ते उच्च रक्तचाप को सार्वजनिक स्वास्थ्य की गंभीर चुनौती बताते हुए जन-जागरूकता अभियान चलाने, नियमित स्क्रीनिंग कार्यक्रम आयोजित करने तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने पर बल दिया।

झांसी पुलिस प्रशासन की नजरो के सामने चल रहा है किन्नरो का लूटने का करोवार

राहगीरो को लालच देकर ठगी का करते है करोवार

किन्नरो के द्वारा चलते हुये राहगीरो के साथ आये दिन सोची समझी साजिश के तहत अमानवीय व्यावहार के साथ ब्लैकमेलिंग एवं आसामाजिक कृत्य को अंजाम दिया जाता है

झांसी शाहर की हृदय स्थली कहे जाने वाले ईलाइट चौराहा पर किन्नरो एवं आसामाजिक तत्वो द्वारा सी0सी0टीवी कैमरो की जद में पुलिस प्रशासन की आँखो में धूल झोककर माशूम राहगीरो तथा शहर की भोली-भाली जनता को किन्नरो आसामाजिक तत्वो द्वारा आये दिन फसाकर तथा कथित लोग जो उन्हीं के गिरो के सदस्य होते है वही लोग किसी आम जन मानस की विडियो ग्राफी करके उनको ब्लैकमेल करते है जब आसामाजिक तत्वों द्वारा मांगी गयी ब्लैकमेलिंग की रकम न देने पर माशूम एवं बाहर से आये हुए व्यक्तियो को यह कहकर धमकाते है कि तूने जो मेरे साथ छेड़-छाड की है उसका विडियो वायरल करके तुझे वदनाम कर देगे।

इसी प्रकार के कुछ प्रकरण झांसी पुलिस के सामने आने के वावजूद न ही इन आसामाजिक तत्वो एवं किन्नरो पर झांसी पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही न हो रही है जो कि प्रदेश के मुख्यमंत्री की मंशा एवं अनुशासन के विरूद्ध है

ग्रो सेफ फूड अभियान के तहत जागरूकता एवं प्रशिक्षण

सिद्धि सरकार ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसी । कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के ग्रो सेफ फूड अभियान के अंतर्गत आज उप कृषि कार्यालय, झांसी में किसानों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों के लिए एक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता झांसी के संयुक्त कृषि निदेशक द्विवेदी ने की। इस अवसर पर पीपीओ कुलदीप मिश्रा तथा पीआई इंडस्ट्रीज़ की टेरिटरी मैनेजर रुपांशी रस्तोगी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ रुपांशी रस्तोगी द्वारा सुरक्षित कीटनाशक उपयोग एवं सुरक्षित खाद्य उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण से हुआ। उन्होंने किसानों को कीटनाशकों के सुरक्षित एवं वैज्ञानिक उपयोग, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण के महत्व, अनुशंसित मात्रा एवं सही समय पर छिड़काव तथा अवशेष-मुक्त कृषि उत्पादों के उत्पादन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।इसके पश्चात पीआई इंडस्ट्रीज़ के फसल सुरक्षा उत्पादों एवं उनके वैज्ञानिक उपयोग पर चर्चा की गई। साथ ही गुड एग्रीकल्चरल प्रैक्टिसेज के अंतर्गत संतुलित पोषण प्रबंधन, समेकित कीट एवं रोग प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने पर विशेष बल दिया गया।अपने संबोधन में संयुक्त कृषि निदेशक द्विवेदी ने किसानों से सुरक्षित एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने का आह्वान किया। वहीं कुलदीप मिश्रा ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती से जोड़ने में कृषि विभाग एवं निजी क्षेत्र के समन्वित प्रयासों की सराहना की।

सीएमओ द्वारा विकासखंड चिरगांव की चिकित्सा इकाइयों का किया निरीक्षण - सीएमओ

अनुपस्थित स्टाफ नर्स एवं लैब सहायक का मांगा गया स्पष्टीकरण

सिद्धि सरकार ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसी जिले में स्वास्थ्य इकाइयों द्वारा प्रदान की जा रही चिकित्सीय सेवाओं के निरीक्षण के क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी झांसी डॉ शिशिर पुरी द्वारा विकासखंड बड़ागांव के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर पारीछा, पल्स पोलियो टीम नंबर 12 एवं 14 पारीछा, विकासखंड चिरगांव के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिरगांव का निरीक्षण किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी सबसे पहले आयुष्मान आरोग्य मंदिर पारीछा पहुंचे एवं उपस्थित सीएचओ श्री अंकुर दीमान के द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई। इसके बाद पारीछा उपकेंद्र क्षेत्र के अंतर्गत पल्स पोलियो अभियान की टीम नंबर 12 एवं 14 का निरीक्षण किया गया। टीम द्वारा घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जा रही थी। निरीक्षण के

समय तक 83 बच्चों को टीम ने दवा पिला दी थी। इसके बाद चिरगांव ब्लॉक के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरी का निरीक्षण किया। सेमरी में चिकित्सा अधिकारी डॉ सुमन सहित अन्य स्टाफ उपस्थित था, परंतु स्टाफ नर्स एवं लैब सहायक अनुपस्थित पाए गए, जिनका स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए गए। तत्पश्चात सीएमओ द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिरगांव का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय डॉ रविंद्र सिंह सहित स्टाफ उपस्थित मिला। चिकित्सालय में साफ सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई परंतु परिसर में सामान्य कचरा हेतु डस्टबिन नहीं है। नगर पालिका चिरगांव से संपर्क कर चिकित्सालय में सामान्य कचरा निस्तारण के डस्टबिन रखे जाने के निर्देश दिए गए।

सीएमओ द्वारा किए गए निरीक्षण के समय सीएमओ कार्यालय से अपार शोध अधिकारी आर एम मौर्या, चिकित्सा अधीक्षक चिरगांव डॉ रविंद्र सिंह, डॉ रामानंद, डॉ राजेश सिंह, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी नवल किशोर, फार्मासिस्ट जयप्रकाश आदि उपस्थित रहे।

संघर्ष सेवा समिति कार्यालय पर सादगीपूर्ण मनाया गया अनूप करोसिया का जन्मदिवस

सिद्धि सरकार ब्यूरो अंसार हुसैन

झाँसी। संघर्ष सेवा समिति कार्यालय में सामाजिक सौहार्द, आत्मीयता और उत्साह के वातावरण के बीच अनूप करोसिया का जन्मदिन हर्षोल्लास एवं गरिमामय ढंग से मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने उन्हें माल्यार्पण कर शुभकामनाएं दीं तथा भगवा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम की विशेष गरिमा उस समय और बढ़ गई जब संघर्ष सेवा समिति के संस्थापक डॉ. संदीप सरावगी ने अनूप करोसिया को तिलक लगाकर एवं माल्यार्पण कर उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि जन्मदिन केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन, नए संकल्पों और समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझने का भी महत्वपूर्ण क्षण होता है।

इस अवसर पर उपस्थित जनों ने अनूप करोसिया के सामाजिक व्यवहार, सरल व्यक्तित्व एवं सेवाभावी सोच की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूरे कार्यक्रम के दौरान आत्मीय संवाद, शुभकामनाओं और सौहार्द का सुंदर वातावरण बना रहा।

इस अवसर पर राज बहादुर, रहीश परिहार, शुभम कुमार, मुकेश कुमार, रिशु, ए.पी. पाण्डेय, संत प्रकाश वर्मा, विजय चौधरी, बॉबी नगरा, सत्यम सिंह, हिमांशु हरवंशी, सागर, सौरभ, राघवेन्द्र, रवि, राजा, श्रीकांत, जवाहर सिंह राजपूत, संत राम पेंटर, अनुराग अहिरवार, सुशांत गुप्ता, संदीप नामदेव, अनुज प्रताप सिंह, राजू सेन, राकेश अहिरवार, मुन्ना मास्टर, कमल मेहता, बसंत गुप्ता एवं मोहित लाक्षाकार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन आपसी सौहार्द, शुभेच्छाओं और समाजसेवा के संकल्प के साथ हुआ।

-अंतर्राज्यीय बॉर्डर मीटिंग BORDER MEETING आयोजित

मादक पदार्थों की तस्करी रोकने हेतु संयुक्त रणनीति पर हुई विस्तृत चर्चा

सिद्धि सरकार ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसी 7 केंद्रीय गृहमंत्री, भारत सरकार द्वारा 9वीं HIGH LEVEL COMMITTEE (NCORD) की बैठक दिनांक 09.01.2026 में दिए गए निर्देशों के क्रम में तथा पुलिस मुख्यालय भोपाल (मध्य प्रदेश) द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में सीमावर्ती राज्यों के मध्य मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम एवं प्रभावी अंतर्राज्यीय समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से आज दिनांक 03.07.2026 को ओरछा, जिला निवाड़ी (मध्य प्रदेश) में अंतर्राज्यीय बॉर्डर मीटिंग (Border Meeting) का आयोजन किया गया।

बैठक का आयोजन पुलिस उप महानिरीक्षक, छतरपुर रेंज, छतरपुर विजय कुमार खत्री के निर्देशन में किया गया, जिसमें सागर जोन (मध्य प्रदेश) एवं उत्तर प्रदेश के झाँसी तथा ललितपुर जनपदों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने सहभागिता की।

बैठक में निम्नलिखित अधिकारी उपस्थित रहे–

1. आकाश कुलहरि, पुलिस महानिरीक्षक, झाँसी परिक्षेत्र, झाँसी
2.मिथिलेश कुमार शुक्ला, पुलिस महानिरीक्षक, सागर जोन
3. विजय कुमार खत्री, पुलिस उपमहानिरीक्षक, छतरपुर रेंज
4. शशीन्द्र चौहान, पुलिस उपमहानिरीक्षक, सागर रेंज
5. बी.बी.जी.टी.एस. मूर्ति, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, झाँसी
6. मो0 मुस्ताक, पुलिस अधीक्षक, ललितपुर
7.डॉ. राय सिंह नरवरिया, पुलिस अधीक्षक, निवाड़ी
8. अनुराग सुजानिया, पुलिस अधीक्षक, सागर
9.रजत सकलेचा, पुलिस अधीक्षक, छतरपुर

10 मनोहर सिंह मंडलोई, पुलिस अधीक्षक, टीकमगढ़
11. निवेदिता नायडू, पुलिस अधीक्षक, पन्ना
12. आनंद कलादगी, पुलिस अधीक्षक, दमोह

बैठक के दौरान नारकोटिक ड्रग्स एवं साइकोट्रॉपिक पदार्थों (NDPS) की अंतर्राज्यीय एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में तस्करी की रोकथाम, क्रॉस बॉर्डर नेटवर्क, ड्रग पैडलर्स (Drug Peddlers), पूर्व में गिरफ्तार एवं फरार अभियुक्तों की जानकारी का आदान-प्रदान, मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त गिरोहों पर संयुक्त एवं समन्वित कार्रवाई, खुफिया सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान तथा सीमावर्ती जनपदों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्यवाही किए जाने पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जनपद आपसी समन्वय स्थापित करते हुए मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध परिवहन एवं कारोबार में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध निरंतर प्रभावी कार्रवाई करेंगे तथा सूचना साझा कर संयुक्त अभियान संचालित किए जाएंगे, जिससे आगामी वर्षों में नशामुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में प्रभावी योगदान सुनिश्चित किया जा सके।

नगर निगम द्वारा सड़क मरम्मत, पाइप लाइन लीकेज, घरों में गंदा पानी आने की समस्याओं का निराकरण के दिए निर्देश

सिद्धि सरकार ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसअपर नगर आयुक्त की अध्यक्षता में जल निगम एवं सी0यू0जी0एल0 द्वारा पाइप लाइन डाले जाने हेतु खोदी गई स?कों की मरम्मत के सम्बन्ध में जनप्रतिनिधयों/पार्षदों से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण कराये जाने हेतु दो समय पर पंचम व छठवां चरण में (20 वार्ड-04,11,14,20,33,45,47,48,52,53,36,40,43,44,46,49,51,16,57,55) की बैठक आहूत की गई।

अपर नगर आयुक्त द्वारा उपस्थित पार्षदों से उनके क्षेत्र में जल निगम/सी0यू0जी0एल0 द्वारा खोदी गई स?कों की मरम्मत एवं अन्य समस्याओं के सम्बन्ध में जानकारी चाही गई, जिसके क्रम में पार्षदों अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया गया।

अपर नगर आयुक्त द्वारा निर्देश दिये गये जल निगम एवं जल संस्थान के अवर अभियन्ता पार्षद द्वारा बतायी गई समस्याओं मे स?क मरम्मत, पाइप लाइन लीकेज, घरों में गन्दे पानी आने आदि समस्याओं का तत्काल निराकरण कराया जाये। क्षेत्रों में नई पाइप लाइन डाले जाने एवं कनैक्शन इत्यादि शेष कार्य निर्धारित अवधि में पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये गये।

बैठक में यह भी संज्ञान में लाया गया कि नगर के नागरिकों द्वारा पाइप लाइन कनैक्शन हेतु नगर निगम से रोड कटिंग की बिना अनुमति लिये स?क खोद दी जाती है और उसकी मरम्मत नही करायी जाती है, जिससे अन्य नागरिकों को आवागमन में परेशानी होती है। इस सम्बन्ध में नगर के सम्मानित नागरिको से अपील की गई है कि जल संयोजन हेतु बिना नगर निगम की एन0ओ0सी0 प्राप्त किये स?क को न खोदा जाये।

उक्त बैठक में नगर निगम के मुख्य अभियन्ता, महाप्रबन्धक जल संस्थान, जल निगम के अधिशासी अभियनता, सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्ता, सी0यू0जी0एल0 के प्रबन्धक व इंजीनियर्स एवं क्षेत्रीय पार्षद आदि उपस्थित रहे।

मेडिकल हब है झाँसी, मरीजों की सुरक्षा सर्वोपरि:-डीएम

ICU, NICU, OT में एंट्री एग्ज़िट अलग रखें,वहां ज्वलनशील सामग्री न रखें– डीएम

फायर सेफ्टी के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने नर्सिंग होम्स के संचालकों एवं डॉक्टरों के साथ की बैठक

सिद्धि सरकार ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसी जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट गांधी सभागार में जनपद के समस्त निजी नर्सिंग होम्स, अस्पतालों एवं क्लीनिक के संचालकों के साथ फायर सेफ्टी को लेकर बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कहा कि झाँसी आसपास के क्षेत्रों के लिए मेडिकल हब है, आने वाले मरीजों की सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में अग्निकांड की घटनाएं बढ़ जाती हैं, ऐसे में सभी चिकित्सा संस्थानों में फायर सेफ्टी मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही पर संबंधित संस्थान के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि सभी नर्सिंग होम 50 बेड से अधिक क्षमता वाले अस्पतालों में अनिवार्य रूप से फायर एनओसी लें। प्रत्येक तल पर फायर एक्सटिंग्विशर, स्मोक डिटेक्टर, फायर अलार्म एवं स्प्रिंकलर सिस्टम लगाए जाएं। आपातकालीन निकास द्वार किसी भी दशा में अवरुद्ध न हों एवं उन पर स्पष्ट संकेतक लगाए जाएं। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने मुख्य अग्निशमन अधिकारी को निर्देश दिए गए कि अभियान चलाकर सभी अस्पतालों की फायर सेफ्टी की जांच कर ली जाए। विद्युत लोड के अनुसार वायरिंग की जांच कराकर शॉर्ट सर्किट से बचाव के उपाय किए जाएं। सभी स्टाफ को फायर मॉकड्रिल का प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि बिना फायर एनओसी के कोई भी नर्सिंग होम/अस्पताल संचालित न हो इसे अवश्य सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त मरीजों की शिफ्टिंग के लिए वैकल्पिक व्यवस्था एवं एंबुलेंस मार्ग बाधा रहित रखे जाएं। बैठक से पूर्व अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व पल्लवी मिश्रा ने उपस्थित नर्सिंग होम्स के संचालक एवं चिकित्सकों से संवाद करते हुए कहा कि बेसमेंट का इस्तेमाल मरीज वार्ड के लिए न करें, केवल पार्किंग स्टोर के लिए ही किया जाए। सुरक्षा के दृष्टिगत आपातकालीन निकास द्वार कम से कम 02 होने चाहिए। रास्ता खुला रखें ताला न लगाएं ताकि अनहोनी होने पर मरीजों को सुरक्षित निकाला जा सके।

बाबू अयोध्या प्रसाद की जयंती पर किया नमन

सिद्धि सरकार ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसी-आज कांग्रेस कार्यालय मानिक चौक में में बुंदेलखण्ड के जनप्रिय नेता व समाजसेवी बाबूअयोध्या प्रसाद पूर्व विधायक की 124 वीं जयंती पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य के मुख्य आतिथ्य , डा. सुनील तिवारी के विशिष्ट आतिथ्य एवं अमीर चंद आर्य की अध्यक्षता में मनाई गई। सर्वप्रथम बाबू जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। तदोपरांत विचार गोष्ठी हुई।

जिसे संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने बाबू अयोध्या प्रसाद बुंदेलखण्ड के बुनकर(कोरी) समाज के सर्वमान्य नेता रहें। उन्होने बुनकर समाज को शिक्षित और स्वावलंबी बनाने के लिए अनुसूचित जाति मे शामिल कराकर आरक्षण का लाभ दिलाया। साथ -साथ सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जनजागरण किया। आज उन्हीं के संघर्ष से प्रेरणा लेकर संविधान की रक्षा करने का संकल्प दोहराया गया।

इस मौके पर हरिओम श्रीवास, अशोक कंसौरिया, जीतू राजा श्रीवास , उमाचरण वर्मा, दिनेश कुमार वर्मा, अनिल रिछारिया, मनोज तिवारी, संकल्प अग्रवाल, मुकेश साहू, सूरज प्रकाश राय , नीरज सेन, दयाल दास आदि मौजूद रहें। कार्यक्रम का संचालन शैलेन्द्र कुमार शीलू ने किया।

विधि छात्र-छात्राओं का समर इंटर्नशिप प्रोग्राम हुआ संपन्न

सिद्धि सरकार ब्यूरो अंसार हुसैन

झाँसी। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झाँसी श्रीमती कमलेश कच्छल के कुशल संरक्षण एवं सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ईशा त्रिपाठी के निर्देशन में जनपद न्यायालय परिसर में चल रहा विधि छात्र-छात्राओं का %समर इंटर्नशिप प्रोग्राम% सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस एक माह के ऐतिहासिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय के सभागार में एक भव्य विदाई संवाद एवं गोष्ठी-कक्ष जिला न्यायालय में प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

समापन सत्र के प्रथम चरण में सचिव ईशा त्रिपाठी तथा रेलवे मजिस्ट्रेट प्रतीक त्रिपाठी की उपस्थिति में रेलवे मजिस्ट्रेट न्यायालय की कार्यप्रणाली से संबंधित एक विशेष संवाद सत्र भी आयोजित किया गया। इस दौरान सभी बैचों के इंटर्न्स ने पिछले एक महीने के दौरान न्यायालय के विभिन्न पटलों, जिला कारागार, स्थायी लोक अदालत और लीगल ऐड डिफेंस काउंसल के साथ प्राप्त किए गए अपने व्यावहारिक अनुभवों को साझा किया। इसके उपरांत, छात्र-छात्राओं द्वारा पूछे गए जटिल कानूनी प्रश्नों, अदालती बारीकियों और प्रक्रियात्मक नियमों से जुड़े विभिन्न संशयों का माननीय सचिव ने बेहद तार्किक, सरल और प्रयोगात्मक ढंग से निवारण किया।

समारोह के मुख्य आकर्षण में, जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झांसी कमलेश कच्छल ने स्वयं अपने कर-कमलों से इंटर्नशिप प्रोग्राम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश कमलेश कच्छल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि कानून का किताबी ज्ञान केवल एक माध्यम है, असली वकालत कोर्ट रूम और समाज के पीड़ित शोषित वर्गों को न्याय दिलाने के व्यावहारिक अनुभव से सीखी जाती है।

समारोह के अंतिम चरण में पूरे एक माह के दौरान चारों बैचों के सफल संचालन, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रबंधन के लिए सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ईशा त्रिपाठी ने सभी समन्वयकों के योगदान की मुक्त कंठ से सराहना की। कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने में कल्पनाथ सिंह, नेहा , समीरा खान, निकिता गौतम, विजय अहिरवार, सपना गुप्ता, प्रीति शर्मा एवं अजय सिंह परिहार का विशेष और सराहनीय योगदान रहा।

इस वृहद समारोह को आयोजित करने में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के वरिष्ठ लिपिक आदिल जाफरी का प्रशासनिक समन्वय और प्राधिकरण की पूरी टीम का सहयोग अत्यंत सराहनीय रहा। प्रमाण पत्र पाकर सभी विधि छात्रों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने इस ऐतिहासिक प्रशिक्षण के लिए संपूर्ण न्याय विभाग का आभार प्रकट किया।

झंडा देवी मंदिर मार्ग बदहाल ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की उठाई मांग

सिद्धि सरकार ब्यूरो

बाँदा।सदर तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत मवई बुजुर्ग स्थित प्रसिद्ध झंडा देवी मंदिर को जाने वाला मुख्य मार्ग जर्जर होने से श्रद्धालुओं और ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और जलभराव के कारण आवागमन जोखिमभरा हो गया है।ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दौरान मार्ग की स्थिति और अधिक खराब हो जाती है।कीचड़ और गड्ढों के कारण मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं,स्कूली बच्चों,बुजुर्गों तथा दोपहिया वाहन चालकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।कई बार वाहन फिसलने से लोग चोटिल भी हो चुके हैं।स्थानीय लोगों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से जल्द सड़क की मरम्मत एवं निर्माण कराने की मांग की है।उनका कहना है कि झंडा देवी मंदिर क्षेत्र की प्रमुख आस्था का केंद्र है,इसलिए यहाँ तक पहुंचने वाला मार्ग सुरक्षित और सुगम होना चाहिए।ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सड़क का निर्माण नहीं कराया गया तो उन्हें आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

जनपद न्यायालय में चार कर्मचारियों को भावभीनी विदाई,सेवाओं को किया गया सम्मानित

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।जनपद न्यायालय परिसर में गुरुवार को सेवानिवृत्त हो रहे चार कर्मचारियों के सम्मान में गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया।समारोह में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी मुन्नीलाल वर्मा,अपर अभिलेखपाल केशन प्रसाद स्टेनो ग्राफर रियाजुल हक तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी निर्भान सिंह को उनके दीर्घ एवं उत्कृष्ट सेवाकाल के लिए सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई।समारोह की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश अल्पना ने की। विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) चन्द्रपाल तथा प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रवीण कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र कुमार ने किया।संचालन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारी अपनी कर्मनिष्ठा,ईमानदारी,समर्पण और सौहार्दपूर्ण व्यवहार के कारण न्यायालय परिवार के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे।उन्होंने अपने अनुभव और कार्यशैली से कनिष्ठ कर्मचारियों का मार्गदर्शन करते हुए संस्थान की गरिमा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।विशेष न्यायाधीश डॉ.विकास श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सेवाओं की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखद जीवन की शुभकामनाएं दीं।अपने अध्यक्षीय संबोधन में जिला एवं सत्र न्यायाधीश अल्पना ने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का एक नया अध्याय है।उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी कर्मचारी आगे भी परिवार और समाज के प्रति अपने दायित्वों का उसी समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे,जैसा उन्होंने अपने सेवाकाल में किया।सेवानिवृत्त मुख्य प्रशासनिक अधिकारी मुन्नीलाल वर्मा ने अपने सेवाकाल के अनुभव साझा करते हुए सहकर्मियों एवं न्यायिक अधिकारियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।उन्होंने कहा कि उन्हें अपने पूरे सेवाकाल में सभी का स्नेह और सहयोग मिलता रहा,जिसे वे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी मानते हैं।समारोह में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अंगवस्त्र,स्मृति-चिह्न एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।सिविल कोर्ट कर्मचारी संघ,स्टेनो ग्राफर संघ तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों सहित न्यायालय के न्यायिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने माल्यार्पण कर उनके स्वस्थ,सम्मानपूर्ण एवं सुखद भविष्य की कामना की।समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

पत्रकारों के लिए आयुष्मान कार्ड बनवाना होगा आसान,जल्द शुरू होगा नया ऑनलाइन पोर्टल

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।प्रदेश के सूचना निदेशक विशाल सिंह ने पत्रकारों के हित में महत्वपूर्ण पहल करते हुए बताया कि आयुष्मान कार्ड बनवाने की प्रक्रिया को और सरल बनाया जा रहा है।इसके लिए जल्द ही एक नया ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया जाएगा, जिससे पत्रकारों को आवेदन और संशोधन संबंधी सुविधाएं आसानी से मिल सकेंगी।उन्होंने बताया कि जिन पत्रकारों ने आयुष्मान कार्ड के लिए आवेदन किया है लेकिन किसी कारणवश उनका कार्ड नहीं बन सका है,वे beneficiary.nha.gov.in पोर्टल पर अपने आवेदन की स्थिति देख सकते हैं।यदि पोर्टल पर उनका नाम प्रदर्शित होता है और किसी प्रकार का संशोधन आवश्यक है,तो संबंधित जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) कार्यालय में संपर्क कर आवश्यक सुधार कराया जा सकता है।सूचना निदेशक ने बताया कि जिन पत्रकारों ने अभी तक आवेदन नहीं किया है अथवा आवेदन के बावजूद उनका कार्ड जारी नहीं हुआ है,उनकी सुविधा के लिए शीघ्र ही नया ऑनलाइन पोर्टल प्रारंभ किया जाएगा।पोर्टल शुरू होने के बाद पत्रकार अपने जनपद के जिला सूचना अधिकारी के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।उन्होंने कहा कि पोर्टल के संचालन की तिथि की सूचना सभी संबंधित जिला सूचना कार्यालयों के माध्यम से समय रहते उपलब्ध करा दी जाएगी,जिससे अधिक से अधिक पत्रकार इस सुविधा का लाभ उठा सकें।

ट्यूबवेल से मोटर स्टार्टर व पाइप चोरी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।कोतवाली नगर पुलिस ने ट्यूबवेल का ताला तोड़कर मोटर स्टार्टर,लोहे की पाइप,केबल तार सहित अन्य सामान चोरी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया है।पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास और अन्य वारदातों में संलिप्तता की भी जांच कर रही है।पुलिस के अनुसार मवई बुजुर्ग निवासी अनुरुद्ध प्रताप ने 2 जुलाई को कोतवाली नगर में तहरीर देकर बताया था कि 28 जून की रात अज्ञात चोरों ने उनके ट्यूबवेल का ताला तोड़कर मोटर स्टार्टर,लोहे की पाइप केबल तार समेत अन्य सामान चोरी कर लिया।आरोपियों ने सिंचाई के पाइप और अन्य सामान में आग भी लगा दी थी।शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की।शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर मवई चौराहे के पास दबिश देकर चार संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया गया।उनके कब्जे से तीन लोहे की डिलीवरी पाइप,एक लोहे की फ्रेम, एक सरिया की सीढ़ी तथा करीब 20 फीट केबल तार बरामद किया गया।पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की घटना स्वीकार करते हुए बताया कि केबल से तांबा निकालने के लिए उसे आग लगाई थी।उन्होंने यह भी बताया कि रात में सुनसान स्थानों और बंद पड़े मकानों को निशाना बनाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे।गिरफ्तार आरोपियों में सुमित निवासी खरेही खप्टिहाकलां थाना पैलानी तथा रामबाबू,हरिशंकर और पप्पू निवासी मवई बुजुर्ग थाना कोतवाली नगर शामिल हैं।पुलिस ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध दर्ज मुकदमे में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि उन्होंने जिले में अन्य किन-किन स्थानों पर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है।

वन महोत्सव पर निकली प्रभात फेरी,पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।वन महोत्सव सप्ताह के अंतर्गत शुक्रवार को वन विभाग की ओर से महाराणा प्रताप चौक से कालूकुआं चौक तक प्रभात फेरी का आयोजन किया गया।विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने रैली निकालकर पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और हरित आवरण बढ़ाने का संदेश दिया।रैली का शुभारंभ जिलाधिकारी अमित आसेरी ने हरी झंडी दिखाकर किया।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पांडेय,अपर जिलाधिकारी जिला विद्यालय निरीक्षक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।प्रभागीय वनाधिकारी पंकज कुमार शुक्ला ने जनपदवासियों से अधिक से अधिक पौधरोपण करने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण देने के लिए जन सहभागिता के साथ वृक्षारोपण को जन आंदोलन बनाना होगा।प्रभात फेरी में क्षेत्रीय वनाधिकारी बांदा,पैलानी तिंदवारी एवं बबेरू सहित वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी,शिक्षक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की।रैली के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के प्रति जागरूक किया गया।

10 दिवसीय क्लासिकल नृत्य कार्यशाला का भव्य समापन, प्रतिभागी हुए सम्मानित

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।नगर के बालखंडी नाका स्थित सारंग होटल में श्रेया-आकर्ष इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित 10 दिवसीय क्लासिकल नृत्य कार्यशाला का भव्य समापन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने भारतीय शास्त्रीय एवं सांस्कृतिक नृत्यों की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब सराहना बटोरी।समारोह के मुख्य अतिथि पद्मश्री उमाशंकर पांडे तथा विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष मालती बासु और समीम बानो ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया।अतिथियों ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं बच्चों और युवाओं में कला,संस्कृति तथा भारतीय परंपराओं के प्रति रुचि विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं।कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने विभिन्न शास्त्रीय एवं सांस्कृतिक नृत्यों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और समृद्ध सांस्कृतिकविरासत की मनमोहक झलक प्रस्तुत की।उनकी प्रस्तुतियों की उपस्थित अतिथियों,अभिभावकों और कला प्रेमियों ने सराहना की।संस्थान की संचालिका अंजू दमेले ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों एवं युवाओं को भारतीय शास्त्रीय नृत्य और संस्कृति से जोड़ते हुए उनकी प्रतिभा को उचित मंच उपलब्ध कराना है।उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार की सांस्कृतिक कार्यशालाओं का आयोजन निरंतर किया जाएगा।समारोह के अंत में सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के साथ-साथ उनकी प्रतिभा को निखारने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक,प्रशिक्षक गणमान्य नागरिक एवं कला प्रेमी उपस्थित रहे।

बसपा के नए जिलाध्यक्ष बने गुलाब वर्मा,बाबा साहेब को अर्पित की श्रद्धांजलि

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।बहुजन समाज पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष गुलाब वर्मा ने बुधवार को कचहरी परिसर स्थित अंबेडकर पार्क पहुंचकर संविधान निर्माता डॉ.भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर बसपा कार्यकर्ताओं ने गुलाब वर्मा का फूल-मालाओं से स्वागत कर शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।जिलाध्यक्ष बनने पर गुलाब वर्मा ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा बहुजन समाज पार्टी की नीतियों और बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य किया जाएगा।कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती और पार्टी के जनाधार को बढ़ाने का संकल्प भी लिया।

2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटें कार्यकर्ता

बूथ सशक्त बनाने पर भाजपा का जोर

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।भारतीय जनता पार्टी की जिला स्तरीय बैठक गुरुवार को जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित हुई।बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों, संगठन विस्तार और बूथ सशक्तीकरण पर विस्तार से चर्चा की गई।जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए सभी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाए।उन्होंने कहा कि पार्टी में कार्यकर्ताओं का सम्मान सर्वोपरि है और अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को समान सम्मान और अवसर देना आवश्यक है।उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया अभियान ने देश को नई दिशा दी है और संगठन को भी आधुनिक तकनीकों का प्रभावी उपयोग करना चाहिए।राष्ट्रीय परिषद सदस्य संतोष गुप्ता ने कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की वास्तविक शक्ति हैं।उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय और मजबूत बनाने पर जोर देते हुए कहा कि मजबूत बूथ ही चुनावी सफलता की आधारशिला है।

जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत ने कहा कि विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियां अभी से शुरू करनी होंगी।उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संगठन की अपेक्षाओं के अनुरूप सक्रिय होकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया।बैठक का संचालन जिला महामंत्री निखिल सक्सेना ने किया।उन्होंने पदाधिकारियों से मंडल,शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपने तथा प्रस्तावित जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियां समय रहते पूरी करने का आग्रह किया।बैठक में अमित सेठ भोलू,ममता मिश्रा,उत्तम सक्सेना,दुर्गा चौरसिया,प्रेम नारायण पटेल, पंकज रायकवार,विष्णु प्रताप सिंह,संतू गुप्ता,रामभवन उपाध्याय,रूपा चौहान,देशराज सिंह सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

टीजीटी परीक्षा को लेकर पुलिस अलर्ट, एएसपी शिवराज ने शहर में किया पैदल गश्त

सुनील सक्सेना विशेष संपादक उत्तर प्रदेश

बांदा। आगामी यूपी टीजीटी परीक्षा के मद्देनज़र कानून-व्यवस्था, सुरक्षा और सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज ने शुक्रवार को शहर के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यातायात प्रभारी महेंद्र प्रताप सिंह, टीएसआई निहाल सिंह, चौकी प्रभारी सिविल लाइन आशुतोष त्रिपाठी, यातायात पुलिस एवं पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ने सड़क सुरक्षा को प्रभावित करने वाले अतिक्रमणों पर सख्त रुख अपनाया। उन्होंने सड़क किनारे ईंट, गिट्टी, बालू एवं अन्य निर्माण सामग्री रखकर यातायात बाधित करने वालों को कड़ी चेतावनी देते हुए तत्काल सामग्री हटाने के निर्देश दिए। साथ ही चेताया कि भविष्य में सड़क पर अवैध रूप से सामग्री मिलने पर उसे जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

शहर भ्रमण के दौरान एएसपी शिवराज ने सड़क पर सब्जी की दुकानें लगाकर आवागमन में बाधा उत्पन्न करने वाले दुकानदारों को भी समझाइश दी। उन्होंने कहा कि सभी दुकानदार सड़क से हटकर निर्धारित स्थान या किनारे पर ही अपनी दुकान लगाएं, जिससे आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यूपी टीजीटी परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों एवं आम नागरिकों की सुविधा, यातायात व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए लगातार गश्त, निगरानी और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

गंदगी में डूबे ऐतिहासिक कुएं, सुंदरीकरण योजना पर उठे सवाल

राठौरनपुरा गांव में उपेक्षा का शिकार बने प्राचीन कुएं, ग्रामीणों ने की सुंदरीकरण की मांग

माधौगढ़ (जालौन) माधौगढ़ तहसील क्षेत्र के राठौरनपुरा गांव में स्थित प्राचीन कुएं आज बदहाली और गंदगी की मार झेल रहे हैं। वर्षों पुराने इन कुओं की हालत लगातार खराब होती जा रही है, लेकिन ग्राम पंचायत की ओर से इनके संरक्षण और सुंदरीकरण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। कुओं के आसपास झाड़ियां उग आई हैं, टूट-फूट साफ दिखाई दे रही है और कई स्थानों पर गंदगी का अंबार लगा हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि सरकार द्वारा गांवों में सौंदर्यीकरण और धरोहर संरक्षण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, लेकिन राठौरनपुरा के इन ऐतिहासिक कुओं को अब तक किसी योजना का लाभ नहीं मिल सका है। पंचायत स्तर पर भी इनकी साफ-सफाई और मरम्मत की ओर ध्यान नहीं दिया गया।

ग्रामीणों के अनुसार ये कुएं गांव की पहचान और सांस्कृतिक विरासत हैं। यदि समय रहते इनका जीर्णोद्धार और सुंदरीकरण नहीं कराया गया तो यह धरोहर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो सकती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान द्वारा विकास कार्यों पर ध्यान दिया जा रहा है, लेकिन इन ऐतिहासिक धरोहरों की अनदेखी की जा रही है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, खंड विकास अधिकारी एवं संबंधित विभागों से मांग की है कि कुओं की साफ-सफाई कराकर उनका सुंदरीकरण कराया जाए, ताकि गांव की ऐतिहासिक पहचान सुरक्षित रह सके और आने वाली पीढ़ियां भी इस विरासत को देख सकें।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि पंचायत और प्रशासन पहल करें तो मनरेगा तथा ग्राम पंचायत विकास योजनाओं के माध्यम से इन कुओं का सौंदर्यीकरण और संरक्षण कराया जा सकता है।

माधौगण कस्बा मैं झोला छाप डॉक्टरों की भरमार,

माधौगण जालौन, माधौगण कस्बा मैं आजकल बिना डिग्री के झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार गरीबों का चूस रहे हैं खून जिसकी जांच सक्षम अधिकारियों को सौंपी गई थी एक साल से अधिक हो गया कोई कार्य वाही नहीं की गई केवल जांच चल रही है देखना यह है कि जांच को अपना ठिकाना मिलता है या जांच चलती ही रहेगी जबकि ऐसे मामलों में सरकार को संज्ञान में लेते हुए जांच का दायरा निश्चित किया जाए क्योंकि सालों गुजर जाते हैं और जांच अपने मुकाम तक नहीं पहुंच पाती है वह चलती ही रहती है ऐसे ही कस्बा में अन्य डॉक्टर जैसे बंगाली एवं कमल राय जो बिना डिग्री किये ही खुलेआम अपने को डॉक्टर बता कर डॉक्टरी कर रहे हैं कस्बा के डॉक्टर कमल राय से जब मीडिया कर्मियों ने उनके डिग्री के बारे में जानकारी ली तो उनका कहना था कि हम बिना डिग्री के ही डॉक्टरी कर रहे हैं हमारा यहां पर इतना रुतबा है कि ना तो कोई सांसद ना विधायक और ना ही कोई प्रभारी चिकित्सा निरीक्षक हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता है जबकि डॉक्टर साहब को जानकारी भी नहीं है कि किस मर्ज पर कौन दवाई दी जाए फिर भी अपने को डॉक्टर बात कर खुलेआम गरीबों के साथ जिस तरीके से अन्याय हो रहा है जबकि इसकी शिकायत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी मनीष राजपूत से की गई तो उन्होंने शक्त आदेश दिया कि झोलाछाप डॉक्टरो पर सख्त कार्रवाई होगी जबकि कस्बा के झोलाछाप डॉक्टरों ने पहले भी कई मरीजों के ऐसे इंजेक्शन लगाए जिनकी जान पर आफत आ गई और इसका विरोध भी हुआ लेकिन वह अपनी दबंगई की दम पर डॉक्टरी कर रहे हैं

जलभराव की समस्या को लेकर नगर निगम पहुंचे कांग्रेसी

सिद्धि सरकार ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसी- आज झांसी महानगर के पठोरिया , इन्द्रपुरी कालोनी , मेहंदी बाग सहित अन्य इलाकों में जलभराव की समस्या को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य के नेतृत्व में कांग्रेसी नगर निगम पहुंचे और अपर नगर आयुक्त राहुल यादव से अविलंब निराकरण की मांग की।

पूर्व मंत्री ने कहा कि मानसून आ चुका है लेकिन नगर निगम ने अभी तक नलकी सफाई नहीं कराई है ।जिससे थोड़ी सी वारिश में ही लोगों के घरों में पानी भरने लगता है। स्मार्ट सिटी झांसी में जलभराव की समस्या लोगों के लिए सिरदर्द बनी हुई है। निर्माण के नाम पर करो?ी रुपए खर्च होने के बाद भी अवयवस्थाओ का बोलबाला है।

इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष योगेंद्र सिंह पारीछा, शहर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, पूर्व शहर अध्यक्ष। इम्तियाज हुसैन, महिला अध्यक्ष आशिया सिद्दीकी, डा. सुनील तिवारी, राजेंद्र सिंह यादव , एडवोकेट विवेक बाजपेई, अखिलेश गुरुदेव, अनिल रिछारिया, अमीर चंद आर्य, हरिओम श्रीवास, अशोक कंसौरिया , शैलेंद्र वर्मा शीलू, दिनेश वर्मा,मनोज तिवारी, उमा चरण वर्मा, आदि मौजूद रहें।

प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस पर जूट के थैले बांटकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जिला गंगा समिति के जन-जागरूकता कार्यक्रम में एकल-उपयोग प्लास्टिक छोड़ने और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने का लिया संकल्प

ललितपुर। प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस के अवसर पर जिला गंगा समिति (नमामि गंगे) के तत्वावधान में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए जूट एवं कपड़े के थैलों के उपयोग का संदेश दिया गया। मुख्य अतिथि एडीएम (नमामि गंगे) संजय मिश्रा ने कहा कि एकल-उपयोग प्लास्टिक पर्यावरण, नदियों और जलस्रोतों के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग प्राकृतिक संसाधनों को प्रदूषित कर रहा है, जिससे मानव स्वास्थ्य और जैव विविधता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने लोगों से प्लास्टिक बैग का बहिष्कार कर जूट और कपड़े जैसे पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने की अपील की। मुख्य अतिथि ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को जूट से बने पर्यावरण-अनुकूल थैलों का वितरण किया। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी आदतों में बदलाव लाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा योगदान दिया जा सकता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति प्लास्टिक की जगह जूट या कपड़े के थैलों का उपयोग करे तो प्लास्टिक प्रदूषण पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। कार्यक्रम में जिला गंगा समिति परियोजना अधिकारी केतन दुबे ने प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपने परिवार, मित्रों और समाज में भी प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने एकल-उपयोग प्लास्टिक का प्रयोग न करने तथा दैनिक जीवन में जूट एवं कपड़े के थैलों का नियमित उपयोग करने का संकल्प लिया। जिला गंगा समिति ने इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाने का भी संकल्प दोहराया।

जनपद में अवैध खनन/अवैध भंडारण पर औचक निरीक्षण से मचा हड़कंप

मॉनसून सत्र प्रारंभ होने के कारण 30 जुलाई की रात्रि में बालू/ मौरम पट्टों मै खनन कार्य बंद, परिवहन मार्ग को जेसीबी मशीन से खुदवाया

सिद्धि सरकार ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसी खनन माफिया और उनके रहनुमाओं को सीधी चेतावनी देते हुए जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कहा कि आवंटित क्षेत्र के बाहर खनन कार्य करने एवं नियम विरुद्ध खनन एवं परिवहन सहित भंडारण करने में जुटे माफिया तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि बालू, मौरंग, गिट्टी जैसे खनिज आम आदमी से सीधा जुड़ा है। इनकी कालाबाजारी करते हुए कीमतों में अनावश्यक बढ़ोतरी ना हो व खनिजों के कृत्रिम अभाव पैदा करने वाले कालाबाजारियों के खिलाफ विधिक कार्यवाही की जाए। जन सामान्य को उचित दर पर खनिज उपलब्ध हो और प्रदेश में खनन के व्यवसाय सुगमता पूर्वक हो सके इसके लिए प्रशासन संकल्पित है उन्होंने कहा कि बेहतर प्रबंधन के माध्यम से राजस्व संग्रह में वृद्धि होती है, यह प्रयास आगे भी जारी रहना चाहिये। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि खनन कार्य से जुड़े सभी हित धारकों के लिए पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित हो मूल्य नियंत्रण में रहे नए व्यवसायियों को बाजार में स्थापित एकाधिकार एवं बंधन मुक्त कर समान अवसर उपलब्ध हो सके इस दिशा में सतत प्रयासों के सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं।

जिलाधिकारी गौरांग राठी ने क्षेत्र में अवैध खनन एवं नियम विरुद्ध खनन के साथ ही ओवरलोडिंग एवं भण्डारण पर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु एसडीएम गरौठा,खनिज विभाग एवं पुलिस विभाग के नेतृत्व में एक टीम गठित करते हुए

विभिन्न खनन कारोबारियों के यहां छापामार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी के निर्देश पर एसडीएम गरौठा के नेतृत्व में जांच दल ने सीधे खनन कारोबारियों के खनन क्षेत्र पर छापामार कार्यवाही करते हुए पट्टा धारकों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की।

आज जिलाधिकारी गौरांग राठी के निर्देश पर उपखनिज के अवैध खनन/परिवहन / भण्डारण पर प्रभावी कार्यवाही हेतु गठित टास्क फोर्स द्वारा बालू/मौरम खनन पट्टा क्षेत्रों का किये गये औचक निरीक्षण में 03 बालू/मौरम खनन पट्टों क्षेत्रों में पाये गये अवैध खनन के सम्बन्ध में रू0 1,63,85,024.00 की धनराशि सम्बन्धित पट्टाधारकों पर अधिरोपित की गयी तथा उपखनिज ईमारती पत्थर के खनन पट्टा की जाँच में 05 खनन पट्टा क्षेत्रों में निर्धारित निर्देशांक पर सीमास्तम्भ न पाये जाने के कारण उ0प्र0 उपखनिज (परिहार) नियमावली-2021 के नियम-60 (3) के तहत प्रत्येक पट्टाधारक पर रू0 25,000.00 की शास्ति अधिरोपित किये जाने12 तथा 01 खनन पट्टा क्षेत्र में इमारती पत्थर का अवैध खनन पाये जाने पर सम्बन्धित पट्टाधारक के विरूद्ध नोटिस जारी नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

कार्यवाही में उपखनिज के अवैध खनन / परिवहन के प्रकरणों में कुल 36 वाहनों / मशीनों पर कुल रू0 16,24,670.00 की शास्ति अधिरोपित की गयी है। मानसून सत्र (जुलाई, अगस्त, सितम्बर) प्रारम्भ होने के कारण दिनांकः 30.06.2026 की रात्रि में बालू/मौरम के सभी स्वीकृत खनन पट्टों में खनन कार्य बन्द करा दिया गया है तथा पट्टाधारकों द्वारा उपखनिज बालू/मौरम के परिवहन हेतु बनाये गये मार्ग व सम्भावित अवैध खनन / परिवहन वाले मार्गो को जे0सी0बी0 मशीन द्वारा खुदवा दिया गया है।

जिलाधिकारी द्वारा सभी बालू/मौरम के खनन पट्टाधारकों को खनन पट्टा क्षेत्र से उपखनिज बालू/मौरम का खनन परिवहन करने वाले मार्ग को कटवा कर उसका विडियों उपलब्ध कराने तथा पट्टा क्षेत्र में स्थापित साईन बोर्ड पर मानसून सत्र के दौरान खनन कार्य बन्द रहने की सूचना चस्पा कराने तथा जनपद / तहसील स्तर पर गठित टास्क फोर्स को अवैध खनन / परिवहन/भण्डारण पर निरंतर सतत् निगरानी बनाये रखने एवं अनियमितता पाये जाने पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है।

छापामार कार्यवाही में उप जिलाधिकारी गरौठा, ज्येष्ठ खान अधिकारी, तहसीलदार सहित क्षेत्राधिकारी पुलिस व खनिज प्रवर्तन दल के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कुलदीप कोठारी के अकस्मात निधन से दौड़ी शोक की लहर

जगह-जगह हुई शोक सभाएं

गुरसरांय(झांसी)। नगर के समाजसेवी संदीप कोठारी के चचेरे भाई कुलदीप कोठारी का अकस्मात निधन होने पर नगर में शोक की लहर दौड़ गई इसको लेकर गुरसरांय में व्यापारियों की व समाजसेवियों की एक शोक सभा सुनील जैन डीकू की अध्यक्षता में हुई जिसमें प्रमुख रूप से श्री राम सेवा समिति के अध्यक्ष सतीश चंद्र चौरसिया ने कहा की कुलदीप कोठारी उर्फ बुद्दे 55 वर्ष की उम्र में निधन से जो क्षति हुई है वह नगर का क्षेत्र में कभी पूरी नहीं हो सकती। इस दौरान एक शोक सभा हुई जिसमें दिबंगत आत्मा की शांति व शोकाकुल परिवार को धैर्य व शक्ति हेतु 2 मिनट का मौन धारण कर ईश्वर से प्रार्थना की गई शोक सभा में प्रमुख रूप से पूर्व चैयरमेन पंडित देवेश पालीवाल,बसंत मोदी,नितुल व्यास,राजेंद्र प्रसाद बिलैया, एडवोकेट अनिल वशिष्ठ,सुनील सिंह चौहान,बंटे बरसैया, राजेंद्र पालीवाल,रविंद्र स्वामी, सत्येंद्र घोष शिक्षक,सुरेश सोनी सरसैड़ा,प्रसिद्ध नारायण सिंह यादव,शौकीन खान,रज्जू बिलैया,आयुष त्रिपाठी,हरिश्चंद्र नायक,भैया लाल यादव,ऋषभ वशिष्ठ, अखिलेश कनकने, अज्जू मौर्य,पन्ना मिस्त्री समेत बड़ी संख्या में नगर के समाजसेवी,व्यापारी प्रमुख लोग शोसभा में मौजूद रहे।

दैनिक सिद्धि सरकार के लिए स्वामी मुद्रक प्रकाशक अखिलेश कुमार द्वारा परशुराम एसोसिएट एंड कानन ड्रीम प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी नहर रोड आजादपुरा ललितपुर उत्तर प्रदेश से छपरा कर 91 मसरा खुर्द ललितपुर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित संपादक अखिलेश कुमार चौबे
email id.siddhisarkar@ gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ललितपुर होगा)मो.न.. 9793 444 829 ,9044133894